धनबाद
रविवार 16.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-30 अंक-353 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

बीआईटी मेसरा ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में अपनी प्लेटिनम जुबली मनाई

नई दिल्ली (एजेंसी): बीआईटी मेसरा, दूरदर्शी उद्योगपति बी.एम. बिरला द्वारा १९५५ में स्थापित, भारत के प्रमुख टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट्स में से एक, ने १५ फरवरी २५ को रांची कैम्पस में अपनी ७०वीं वर्षगांठ मनाई।

प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू थीं, जिनके साथ झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार, झारखंड के माननीय मंत्री श्री सुदिव्य कुमार, श्री सी.के.बिरला, चेयरमैन, सीके बिरला ग्रुप और श्री इंद्रनील मन्ना, वाइस चांसलर मंच पर मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि और भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि, प्लैटिनम जुबली इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में बीआईटी मेसरा के योगदान का जश्न मनाने और सम्मान करने का एक उपयुक्त अवसर है। बीआईटी मेसरा २०२३ में एआइ और एमएल में बी-टेक पाठ्यक्रम शुरू करके सबसे आगे रहा है। मुझे अपनी बेटियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उत्कृष्टता के स्तर को ऊपर उठाते हुए देखकर भी खुशी हो रही है। युवाओं का उत्साह और प्रतिबद्धता 'विकसित भारत' के निर्माण में प्रमुख घटक होगी।

मुख्य अतिथि और झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि, बीआईटी मेसरा की स्थापना इसके दूरदर्शी संस्थापक, श्री बी.एम. बिड़ला की एक सराहनीय पहल थी, जो वास्तव में इस राष्ट्र के विकास के लिए इंजीनियरिंग और तकनीकी प्रगति के महत्व को समझते थे। तब से, बीआईटी ने एक लंबा सफर तय किया है और बड़ी संख्या में छात्रों को प्रशिक्षित किया है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल के माध्यम से संस्थान और देश का नाम रोशन किया है।

झारखंड के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि, बीआईटी मेसरा सबसे अधिक मांग वाला संस्थान बना हुआ है, और इसका श्रेय इसके प्रबंधन, संकाय, पूर्व छात्रों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उन छात्रों को जाता है जो यहां अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

बीआईटी इंस्टीट्यूट के स्थायी प्रभाव पर विचार करते हुए, सी.के.बिरला, चेयरमैन, सीके बिरला ग्रुप ने कहा कि आज, हमारे पास २० से अधिक विषय हैं, जिनमें १०,००० से अधिक स्टूडेंट्स और ६०० से अधिक फैकेल्टी सदस्य हैं, और हमें दुनिया भर में ५०,०००-मजबूत एल्यूमनी नेटवर्क पर बहुत गर्व है। प्रतिभाओं को लगातार आगे बढ़ाने और उनके लिए लगातार नए और बेहतर अवसर ▶▶ 8

लोकतंत्र पर उठा सवाल तो जयशंकर ने जर्मनी में स्याही लगी फिंगर दिखाई

कहा- पश्चिमी देश बाकी दुनिया पर अपने लोकतंत्र का मॉडल थोपने में लगे

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से जर्मनी के म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जब उनसे पूछा कि क्या वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र खतरे में है, तो उन्होंने स्याही लगी इंडेक्स फिंगर दिखाई। अपनी उंगली दिखाते हुए जयशंकर ने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र केवल एक सिद्धांत नहीं बल्कि एक डिलीवर किया गया वादा है। इसके बाद जयशंकर ने खतरे में लोकतंत्र का झंडा बुलंद करने वाले पश्चिमी देशों को आईना दिखाया। बांग्लादेश का नाम लिए बगैर वहां अमेरिका की चालबाजी पर कटाक्ष किया। जयशंकर ने कहा कि पश्चिम ने ग्लोबल साउथ में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश बाकी दुनिया पर अपने लोकतंत्र का मॉडल थोपने में लगे हैं, उन्हें भी पश्चिम के बाहर के सफल मॉडलों को अपनाना चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि एक समय था जब पश्चिम ने लोकतंत्र को एक पश्चिमी विशेषता के रूप में माना और वैश्विक दक्षिण में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को प्रोत्साहित करने में व्यस्त था और यह अभी भी ऐसा ही करता है। विदेश मंत्री शुक्रवार को म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में चुनावों के दौरान करीब दो-तिहाई वोटर मतदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमारे यहां आम चुनाव हुए, जिसमें करीब ९०० मिलियन मतदाताओं में से ७०० मिलियन ने वोट डाला। एक ही दिन में गिनती होती है और नतीजों पर कोई विवाद नहीं होता।

ताज का दीदार करने आगरा पहुंचे पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता नारायण मूर्ति

आगरा (ईएमएस): पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता नारायण मूर्ति दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। सुनक अपनी पत्नी अक्षता नारायण मूर्ति और डेलीगेशन के साथ रविवार को ताजमहल का दीदार करने वाले है। इस बारे में जिला प्रशासन ने पूर्व पीएम के दो दिवसीय आगरा दौरे का शेडयूल जारी किया है।

जिला प्रशासन की ओर से बताया गया हैं कि पूर्व पीएम सुनक, उनकी पत्नी और डेलीगेशन दिल्ली से विशेष विमान से दो दिवसीय यात्रा पर आगरा आएंगे। डीएम अरविंद मल्हप्पा बंगारी ने बताया कि ब्रिटेन के पूर्व पीएम सुनक और डेलीगेशन नई दिल्ली से विशेष विमान से खेरिया सिविल एयरपोर्ट पर आएंगे। जहां से शिल्पग्राम के पास स्थित होटल ओबरॉय पहुंचकर रात्रि विश्राम करने वाले है। रविवार सुबह पूर्व पीएम सुनक अपनी पत्नी अक्षता नारायण मूर्ति और डेलीगेशन के साथ ताजमहल का दीदार करने वाले है। इसके साथ अन्य स्मारक का भी भ्रमण भी करने वाले है। जिनकी सूची तभी जारी होगी। रविवार को भी होटल में नाइट स्टे करने के बाद सोमवार सुबह ९ बजे खेरिया एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बात दें कि अक्षता नारायण मूर्ति और सुनक कई बार ताजमहल देखने की इच्छा जता चुके हैं। मगर, अब अब ऋषि सुनक और अक्षता नारायण मूर्ति अब ताजमहल देखने आ रहे हैं।

रुस से सुखोई तो अमेरिका से एफ 35 लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत!

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिका और रुस भारत को बड़ा बाजार मानकर चल रहे हैं। उन्हें लगता है कि भारत ही वो देश हैं जो व्यापार की अनंत संभावनाएं हैं। शायद यही वजह है कि रुस, भारत को सुखोई ५७ और अमेरिका एफ-३५ लड़ाकू विमान बेचने के लिए ऑफर दे रहे हैं।पांचवी पीढ़ी के फाइटर एसयू-५७ का ऑफर पहले रूस की तरफ से आया। अब अमेरिका ने पांचवी पीढ़ी के फाइटर एफ-३५ लाइटनिंग-२ का ऑफर दिया है।पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के साझा बयान में ट्रंप ने इस बात का ऐलान करते हुए कहा कि इस साल की शुरूआत में हम भारत में मिलिट्री सेल को कई बिलियन डॉलर तक बढ़ाएंगे। हम भारत को एफ-३५ स्टील्थ फाइटर बेचने की पेशकश कर रहे हैं। इस एलान के बाद से भारत को लड़ाकू विमान बेचने की होड़ लग गई है।

बेंगलुरू 'एयरो इंडिया-२०२५' पहली बार सुखोई-५७ भारतीय आसमान में दिखा। अमेरिकी एफ-३५ ने भी अपना दमखम दिखाया। ऐसा पहली बार हुआ जब दो देश अपने पांचवी पीढ़ी के फाइटर एयरक्राफ्ट को भारत पहुंचे। अब दोनों भारत को पांचवी पीढ़ी के फाइटर बेचने की रेस में है। हांलाकि अभी तक भारत ने यह रेस शुरू ही नहीं की है। सुखोई-५७ बनाने वाली कंपनी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट ने भारत को सुखोई के एक्सपोर्ट वर्जन यानी की एसयू-५७ ई बेचने का ऑफर दिया है। इसमे फ्लाई वे ▶▶ 8

18 को रिटायर हो रहे राजीव कुमार, नए मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर बैठक जल्द

सिलेक्शन कमेटी में पीएम मोदी, राहुल गांधी और एक केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमिटी अगले हफ्ते नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए बैठक करेगी। मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार १८ फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सिलेक्शन कमिटी में पीएम मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पीएम की ओर से नामित एक केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। यह बैठक १६ या १७ फरवरी को हो सकती है।

बैठक में शॉर्टलिस्ट नाम रखे जाएंगे। सिलेक्शन कमिटी एक नाम फाइनल करके उसकी सिफारिश करेगी। कमिटी की सिफारिश पर राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेंगी। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के बाद सबसे सीनियर चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हैं, जिनका कार्यकाल २६ जनवरी २०२९ तक है। अन्य चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू है।

बता दें मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए पीएम, नेता प्रतिपक्ष और पीएम की ओर से नियुक्त एक केंद्रीय मंत्री की तीन सदस्यीय कमिटी चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की सिफारिश करेगी। इससे पहले सर्च कमिटी पांच नामों को शॉर्टलिस्ट करती है। इनमें से एक नाम मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए सिलेक्शन कमिटी फाइनल करती है। कानून के मुताबिक उम्मीदवार को भारत सरकार के सचिव-स्तर का अधिकारी होना चाहिए या रह चुका हो। उसे ईमानदार, निष्पक्ष और चुनाव प्रबंधन और संचालन का अनुभव रखने वाला व्यक्ति होना चाहिए।

डिजिटल अरेस्ट मामले में सीबीआई ने दिल्ली और हरियाणा में की छापेमारी

छापेमारी में 1.08 करोड़ रुपये की नकद राशि जब्त की

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को ठगने के आरोप में कथित साइबर अपराधियों के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में ११ स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के इस दौरान १.०८ करोड़ रुपये की नकद राशि जब्त की। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि दो साल पुराने मामले में दिल्ली में नौ और हरियाणा के हिसार में दो स्थानों पर छापेमारी की गई। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों पर स्वयं को वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बताकर अवैध गतिविधियां और क्रिप्टो धोखाधड़ी करने का आरोप है।

सीबीआई ने एक बयान में कहा, उन्हें भारत और अन्य देशों में लोगों को फर्जी तकनीकी सहायता परामर्श देकर और क्रिप्टोकरंसी के रूप में धन हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित करके धोखा देते हुए पाया गया। इस धन को फिर कई क्रिप्टो वॉलेट के माध्यम से भेजकर नकदी में परिवर्तित किया गया। सीबीआई ने मामले में ▶▶ 8

उत्तरी कश्मीर के जंगलों में भीषण आग, बुझाने में जुटे कर्मचारी

बांदीपोरा (ईएमएस): उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा के ओनागाम जंगलों में भीषण आग लगी हैं, जो तेजी से एक बड़े इलाके में फैल गई। वन विभाग के कर्मचारियों ने वन सुरक्षाबल और निवासियों के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया।

आग काफी ऊंचाई पर लगी है और सड़क संपर्क की कमी के कारण आग बुझाने के प्रयास बेहद मुश्किल हो रहे है।

चुनौतीपूर्ण इलाके के कारण अधिकारियों ने दमकल गाड़ियों को तैनात करने से इंकार कर दिया है, जिससे बचाव दल को पारंपरिक आग पर काबू पाने के तरीकों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

इन बाधाओं के बावजूद वन कर्मचारी आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी तेज, मुंबई का जेल भी रखने को तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने की घोषणा की। राणा लंबे समय से अमेरिका की हिरासत में था। ट्रंप की घोषणा के बाद भारत सरकार ने उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज करने की बात कही है।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत अब राणा के आत्मसमर्पण और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के संपर्क में हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने २१ जनवरी को राणा की याचिका खारिज कर दी थी, जिससे प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कानूनी दस्तावेज और वारंट अमेरिकी अधिकारियों के साथ साझा किए हैं। अब दोनों देश प्रत्यर्पण की तारीख और अन्य औपचारिकताओं को तय करने पर काम कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही भारत सरकार से अंतिम मंजूरी मिलती है, एनआईए के अधिकारी राणा को भारत लाने के लिए अमेरिका जाएंगे। भारत लाए जाने ▶▶ 8

बांग्लादेश से पाकुड़ आया आतंकी, युवाओं को दी ट्रेनिंग, एटीएस कर रही जांच

रांची (ईएमएस): झारखंड में कुछ लोगों को आतंकी ट्रेनिंग दिए जाने की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि बांग्लादेश से आकर एक आतंकी झारखंड के पाकुड़ जिले के कुछ युवकों को आतंक के रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह खुलासा एक खुफिया पत्र के जरिए हुआ है। पत्र में लिखा है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिश रच रहे हैं। साजिश के तहत कुछ आतंकी बांग्लादेश से झारखंड आ गए और पाकुड़ में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस लौट गए। मामले को लेकर झारखंड एटीएस ने अलर्ट जारी किया है।

जानकारी के मुताबिक झारखंड एटीएस को सूचना मिली है कि बांग्लादेश की सीमा पार कर जेएमबी आतंकी अब्दुल ममुन मुर्शिदाबाद के धुलियान के रास्ते झारखंड के पाकुड़ जिला आया था। उसने जेएचएप नाम के संगठन के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद उसने कई कैडरों को आतंकी ट्रेनिंग दी और फिर वापस लौट गया। पूरे मामले की अब एटीएस जांच कर रही है। वहीं सारे जिलों के एसपी और डीआईजी ▶▶ 8

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुम्भ नगर (ईएमएस): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को महाकुम्भ में पहुंचे और त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महाकुंभ भारत की आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है। यह हमारी प्राचीन संस्कृति और धर्म का महोत्सव है। यहां संतों की वाणी, उनका प्रभाव और भक्तों की अपार श्रद्धा देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मां गंगा की कृपा सभी पर बनी रहे और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आए।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वेद-पुराणों में महाकुंभ का विशेष उल्लेख है। यह आयोजन समभाव और समरसता का प्रतीक है, जहां जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ आस्था के संगम में डुबकी लगाते हैं। महाकुम्भ न केवल आंतरिक ऊर्जा और चेतना को जाग्रत करता है, बल्कि आत्मा और मन की शुद्धता भी प्रदान करता है। उन्होंने आस्था को जीवन का सबसे बड़ा सामर्थ्य बताते हुए कहा कि यह पर्व राजनीति से परे, सामाजिक और आध्यात्मिक समरसता का अवसर है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत से, गांव-गांव और शहर-शहर से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं, जो इस आयोजन की विशालता और पवित्रता को दर्शाता है। महाकुम्भ के प्रति अपने विश्वास को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि समाज को जोड़ने का भी कार्य करता है।

सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं प्रधान न्यायाधीश?

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा- ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया

नई दिल्ली (ईएमएस): उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश, सीबीआई के निदेशक जैसे शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में कहा कि उनके विचार में मूल संरचना के सिद्धांत का न्यायशास्त्रीय आधार बहस योग्य है।

उन्होंने लोगों से सवाल किया कि हमारे जैसे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, वैधानिक निर्देश के जरिये प्रधान न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्या इसके लिए कोई कानूनी दलील हो सकती है? मैं इस बात की सराहना करता हूं कि वैधानिक निर्देश इसलिए बने क्योंकि उस समय की कार्यपालिका ने न्यायिक फैसले के आगे घुटने टेक दिए थे, लेकिन अब इस पर पुनर्विचार करने का समय आ है। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता है। हम भारत के प्रधान न्यायाधीश को किसी शीर्ष स्तर की नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि न्यायिक आदेश के जरिये कार्यकारी शासन एक संवैधानिक विरोधाभास है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। धनखड़ ने कहा कि सभी संस्थानों को अपनी संवैधानिक सीमा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह होती हैं। वे समय-समय पर मतदाताओं के प्रति भी जवाबदेह होती हैं, लेकिन अगर कार्यकारी शासन अहंकारी हो या आउटसोर्स किया गया है, तो जवाबदेही नहीं रहेगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विधायिका या न्यायपालिका की ओर से शासन में कोई भी हस्तक्षेप संविधानवाद के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संस्थागत अलगाव पर नहीं, बल्कि समन्वित स्वायत्तता पर चलता है। निस्संदेह, संस्थाएं अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करते हुए उत्पादक एवं इष्टतम योगदान देती हैं। न्यायिक समीक्षा की शक्ति पर धनखड़ ने कहा कि यह एक अच्छी बात है, क्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि कानून संविधान के अनुरूप हों।

धनखड़ ने कहा कि मैं वर्तमान स्थिति पर पुनर्विचार करना चाहता हूं ताकि हम फिर से उसी प्रणाली में आ सकें एक ऐसी प्रणाली जो हमारी न्यायपालिका को उत्कृष्टता दे सके। जब हम दुनिया भर में देखते हैं, तो हमें कभी भी न्यायाधीशों का वह रूप नहीं मिलता, जैसा हम सभी मुद्दों पर यहां देखते हैं। इसके बाद उन्होंने मूल संरचना सिद्धांत पर चल रही बहस पर बात की, जिसके अनुसार संसद भारतीय संविधान की कुछ बुनियादी विशेषताओं में संशोधन नहीं कर सकती।

किसी भी महिला की आंखों से आंसू नहीं गिरने देंगे : राष्ट्रपति

धनबाद (कासं) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के १०वें संस्करण के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया। उन्होंने ५० देशों की ५०० से अधिक प्रतिनिधियों को प्रेरित करते हुए, हर महिला को अपने भीतर की शक्ति, गुण और प्रतिभाओं को पहचानने और समाज में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रेरित किया। यह जानकारी संस्था के झारखंड मीडिया प्रभारी अजय मुखर्जी ने दी। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर और आर्ट ऑफ लिविंग ने दुनिया भर के लोगों को ध्यान और मानवीय सेवाओं के माध्यम से आंतरिक शांति पाने के लिए प्रेरित किया है। आज की इस प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे मानवीय मूल्य बरकरार रहें। यहीं पर महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि वे करुणा और दयालुता के साथ नेतृत्व करती हैं।

राष्ट्रपति ने मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने की आवश्यकता पर कहा कि सभी को अपनी बात रखने और अभिव्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण और समर्थन प्रणाली बना कर ही आप इस विषय पर चुप्पी तोड़ सकते हैं। मानसिक शक्ति के बिना बाधाओं और रूढ़ियों को तोड़ना संभव नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के प्रेरणास्रोत, वैश्विक मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने कहा कि हम किसी भी महिला की आंखों से एक भी आंसू नहीं गिरने दे सकते। एक सकारात्मक वातावरण से प्रगति होती है और एक महिला की उपस्थिति से ही वातावरण खुशहाल और सकारात्मक हो जाता है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की भावनाएँ एक आशीर्वाद है क्योंकि यह भावनात्मक शक्ति ही है, जो उन्हें लोगों को एकजुट करने की क्षमता देती है। शायद अगर महिलाएं दुनिया के प्रमुख देशों में नेतृत्व की भूमिका निभाएं, तो जो संघर्ष, विवाद, युद्ध और विभिन्न सामाजिक विकृतियां हम आज देखते हैं। वे कम हो सकती हैं या यहां तक कि समाप्त हो सकती हैं।

आंतरिक शक्ति, आत्मप्रेम और सजगता के साथ नेतृत्व की भूमिकाओं को संतुलित करना, १०वें अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गूंजता हुआ संदेश था, जिसमें सत्ता, कूटनीति और कला के क्षेत्र से जुड़ी बेहतरीन महिला नेताओं का संगम हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन की शुरुआत गुरुदेव की बहन और सम्मेलन की अध्यक्ष भानुमति नरसिम्हन के दृष्टिकोण से हुई। वह पिछले चार दशकों से भारत के दूरदराज क्षेत्रों में समग्र शिक्षा के प्रसार के लिए काम कर रही हैं और लाखों लोगों को ध्यान और खुशी का रास्ता दिखा चुकी हैं।

सम्मेलन के बारे में उन्होंने कहा 'जस्ट बी' हमें अपने आप से जुड़ने, ठहरने और जीवन में संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करता है। ध्यान हमें वर्तमान में रहने में सहायता करता है, जिससे स्पष्टता और रचनात्मकता बढ़ती है। यह सम्मेलन एक ऐसा मंच है। जहां हम सब मिलकर सीख सकते हैं। अपने विचार साझा कर सकते हैं और एकबूसरे के साथ दयालुता और आंतरिक शांति को अपनाते हुए आगे बढ़ सकते हैं।

बीसीसीएल सीएमडी ने प्रशिक्षकों को किया सम्मानित

जोड़ापोखर (मसे) : स्वावलंबी स्वरोजगार सोसाइटी मुकुंदा के परीक्षण में उत्कृट योगदान के लिए शनिवार को सुरभी महिला समिति द्वारा जियलगोरा गेस्ट हाउस में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता समिति के क्षेत्रीय अध्यक्षा शर्मिला चक्रवर्ती तथा संचालन मॉली सील ने किया। समारोह का शुभारंभ समिति की अध्यक्षा सह सीएमडी की पत्नी मिली दत्ता ने विशिष्ट अतिथि डीपी और डीटी की पत्नीयों पुरवैया रमैया, रंजना सिंह एवं अर्चना अग्रवाल के साथ संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में अतिथियों का स्वागत सोसाइटी के बच्चियों ने आकर्षक नृत्य कि प्रस्तुति से की गई। बीसीसीएल की देख रेख तथा सुनील मोदक के नेतृत्व में संचालित सोसाइटी में लघु हस्तकरघा उद्योग, ब्यूटीशियन, नृत्य और खेल की दिशा में क्षेत्र के बेरोजगार बच्चियों और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने को प्रशिक्षण दिया जाता है। पिछले वर्ष सिलाई प्रशिक्षण में अव्वल रही राधा देवी, राखी कुमारी, श्रीमती देवी, आरती देवी, अनिंदिता कुमारी तथा ब्यूटीशियन में रीमा कुमारी, सोनाली जायसवाल, सीता कुमारी, अमृता चौधरी आदि प्रतिभागियों को समारोह की मुख्य अतिथि मिली दत्ता ने सौंदर्य प्रसाधन एवं सिलाई कढ़ाई की सामग्री कीट पैकेट तथा प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कही कि पहले की महिलाएं घरेलू कामों में सिमटी रहती थीं।

आज की दौर में महिलाएं स्वावलंबी होने को अनेकों संस्थानों से जुड़कर आत्मनिर्भर होकर घर और देश की तरक्की में अहम योगदान देने को अग्रसर है। ऐसी परिवेश में मुकुंदा सोसाइटी द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में दी जा रही योगदान प्रशंसनीय है। मौके पर लोदना क्षेत्र के जीएम एन चक्रवर्ती मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मजदूरों को मासिक वेतन भुगतान करने की मांग

जोड़ापोखर (मसे) : ६ नंबर साइडिंग के मजदूरों को १३ हजार रुपया मासिक वेतन का भुगतान नहीं होगा तो आंदोलन जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो एरिया ९ और १० का चक्का जाम कर देंगे। उक्त बातें निरसा के माले विधायक अरुप चटर्जी ने शनिवार को साइडिंग में चल रहे धरना स्थल पर मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि पूर्व में डीटी से वार्ता हो गई थी। आश्वासन दिया था कि पैसा मिलेगा लेकिन नहीं मिला। कोयला में ग्रेड का हेरा फेरी कर ठेकेदार मालामाल हो रहे हैं। केवल कोयला चोरी लोहा चोरी करना इनका मकसद है। लाल झंडा के मजदूरों की शक्ति को तोड़ने का प्रयास कर रहा है। डिपार्टमेंटल परियोजना के ओ सी पी के कोयला के ग्रेड को उच्च कोटि का बना दिया गया, ताकि वहां खरीदार ना हो जबकि आउटसोर्सिंग के जो उच्च कोटि का कोयला है उसका ग्रेड लो कर दिया गया, कारण हेरा फेरी का है।

ठेकेदार से लेकर अधिकारी तक इसका कमिशन लेते है। उन्होंने कहा कि पहले बीसीसीएल आउटसोर्सिंग को ८०० प्रति टन देता था अब एमडीओ मोड लाकर १८०० कर दिया गया। जबकि सीएचपी से कोयला क्रांस नहीं होता है और क्रॉसिंग का पैसा भी ले रहे हैं। जरूरत पड़ी तो हम लोग तमाम घोटालों का जांच सीबीआई से कराएंगे। एक विशेष ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए सभी अधिकारी लगे हुए हैं। लाल झंडा के लोग जब तक मजदूरों का हक और अधिकार नहीं मिलता अंतिम दम तक लड़ाई लड़ते हैं। सरकार को भी आउटसोर्सिंग के लोग हानि पहुंचा रहे हैं।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सबूर गोराई ने कहा कि हम लोगों का यूनियन मोनेट में लड़कर एक साथ मजदूरों का पैसा दिलवाया यहां भी लड़ेंगे। गांव के किसान मजदूर को एक होकर लड़ने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव बिंदा पासवान ने किया। संचालन राजेंद्र पासवान ने किया। मौके पर रामप्रसाद मलिक, सुरेंद्र वर्मा, सपन पासवान, कामता पासवान, नरेश निषाद, करण पासवान, राजेश पासवान, शंकर मुईयां आदि लोग थे।

पत्रकार संघ ने स्व. अजित श्रीवास्तव को दी श्रद्धांजलि

जोड़ापोखर (मसे) : कोयलांचल पत्रकार संघ के केन्द्रीय कार्यालय शालीमार में दिवंगत पत्रकार स्व. अजित श्रीवास्तव की ८वीं पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम संघ के संस्थापक मो मुख्तार अहमद तथा महामंत्री राहुल मिश्रा द्वारा उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संस्थापक मुख्तार अहमद तथा महामंत्री राहुल मिश्रा ने कहा कि स्व. अजित श्रीवास्तव संघ के शुरुआती दौर से हमारे साथ थे। संघ की बुनियाद में अहम भूमिका निभाई थी। उनके जाने से संघ को अपूरणीय छति हुई है। मौके पर संरक्षक चंद्र देव मिश्रा, सचिव अरुण कुमार, कोषाध्यक्ष कमलेश सिंह, पवन गुप्ता, आशीष सिन्हा, गुलज़ार आलम, समीम हुसैन, मनोज यादव, शशिधर मिश्रा, दीपक गुप्ता, मोजहरुल इस्लाम, विद्या रजक आदि उपस्थित थे।

दीदियों को दी गई कीटनाशक दवाओं की जानकारी

धनबाद (कासं) : शनिवार को पौधा संरक्षण विभाग (धनबाद) द्वारा बलियापुर कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्यों को फसल सुरक्षा योजना के अंतर्गत ट्राईकोडर्मा, कार्बेंडाजिम, बोरोन, इमिडाक्लोरोप्रिड, नीम तेल, फोरमैन ट्रैप का वितरण किया गया।

इस दौरान दीदियों को कीटनाशक के प्रयोग करने की विधि को डेमो कर के दिखाया गया। डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से खेती से जुड़े लोगों को उत्साह वर्धन के सायसाथ प्रोत्साहन भी मिलता है। उन्होंने कहा कि दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह भी एक अच्छी पहल है।

मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव, डॉक्टर सीमा सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश रंजन, राजीव कुमार पांडे और प्रखंड स्तरीय प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक शम्भु विश्वाश मुख्तार अंसारी और कंपनी के सीईओ राजीव रंजन सिंह और निदेशक शोभा रानी महतो के साथ सैकड़ों किसान दीदी उपस्थित थीं।

झाड़ियों में मिला युवक का शव

कतरास (मसे) : कतरास थाना अंतर्गत कुमारजोरी पंचायत के चैनपुर गांव के समीप झाड़ी में शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गई।

मृतक का फाईल फोटो

स्थानीय लोगों के द्वारा कतरास थाना को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। वही पुलिस जांच में जुट गई। फिलहाल शव की पहचान कर ली गयी है। मृतक बसेरिया का रहने वाला है। वह बीसीसीएल कर्मी है। पांडेडीह में नौकरी कर रहे थे।

जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण

धनबाद (कासं) : ९९ फाउंडेशन की ओर से अन्न दान महादान में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जरूरतमंदों की सहायता में जुटी यह संस्था पिछले कई वर्षों से हर शनिवार जरूरतमंदों के लिए भोजन का वितरण कर रही है। आज मेमको मोड़ स्थित ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय परिसर में सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस मुहीम का प्रयास है कि कोई भी भूखा न सोए। हर शनिवार को शहर के गणमान्य लोगों को साथ मिलकर यह सेवा कार्य करते हैं। शनिवार को ९९ फाउंडेशन की तरफ से जीतेन्द्र कुमार और उनकी पत्नी शशि प्रभा को आमंत्रित किया गया था। खिचड़ी वितरण करने हेतु उन्होंने अपनी खुशी और संतोष जाहिर करते हुए ९९ फाउंडेशन के तारीफ किया और बताये ९९ फाउंडेशन ने नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। कार्यक्रम में मजदूर, रिक्शा चालक, आंटो चालक और राहगीरों सहित सैकड़ों लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया। इस बार खिचड़ी के साथसाथ विशेष पकवानों की भी व्यवस्था की गई थी। वहीं भोजन करने आए एक व्यक्ति ने कहा कि हमें यहां हर शनिवार को अच्छा भोजन मिलता है। ९९ फाउंडेशन के इस प्रयास के लिए हम धन्यवाद करते है।

९९ फाउंडेशन के इस सेवा कार्य की सराहना हर तरफ हो रही है। यह संस्था न केवल भूख मिटाने का काम कर रही है, बल्कि समाज में सेवा की भावना को भी बढ़ावा दे रही है और ऐसे नेक कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिलती है।

BEFORE : THE EXECUTIVE MAGISTRATE AT DHANBAD

AFFIDAVIT

I, Kailash Nonia, S/O Late Lacchman Beldar, aged about 42 years, by faith Hindu, by occupation-Service in BCCL at ROCP Jharia, R/O Bastacolla Nonia Tola, P.O. Dhansar, P.S. Jharia, Dist.- Dhanbad, State Jharkhand, Pin Code-828106, do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows-

1. That, I am permanent employee of M/s. B.C.C.L. presently posted at R.O.C.P. South Jharia, designated as General Mazdoor, vide p. No. 03020773. CMPF A/c. No. DHN/42881.
2. That, VICKY NONIA is my son and his actual and correct Date of Birth is 25/11/2002 which is mentioned in has Aadhar Card vide his Aadhar No. 8260 3584 3484 which is true and genuine, but in my BCCL Service Book my above son's Date of Birth has been wrongly mentioned as on 25/11/2005.
3. That, now I want to coorection my above son's correct Date of Birth in my Service Book as on 25/11/2002 in place of 25/11/2005.
4. That, the above statements are true and correct to the best of my knowledge and nothing has been concealed in it.
5. That, my Passport size Photograph alongwith my said son's Photogaph on this affidavit for our proper identification.
6. That, I am swearing this affidavit to produce it before the authority concerned and for needful purpose.

Sl. No 7932 Date. 16/2/2025

जेईई मेन परीक्षा में छात्रा का शानदार प्रदर्शन

भूली (मसे) : माउंट लिट्रा जी स्कूल भूली की छात्रा अरफी रजा ने जेईई मेन परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। छात्रा अरफी राजा ने ९७.७५ पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इनकी उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय निदेशक आयुष कुमार सिंह, प्राचार्य एसएम तासिन अहमद, एचआर विनय कुमार झा आदि ने बधाई दी है। स्कूल के निदेशक आयुष कुमार सिंह ने कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। इन्होंने न केवल खुद को बल्कि स्कूल को भी एक नई उंचाई पर पहुंचा है। यह सफलता केवल छात्रों की ही नहीं बल्कि उनके मातापिता और शिक्षकों के सहयोग का भी परिणाम है। उम्मीद है कि ये आगे भी इसी तरह सफल होंगे। प्राचार्य एसएम तासिन अहमद ने कहा कि छात्रा ने यह साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए, बल्कि पूरे विद्यालय के लिए एक प्रेरणा है।

निर्दोष ग्रामीणों के खिलाफ नहीं होगी कार्रवाई : पुलिस

जोड़ापोखर (मसे) : सुरम्यां गांव में महिलाओं एवं युवाओं के खिलाफ आउटसोर्सिंग के गुंडों द्वारा की गई बर्बरता पूर्ण कार्रवाई के विरोध में प्रशासन द्वारा की जा रही एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ ७ से ८ गांवों के पंचायत के बुद्धिजीवियों की एक वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

इस वार्ता में थाना प्रभारी द्वारा त्रिपक्षीय वार्ता कराने का आश्वासन दिया गया, जिसमें यूनियन, बीसीसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी निर्दोष ग्रामीण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस संबंध में अलकडीहा ओ पी प्रभारी ने कहा कि जिन लोगों का सीसीटीवी में और वीडियो रेकॉर्डिंग में फोटो आया है उनपर कार्रवाई अवश्य होगी। जिन व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज हुआ है और वे कहीं अन्यत्र है तो उनका मोबाइल डिटेल्स निकाला जाएगा। वे कहीं अन्यत्र है तो अपना प्रमाण प्रस्तुत करेंगे। मौके पर चंडी चरण देव, सुजीत मंडल, योगेश यादव, महेंद्र आदि थे।

चांदमारी मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

धनबाद (कासं) : शनिवार से चांदमारी ग्राउंड में चांदमारी प्रीमियर लीग की शुरुआत हुई। समाजसेवी कुम्भनाथ सिंह और युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष युवा नेता दिलीप सिंह बतौर मुख्य अतिथि द्वारा टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय हासिल किया एवं खिलाड़ियों को उनके शानदार खेल के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए धनबाद के चांदमारी ग्राउंड में आयोजित छह दिवसीय मैच में कुल २४ टीमें भाग ले रही है। शनिवार को पहला मैच वीआईपी ११ बनाम एनबी स्टार टीम के बीच खेला गया। इस टूर्नामेंट में फाइनल के विजेता को १७ हजार नकद पुरस्कार एवं ट्राफी तथा उपविजेता टीम को साढ़े नौ हजार नकद पुरस्कार के साथ ट्राफी दी जाएगी। इस प्रीमियर लीग में मैन ऑफ़ द सीरीज, बेस्ट बल्लेबाज और बेस्ट बॉलर के लिए भी पुरस्कार रखा गया है।

इस बाबत कुम्भनाथ सिंह ने कहा कि सभी खिलाड़ी अच्छे खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करें। उनको मेरी ओर से शुभकामनाएं है। दिलीप सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल बेहद जरुरी है। राज्य एवं केंद्र सरकार से एक ही मांग है कि खिलाड़ियों को खेल संसाधन उपलब्ध कराएं ताकि यहां के खिलाड़ी भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकें। आयोजनकर्ता धर्मेंद्र सिंह, प्रेम मालाकार, विपिन यादव, विशाल तिवारी, प्रमोद सिंह महंत, प्रकाश साव, पिंटू, राजा आदि मौजूद थे।

जीर्णोद्धार में हुई गड़बड़ी का मामला पकड़ा तूल

गोविंदपुर (मसे) : गोविंदपुर के ऐतिहासिक रेजली बांध के जीर्णोद्धार में गड़बड़ी एवं तालाब की जमीन का दबंगों द्वारा अतिक्रमण कर लिए जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। डीएमएफटी फंड से ५ करोड़ रुपए की लागत से हो रहे तालाब के जीर्णोद्धार में गड़बड़ी किए जाने की शिकायत शनिवार को वरीय अधिवक्ता एवं नागरिक समिति की संरक्षक जया कुमार ने जहां उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त से अलगअलग आवेदन देकर की, वहीं सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार बर्मन ने तालाब की जमीन का कई लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की लिखित शिकायत उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त से की है। श्रीमती कुमार ने लिखा है कि इस तालाब का निर्माण १८८०८२ में तब कराया गया था, जब गोविंदपुर अनुमंडल हुआ करता था। जिला परिषद धनबाद के अधीन इस तालाब का जीर्णोद्धार कार्य पिछले वर्ष लघु सिंचाई विभाग की देखरेख में शुरू हुआ। परंतु संवेदक द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है। जीर्णोद्धार के नाम पर सिर्फ खानापूरी हो रही है। उन्होंने लिखा है कि यह जिला प्रशासन का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसलिए शेष बचे कार्यों को अपनी निगरानी में पूरा कराया जाए तथा अब तक हुई गड़बड़ी की जांच कराई जाए। इसकी प्रतिलिपि लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता को भी दी गई है। वहीं श्री बर्मन ने लिखा है कि यह तालाब २२ एकड़ जमीन में फैला हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से जीर्णोद्धार कार्य शुरू करने के पूर्व जमीन की सरकारी मापी नहीं कराई गई। तालाब की जमीन का २० प्रतिशत हिस्सा पर लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। तालाब के उत्तरी हिस्सा में रहने वाले लोगों ने अपनेअपने घरों के पीछे जमीन का अतिक्रमण कर उस पर पक्का निर्माण एवं चारदीवारी कर लिया है। यही हाल दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व दिशा का है। जैपड़ भी तालाब की जमीन पर अपना दावा ठोक रहा है। उन्होंने लिखा है कि यह अतिक्रमण १५ वर्षों के दौरान धीरेधीरे होता रहा है। श्री बर्मन ने मांग की है कि तालाब की अतिशीघ्र सरकारी माफी कराई जाए एवं अतिक्रमित जमीन को बाहर निकाल कर उसका सीमांकन किया जाए।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ापाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

आत्मनिर्भर विकसित भारत 2047 पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद (ससे) : माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमईएआई), हैदराबाद चैप्टर ने माइनिंग द मार्वल्स: वे फॉरवर्ड टुवर्ड्स आत्मनिर्भर विकसित भारत २०४७ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन से उद्योग की अग्रणी कंपनियों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों को खनन क्षेत्र के भविष्य और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में इसकी भूमिका पर एक साथ विचारविमर्श करने का अवसर मिला।

उद्घाटन सत्र में अमिताभ मुखर्जी , अध्यक्षसहप्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी लिमिटेड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में डी. बी. सुंदर रामम, वाइस प्रेसिडेंट-१, एमईएआई और वाइस प्रेसिडेंट, टाटा स्टील; श्री डॉ. एन. के. नंदा, पूर्व सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) एवं निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी लिमिटेड; बी. वीरा रेड्डी, पूर्व निदेशक (तकनीकी), सीआईएल और पूर्व सीएमडी, सीसीएल; जी धनंजय रेड्डी, वाइस प्रेसिडेंट२, एमईएआई और एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (उत्पादन) जॉयदीप दासगुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) और एमईएआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष विनय कुमार ने की।

संगोष्ठी के मुख्य विषय पर भाषण देते हुए, अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्षसहप्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी लिमिटेड ने कहा, राष्ट्रीय विकास में खनन की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार खनन उद्योग समुदायों में सामाजिक और आर्थिक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने खनन कार्यों के दूर-दराज के इलाकों में स्थित होने के कारण युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की और एमईएआई से छात्रों और पेशेवरों को खनन में करियर के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। अमिताभ मुखर्जी ने एनएमडीसी की उत्तरदायित्वपूर्ण खनन के के लिए प्रतिबद्धता और सामुदायिक पहलों के माध्यम से लोगों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने और सतत खनन पद्धतियों में उद्योग के निगमों का समर्थन करने के महत्व पर बल दिया। अपने उदबोधन के अंत में उन्होंने उद्योग में स्थिरता और नवाचार की आवश्यकता पर बल देते हुए महत्वपूर्ण खनिजों में अन्वेषण और खनन में तकनीकी प्रगति के सुधार के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी लिमिटेड और अध्यक्ष, एमईएआई हैदराबाद चैप्टर ने २०४७ तक १.५ मिलियन अतिरिक्त नौकरियां उत्पन्न करने की क्षमता रखता है। उन्होंने एनएमडीसी के उत्तरदायित्वपूर्ण खनन और आत्मनिर्भर विकसित भारत २०४७ विजन के एक भाग के रूप में १०० एमटीपीए उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से रणनीतिक साझेदारी के लिए इसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बी. वीरा रेड्डी, पूर्व निदेशक (तकनीकी), सीआईएल और पूर्व सीएमडी, सीसीएल ने यह बताते हुए कि देश खनन के

मानक स्थापित करने में अग्रणी होने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि खनन उद्योग में महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य रखना अनिवार्य होगा क्योंकि विश्व स्तर पर बडे राजस्व की योजना बनाने और उत्पन्न करने में एक दशक से अधिक का समय लगता है।

श्री मुखर्जी ने फ्रेजर सूचकांक में भारत की १००वीं रैंकिंग और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए सुगम नीतियों की आवश्यकता सहित नीतिगत चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने प्रशासनिक लागत कम करने और संसाधनों उपयोग बढ़ाने के लिए स्थानीय खनन अपने उद्घाटन भाषण में पिछले दशक में भारत के खनन क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित करते हुए सम्मेलन की भूमिका रखी। उन्होंने खनन ब्लॉक आवंटन की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और बताया कि त्वरित प्रक्रियाएं किस प्रकार उत्पादकता को बढ़ा रही हैं। उन्होंने अन्वेषण दक्षता में सुधार के लिए एआई-संचालित डेटाबेस प्रबंधन की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने स्टार्टअप और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहलों पर चर्चा की। विनय कुमारने खनन उद्योग की रोजगार क्षमता पर भी जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में इस उद्योग में लगभग १.३ मिलियन पेशेवर काम कर रहे हैं और यह क्षेत्र में वैश्विक रूप से अग्रणी देशों से किस प्रकार पीछे है, भारत में खनिज अन्वेषण में तेजी लाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अन्वेषण योजना में सुधार के लिए एआई-संचालित डेटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग का पक्ष रखा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए एकलखिड़की अनुमोदन प्रणाली की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

डी.बी. सुंदर रामम, वाइस प्रेसिडेंट१, एमईएआई और वाइस प्रेसिडेंट, टाटा स्टील ने एनएमडीसी सीएमडी उत्कृष्टता अवार्ड की स्थापना के लिए एनएमडीसी की सराहना की और महत्वपूर्ण खनिजों में गहरे समुद्र में अंवेषण और आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने घरेलू खनन को बढाने के लिए कम कार्बन खनन को प्रोत्साहित करने और सुस्थिरता के लिए स्क्रैप उपयोग में वृद्धि वाली नीतियों के महत्व पर बल दिया।

सम्मेलन में शिक्षा और उद्योग से विशेषज्ञ प्रस्तुतियों के साथ तकनीकी सत्र भी शामिल थे, जिनमे खनन प्रौद्योगिकियों, नीतिगत ढांचे और सुस्थिरता पहल में महत्वपूर्ण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में एनएमडीसी, एएन/एमएस, जेएसडब्ल्यू और एनएमडीसी स्टील सहित प्रमुख खनन और इस्पात कंपनियों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

एमईएआई हैदराबाद चैप्टर ने आयोजन के पहले दिन खनन क्षेत्र की महान विभूतियों बी. वीरा रेड्डी, पूर्व निदेशक (तकनीकी) कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता और पूर्व सीएमडी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची; वी. लक्ष्मीनारायण, उप महानिदेशक, डीजीएमएस; डॉ. एन. के. नंदा, पूर्व सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) और निदेशक तकनीकी, एनएमडीसी; बी. सुरेंद्र मोहन, पूर्व सीएमडी, एनएलसी इंडिया लिमिटेड, इंजी.के जे अमरनाथ, पूर्व सीजीएम, एससीसीएल और एम फसीहुद्दीन, रेजिडेंट डायरेक्टर, टाटा स्टील माइंस को उद्योग में उनकी अमूल्य सेवा के लिए सम्मानित किया।

पहले दिन का समापन राष्ट्रीय प्रगति में उद्योग की भूमिका को मजबूत करने के लिए भारत के खनन क्षेत्र के भविष्य पर गहन चर्चाओं के साथ हुआ। खनन नवाचार, नीति और स्थिरता के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचारविमर्श के साथ सम्मेलन १५ फरवरी को जारी रहेगा।

केजरीवाल ने दिल्ली में सजा भुगती, अब बंगाल में ममता की बारी : कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर (ईएमएस) : बीएसएफ की ५२वीं अंतर सीमांत प्लाटून वेपन शूटिंग प्रतियोगिता २०२४२५ का रेवती रेंज में समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के बाद में मोहन सरकार में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इवेंट में पश्चिम बंगाल ओवर ऑल चैंपियन बना है। वहां शूटिंग रेंज अच्छी है, लेकिन वहां की सीएम को सेना और देश की चिंता नहीं है, वे केवल कुर्सी की चिंता करती हैं। सेना को हतोत्साहित करने के लिए सीएम ममता हमेशा कुछ न कुछ करती रहती हैं। विजयवर्गीय ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में सजा भुगती है बंगाल की सरकार भी सजा भुगतेगी।

६ दिनी आयोजन में कुल ११ प्लाटून वेपन प्रतियोगिताएं हुईं। १० प्रतियोगिताएं रेवती रेंज, उज्जैन रोड, सीसुब पर और ५१ एमएम मोर्टार की एक प्रतियोगिता महू स्थित हेमा रेंज पर आयोजित की गई। नार्थ बंगाल फ्रंटियर ने शनिवार को ओवरऑल जनरल रैना चैंपियनशिप ट्रॉफी एंव प्लाटून वेपन ट्रॉफी जीती।

कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि खेल हमारे जीवन में अलग और सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भास्कर सिंह रावत, आईजी सीएसडब्ल्यूटी एवं सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) ने बताया कि बीएसएफ की इस वार्षिक चैंपियनशिप में कश्मीर, जम्मू, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, दक्षिण बंगाल, उत्तर बंगाल, गुवाहाटी, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम और कछार सहित विभिन्न बीएसएफ फ्रंटियर्स के निशानेबाजों ने भाग लिया।

विजयवर्गीय ने विजेताओं को पुरस्कार दिए। ५१ मिमी मोर्टार की एक स्पर्धा हेमा रेंज, महू में निर्धारित की गई थी, जबकि प्लाटून हथियार चैंपियनशिप के सभी १० आयोजन सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ के रेवती रेंज में आयोजित किए गए थे। इसमें देशभर के श्रेष्ठ ८६० निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

झींझी पहाड़ी ऊपर टोला में लगा नया ट्रांसफार्मर

धनबाद (कासं) : झींझी पहाड़ी ऊपर टोला का ट्रांसफार्मर ६३ किलो वाट का था जिसको बदल कर १०० किलो वाट का ट्रांसफमर लगाया गया। यह युवा नेता विशाल महतो के प्रयास से ही यह संभव हुआ जिससे ग्रामीणों में खुशी है कि हमारे बीच के युवा आज समाजिक कार्यों को बढ़चढ़ कर उत्साह के साथ कर रहे है। वहीं युवा नेता विशाल महतो ने कहा आज हर छोटेबड़े कार्यों के लिए जनप्रतिनिधि के चक्कर काट रहे समाज को एक नई दिशा देने की जरूरत है। युवा वर्ग शिक्षा प्राप्त करने के साथसाथ जनमुद्दों पर लड़ना आना चाहिए ताकि हर परिस्थिति में समाज मजबूत हो। ज्ञात हो २४ जनवरी २०२५ को एसडीओ से मिलकर श्री महतो ने दो सूत्री मांगों को पूरा करने के लिए पत्रचार किया था।

प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजना अमेरिका का महापाप : उमा भारती

भोपाल (ईएमएस) : अमेरिका से भारत वापस भेजे गए अप्रवासी भारतीयों को जिस तरह से लाया गया, उसपर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा ही रहे थे लेकिन अब पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने भी इसपर नाराजगी जाहिर की है।

उमा ने कहा कि अमेरिका से अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ी एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें हवाई जहाज से ही भेजा जा रहा था, तब हथकड़ी और बेड़ियां क्यों लगाई गई। यह हरकत अमेरिकी शासन की क्रूरता एवं अमानवीयता को दिखाती है। अवैध तरीके से किसी देश में घुसना अपराध है, उसकी सजा के प्रत्येक देश में अपने कानून के अनुसार प्रावधान हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता महापाप है।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार को भारत पहुंचने वाला है। अमृतसर में विमान की लैंडिंग रात करीब १० बजे के बीच होगी। इस प्लेन से ११९ भारतीयों को अमेरिका ने वापस भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, तीसरा विमान भी अमेरिका से १६ फरवरी को आ सकता है, जिसमें १५७ लोग आ रहे है।

क्या गांधी परिवार कुंभ में लगाएगा डुबकी

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के द्वारा महाकुंभ को लेकर दिए बयान पर विवाद गहराया हुआ था। इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगा ली। इसके बाद अब लोगों की नजर गांधी परिवार के अगले कदम पर टिकी है। बता दें कि एक रैली के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सवाल उठाया था कि क्या गंगा में पवित्र स्नान करने से देश में गरीबी समाप्त हो सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं था। उनका दावा था कि उन्होंने भाजपा नेताओं की आलोचना के लिए यह बयान दिया था।

उनके बयान के बीच इंडिया गठबंधन के सहयोगी अखिलेश यादव और उनकी पत्नी ने सबसे पहले कुंभ में स्नान किया। हाल ही में कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह, उनके बेटे, राजस्थान कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट सहित कई कांग्रेसी स्नान करने के लिए प्रयागराज की यात्रा कर चुके हैं।

दिग्विजय और उनके बेटे, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और सचिन पायलट ने कुंभ में जाकर डुबकी लगा चुके है। इन सभी नेताओं को यह समझ है कि हिंदू आस्था एक ऐसा विषय है जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान जो गलती हुई थी, उस गलती को फिर से दोहराया नहीं जा सकता। बता दें कि कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को सरकारी आयोजन कहकर छोड़ दिया था। हालांकि पार्टी ने बाद में मंदिर जाने का दावा किया था, लेकिन अब तक कोई प्रमुख नेता अयोध्या में नहीं दिखाई दिए हैं।

कांग्रेस के सूत्र गांधी परिवार के महाकुंभ में जाने पर चुप हैं। २००१ में सोनिया गांधी को गंगा में पवित्र स्नान करते हुए देखा गया था। तब भाजपा उनके धर्म और उनकी जाति को लेकर सवाल उठाती थी। लेकिन ये भी सच हैं कि इंदिरा गांधी हिंदू थीं और हमेशा रुद्राक्ष पहनती थी।

परीक्षा के चलते दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच में सीबीएसई छात्रों को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली मेट्रो अपने सीबीएसई कक्षा १० और १२ बोर्ड परीक्ष देने वाले छात्रों के लिए आसान बनाने के लिए तैयार है, जो आज १५ फरवरी से शुरू हो गई हैं। एक परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने कई उपाय पेश किए हैं। डीएमआरसी ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच के दौरान अपने सीबीएसई एडमिट कार्ड ले जाने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी और टिकट मशीनों और कस्टमर केयर केंद्रों पर टिकट खरीदते समय उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड १५ फरवरी को कक्षा १० और १२ बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत हो गई है, जिसमें भारत और विदेशों में ८ हजार स्कूलों के ४४ लाख से ज्यादा छात्र परीक्षा देंगे। यह परीक्षा भारत में ७,८४२ केंद्रों और विदेशों में २६ स्थानों पर सुबह १०:३० बजे से दोपहर १:३० बजे तक आयोजित की जाएंगी। इन पहलों का उद्देश्य करीब ३.३० लाख छात्रों और हजारों स्कूल कर्मचारियों के आवागमन की सुविधा प्रदान करना है, जो परीक्षा के दौरान शहर भर में यात्रा करेंगे, जो १५ फरवरी से ४ अप्रैल तक चलता है। दिल्ली मेट्रो ने मेट्रो स्टेशनों पर कुछ छात्रअनुकूल उपायों को भी रखा है। डीएमआरसी स्टाफ ने छात्रों को निकटतम मेट्रो स्टेशनों और उपलब्ध समर्थन के बारे में सूचित करने के लिए स्कूलों का दौरा किया है, स्कूलों से अनुरोध किया कि वे निकटतम मेट्रो स्टेशन के विवरण और आसान टिकट बुकिंग के लिए एक क्यूआर कोड के साथ पोस्टर प्रदर्शित करें, मेट्रो स्टेशनों पर विशेष केंद्रीकृत घोषणाएं की जाएंगी।

लीबिया से लौटे मजदूर ने सुनाया अपना दुखड़ा, पूरी सैलरी मांगने पर मारते थे

नई दिल्ली (ईएमएस) : डेढ़ साल पहले काम के लिए लीबिया गया था। भेजने वाले एजेंट ने कहा था ५०० से ७०० डॉलर महीने मिलेगा। मुझे सीमेंट कंपनी में ड्राइवर का काम मिला। १४ घंटे काम करता था। सैलरी कभी २०० डॉलर मिलती, कभी २५० डॉलर। कभीकभी सिर्फ १०० डॉलर ही मिलते थे। मेरे साथ कुछ और लोग थे। पूरी सैलरी मांगने पर धमकी मिलती। कहते थे ये दुबई नहीं, लीबिया है। ये कहानी यूपी के सत्यम यादव की है। दरअसल यादव कुशीनगर के रहने वाले हैं। सितंबर, २०२३ में वे ५ लोगों के साथ दुबई के रास्ते लीबिया पहुंचे थे। करीब १७ महीने बाद ५ फरवरी को विदेश मंत्रालय की मदद से भारत लौट आए। उनके साथ १५ लोग और वापस लौटे थे

ये सभी ५ महीने से वतन वापसी की कोशिश कर रहे थे। इन लोगों ने बताया कि कैसे उन्हें अच्छी नौकरी के नाम पर फंसाया गया। टूरिस्ट वीजा पर लीबिया ले जाकर पासपोर्ट छीनकर मारपीट की गई। ये लोग तब लीबिया गए थे, तब भारत सरकार ने गृह युद्ध की वजह से लीबिया जाने पर रोक लगा रखी थी।

ये सभी बेनगाजी में लीबियन सीमेंट कंपनी (एलसीसी) में काम करते थे। एलसीसी लीबिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनियों में एक है। १९६८ में बनी इस कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक, इसके तीन प्लांट में हर साल २९ लाख टन सीमेंट का प्रोडक्शन होता है।

मुंबई में समुद्री लहरों से बिजली पैदा करने की कवायद

मुंबई (ईएमएस) : देश में बिजली की मांग बढ़ रही है। इसलिए, बिजली उत्पादन के विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन मुंबई में एक अलग प्रयोग होने जा रहा है। मुंबई में समुद्री लहरों से बिजली पैदा की जाएगी। यह परियोजना केन्द्र सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा शुरू की जाएगी। इसके लिए एक इजराइली कंपनी का सहयोग लिया जाएगा। खबर है कि समुद्री लहरों से बिजली पैदा करने की देश की पहली पायलट परियोजना मुंबई में चल रही है। भारत ऊर्जा सप्ताह (खएथ) कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित किया गया। इसका ध्यान देश की बढ़ती ईंधन एवं ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित था। इसका फोकस पर्यावरण अनुकूल एवं स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन पर था। इसके तहत बीपीसीएल ने मुंबई महासागर जैसे तट पर अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन की योजना बनाई है।

बीपीसीएल और इजराइल की इको वेव पावर तरंग ऊर्जा उत्पादन परियोजना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। मुंबई तट पर १०० किलोवाट बिजली उत्पादन परियोजना शुरू की जाएगी। इको पावर कंपनी ने इस परियोजना को इजराइल में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने इस संबंध में इसी सप्ताह समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना जताई है।

इजराइल के तेल अवीव में मुख्यालय वाली इको वेव पावर ने कुछ देशों में समुद्री लहरों से बिजली पैदा करने की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। इनमें इजराइल, स्पेन में जिब्राल्टर और पुर्तगाल जैसे स्थान शामिल हैं। इस स्थान पर पांच से २० मेगावाट की तरंग ऊर्जा परियोजना चल रही है। इसी तकनीक का उपयोग मुंबई तट पर बिजली पैदा करने के लिए किया जाएगा। भारत में बिजली की मांग दिनप्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसलिए, बिजली उत्पादन के नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं। वर्तमान में सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। लेकिन सूर्यास्त के बाद सौर ऊर्जा की उत्पादकता कम हो जाती है।

न्यू इंडिया कोओपरेटिव बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर

हितेश मेहता 122 करोड़ रुपये के फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस) : न्यू इंडिया को-ओपरेटिव बैंक घोटाला मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पूर्व जनरल मैनेजर हितेश मेहता को १२२ करोड़ रुपये के फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया है। मेहता पर बैंक के पैसे में हेराफेरी के आरोप हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि मेहता को शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीन घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को मध्य मुंबई के दादर पुलिस स्टेशन में जाकर धन के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई थी।

अधिकारी ने बताया कि मेहता को इस मामले के संबंध में जांच एजेंसी के दक्षिण मुंबई कार्यालय में अपना बयान दर्ज

कराने के लिए बुलाया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें रविवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के सामने आरोपी हितेश मेहता ने घोटाले को कबूल किया था। सूत्रों के अनुसार प्रभादेवी कार्यालय की तिजोरी से ११२ करोड़ रुपये गायब हुए तो वहीं गोरेगांव कार्यालय की तिजोरी से १० करोड़ रुपये गायब हुए हैं।

पुलिस के अनुसार हितेश मेहता ने १२२ करोड़ रुपये अपनी पहचान के लोगों को दिए थे। पैसे हितेश ने कोविड काल से निकालना शुरू किया था। अब ईओडब्ल्यू बात की जांच कर रहा है कि हितेश मेहता ने पैसे किसकिस को दिए थे।

मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक एवं लेखा प्रमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ १२२ करोड़ रुपये के कथित गबन का मामला दर्ज किया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को सहकारी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें जमाकर्ताओं द्वारा धन की निकासी पर प्रतिबंध भी शामिल है। बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची और बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से १२२ करोड़ रुपये का गबन किया।

इस सहकारी बैंक की २८ शाखाओं में ज्यादातर मुंबई महानगर में हैं। गुजरात के सूरत में इसकी दो शाखाएं और पुणे में एक शाखा है।

दोनों दलों के बीच वोटों के बंटवारे ने बीजेपी को दिलाई जीत

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ अपने संबंधों को कैसे सुधारे, जिन्होंने राज्यों में उसे सत्ता से बेदखल कर दिया है, लेकिन इंडिया ब्लॉक के बैनर तले सहयोगी बने हुए हैं। कांग्रेस कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ सत्ता संघर्ष में लगी है। इसकी वजह है कि वे एकदूसरे पर बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में खत्म हुए दिल्ली चुनाव कांग्रेस की आक्रामक रणनीति का एक ज्वलंत उदाहरण था। देश की सबसे पुरानी पार्टी लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा में कोई सीट नहीं जीत पाई, लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल करने में अहम भूमिका निभाने में कामयाब रही। दोनों दलों के बीच वोटों के बंटवारे ने बीजेपी को जीत दिलाई। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार की टिप्पणी पार्टी के भीतर की सोच को दर्शाती है। बंगाल कांग्रेस प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा था।

हाईकोर्ट ने तलाकशुदा शब्द पर याचिकाकर्ता को लगा दी जमकर फटकार

श्रीनगर (ईएमएस) : जम्मूकश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक विवादास्पद बाल हिरासत विवाद में समीक्षा याचिका खारिज की। साथ ही कानूनी कार्यवाही में तलाकशुदा महिलाओं के नाम के साथ तलाकशुदा शब्द जोड़ने की प्रथा की कड़ी निंदा की। जस्टिस विनोद चटर्जी कौल ने शख्स और उसकी पूर्व पत्नी के बच्चे के कस्टडी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। मामले में जज ने शख्स द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज किया गया। शख्स की समीक्षा याचिका में तर्क देकर कहा कि पिछले फैसले ने उनकी अपील को बिना सुनवाई के प्रारंभिक मुद्दे पर विचार किए ही खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने अपनी पुनर्विचार याचिका में दावा किया, मामले में अपील की स्वीकार्यता पर बहस की गई और मामले को सुरक्षित रखा गया। इस प्रकार, मुख्य अपील पर गुणदोष के आधार पर बहस नहीं की गई।

संपादकीय

फ्रांस यात्रा से व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद

भारत फ्रांस के करीबी साझेदारों में से एक है। दोनों देशों के बीच परस्पर सम्मान और विश्वास का रिश्ता रहा है। चीन के बरक्स भारत की क्षमता बढ़ाने में सहयोग का मसला हो या सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए दावा, फ्रांस ने हर बड़े मौके पर भारत का साथ दिया है। दुनिया में तेजी से उभरती ताकत के रूप में भारत की संभावनाओं को फ्रांस पहले ही भांप चुका है। हाल के वर्षों में अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर पनडुब्बी बनाने में सहयोग कर उसने साबित कर दिया कि वह भारत का न केवल भरोसेमंद बल्कि सबसे बड़ा रणनीतिक सहयोगी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की परस्पर निकटता का प्रमाण कई बार मिल चुका है। इस बार दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु संयंत्रों को संयुक्त रूप से विकसित करने का संकल्प किया है। फ्रांस के मारसेई में एक आशय पत्र पर दस्तखत के बाद दोनों देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था के लिए परमाणु ऊर्जा अहम है। इस लिहाज से देखें, तो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। फ्रांस न केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का साथ देता रहा है, बल्कि रणनीतिक साझेदारी निभाते हुए आर्थिक संबंध मजबूत करने की दिशा में भी सहयोग करता रहा है। नतीजा यह कि वर्ष 2022-23 में दोनों देशों के बीच कारोबार उन्नीस अरब डालर तक पहुंच गया था। इससे पहले वर्ष 2000 से 2024 के मध्य फ्रांस से कोई दस अरब डालर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था। इस बार की प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के दौरान भी व्यापार और निवेश बढ़ाने पर दोनों देशों ने जोर दिया है।

इससे व्यापार संबंध और मजबूत होने की उम्मीद बंधी है। इसके अलावा दोनों देशों ने जलवायु संकट से निपटने की दिशा में भी एक मंच पर काम कर रहे हैं। इसके लिए भारत और फ्रांस ने 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस' का गठन किया, जिसमें सौ से अधिक देश शामिल किए गए थे। भारत-फ्रांस के शीर्ष नेताओं ने असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में जिस तरह इस बार परस्पर सहयोग की गंभीरता से समीक्षा की है, इससे लगता है कि इसके दूरगामी और सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता जता कर साफ कर दिया है कि उनके संबंध बहुआयामी हैं। इस तरह दोनों ने दोस्ती को एक नया आयाम ही दिया है। उम्मीद यह भी है कि कृत्रिम मेधा से लेकर प्रौद्योगिकी और नवाचार की दिशा में सहयोग और मजबूत होगा। दस अहम समझौते के बाद फ्रांस एक बार फिर सच्चे दोस्त के रूप में सामने आया है। इन समझौतों के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होंगे। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में असैन्य सहयोग भी मील का पत्थर साबित होगा। कृत्रिम मेधा और नवाचार की दिशा में भारत और फ्रांस ने एक बड़ा लक्ष्य तय किया है। सुरक्षित और विश्वसनीय कृत्रिम मेधा के विकास के लिए दोनों देश अब साझा रूप से काम करेंगे। यह विकसित प्रौद्योगिकी वैश्विक हितों के लिए काम करेगी। कुल मिला कर देखें, तो भारत और फ्रांस के बीच प्रगाढ़ होते संबंध चीन और अमेरिका को संदेश देने का भी प्रयास है। एक न्यायसंगत व शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कायम करने के लिए भारत ने फ्रांस से हाथ मिलाया है। सहयोग का यह मार्ग लंबा है, दोनों मित्रता निभाते हुए आगे बढ़ेंगे।

किसान आंदोलन का अब तक नहीं निकला कोई नतीजा

शंभू और खनौरी सीमा पर एक साल से किसान डटे हुए हैं और अब जाकर सरकार बातचीत करने वाली है। किसानों की केंद्र सरकार के साथ अहम बैठक होने वाली है। इससे पहले किसानों ने आंदोलन के एक साल पूरा होने पर महापंचायत बुलाई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्ज मुक्ति, और पेंशन योजना सहित 12 मांगों को लेकर किसान आंदोलन पर हैं। उन्होंने पांच बार दिल्ली कूच करने की कोशिश भी की। इस आंदोलन को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन से नई ऊर्जा मिली। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले का संज्ञान लिया और पंजाब सरकार को डल्लेवाल को चिकित्सकीय सहायता देने के निर्देश दिए। दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर एक साल चले आंदोलन को केंद्र सरकार ने एक समझौता करके खत्म कर दिया था, लेकिन उस समझौते की मुख्य मांगों पर आज तक अमल नहीं हो सका है। पहला आंदोलन संयुक्त किसान मोर्चा की अगुआई में हुआ था। डल्लेवाल की अगुआई में नया आंदोलन 13 फरवरी 2024 से शुरू हुआ। आंदोलन में जान बनाए रखने के लिए डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठे। उनकी बिगड़ती सेहत पर सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद केंद्र सरकार ने भी सकारात्मक रुख अपनाया और बातचीत की तारीख का एलान किया। ऐसा नहीं है कि किसान आंदोलन के दौरान सरकार ने बातचीत न की हो। किसानों की नाराजगी को देखते हुए 2024 में केंद्र सरकार ने आठ और फिर 12 फरवरी को संगठन के नेताओं से बातचीत की थी। इसके बाद 13 फरवरी से किसानों ने आंदोलन शुरू कर दिया। सरकार ने 15 और फिर 18 फरवरी 2024 को भी किसान नेताओं के साथ बातचीत की। तब भी कोई हल नहीं निकला। इसके बाद से मामला ठंडा पड़ गया। शुक्रवार को प्रस्तावित बातचीत पर सभी की निगाहें टिकी हैं। किसानों को उम्मीद है कि इस बार केंद्र सरकार उनकी अवश्य सुनेगी। इस नए संवाद में जरूरी है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को सुनें और एक-दो कदम पीछे भी हटें, तभी कोई हल निकल पाएगा।

आज का कार्टून

मोदी मंत्र से दिल्ली के अभेद्य दुर्ग को आखिरकार जीत ही गयी भाजपा

दीपक कुमार त्यागी

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के परिणाम 8 फरवरी यानी कि शनिवार को आ चुके हैं, जिसमें भाजपा ने 27 वर्ष के बाद स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। चुनावी रणभूमि में भाजपा को 48 और आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली हैं, वहीं कांग्रेस लगातार तीसरी बार बिना कोई सीट हासिल किये शून्य की हैट्रिक लगाने में सफल रही है। भाजपा गठबंधन को आम आदमी पार्टी से 3.6 फीसदी ज्यादा मत मिले हैं, जिसके चलते वह आप से 26 सीटें ज्यादा जीतने में सफल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा दिये गये जीत के मंत्र के दम पर ही दिल्ली चुनाव में भाजपा ने वर्ष 2020 के मुकाबले लगभग 9 फीसदी वोट ज्यादा हासिल किया है। वहीं आम आदमी पार्टी को लगभग 10 फीसदी वोटों का नुकसान हुआ है और कांग्रेस का भी 2 फीसदी वोट बढ़ गया है। वर्ष 2020 से तुलना करें तो चुनावी रणभूमि में भाजपा की 71 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ 40 सीटें बढ़ी है, भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़कर 48 सीटें जीती। वहीं आम आदमी पार्टी का स्ट्राइक रेट 31 फीसदी रहा, उसको 40 सीटों का नुकसान हुआ है।

वैसे देखा जाए तो वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव दर चुनाव गैर भाजपाई सरकार वाले राज्यों में भाजपा की पताका को लहराने का कार्य बखूबी किया है, लेकिन भाजपा देश के दिल दिल्ली को जीतने में बार-बार प्रयास के बावजूद भी विफल हो रही थी, लाख प्रयास के बावजूद भी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अरविंद केजरीवाल की कोई तोड़ काट धरातल पर नहीं ढूंढ पा रहा था। वर्ष 2014 से ही केंद्र की सत्ता पर काबिज होने बावजूद भी दिल्ली की जनता बार-बार भाजपा को नकारने का कार्य कर रही थी, जो स्थिति भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बहुत ज्यादा असहज करने वाली थी। चुनाव दर चुनाव भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार का कोई तोड़ नहीं निकाल पा रहा था। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए लगातार आत्ममंथन कर रहा था कि आखिरकार बार-बार कसर कहां पर रह जाती है, किसी कारण से दिल्ली का मतदाता लोकसभा चुनावों में भाजपा को गले लगा लेता है लेकिन वह विधानसभा चुनावों में दुत्कार देता है। दिल्ली के मसले पर देश के राजनीतिक गलियारों में भी केजरीवाल की सफलता का उदाहरण दिया जाने लगा था कि किस तरह से बहुत ही कम समय में वह दिल्ली के मतदाताओं के दिलों पर छा गए थे और फिर वर्ष 2013, वर्ष 2015 और 2020 में उन्होंने आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार बनाने का कार्य किया था। लेकिन इस बार दिल्ली के विधानसभा चुनावों में मोदी मंत्र ने स्थिति को बदलने का कार्य कर दिया है। मतदाताओं ने दिल खोलकर के भारतीय जनता पार्टी की झोली भरने का कार्य किया कर दिया है, मोदी के चहरे के दम पर ही दिल्ली विधानसभा चुनावों में 48 सीट जीतकर के 27 वर्षों के बाद सत्ता पर काबिज होने का भाजपा को अवसर मिला है।

हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों के बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि भारतीय राजनीति में जब अरविंद केजरीवाल का पदार्पण हुआ था तो उस वक्त केजरीवाल ने दिल्ली व देश की जनता को संदेश दिया था कि वह ईमानदारी के साथ देश के विकास के लिए बिना किसी पूर्वाग्रह से पीड़ित हुए स्वच्छ गांधीवादी राजनीति करेंगे। उस वक्त केजरीवाल ने लोगों को बहुत-बहुत बड़े सपने दिखाए थे, राजनीतिक जीवन के लिए उच्च श्रेणी के मानदंड रखने का कार्य किया था, लेकिन जैसे ही वर्ष 2013 में केजरीवाल के हाथ दिल्ली की सत्ता आयी वह राजनीति में शुचिता लाने की बात एक-एक करके भूलने लग गये थे। केजरीवाल ने गाड़ी, बंगाल और सुरक्षा पर बनाये गये अपने ही सिद्धांतों को सबसे पहले तिलांजलि देने का कार्य किया था, फिर केजरीवाल ने धीरे-धीरे दिल्लीवासियों को फ्री सुविधा देने का लालच देना शुरू किया और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बनकर के दिल्ली की सत्ता का जमकर के आनंद लिया। लेकिन इस बार वह अपने द्वारा बनाए सिद्धांतों के इसी चक्रव्यूह में बुरी तरह से फँस गए थे, क्योंकि राजनीति के लिए केजरीवाल के खुद के द्वारा तय किए गए सभी मापदंड उनके ही हाथों पूरी तरह से ध्वस्त कर दिये गये थे। दिल्ली के मतदाताओं को केजरीवाल की कथनी व करनी में स्पष्ट अंतर नजर आने लग गया था। दिल्ली के वासियों ने करीब से देखा कि ईमानदारी, सुचिता व जमीन पर रहकर के आम आदमी से जुड़े रहने की राजनीति के सिद्धांतों पर केजरीवाल एंड कंपनी केवल फाइलों के भीतर ही अमल कर रही है, केजरीवाल का एक-एक करके साथ छोड़ते पुराने साथी पार्टी के भीतर लोकतंत्र के हाल पर जनता के बीच जाकर के गवाही दे रहे हैं, जिसका पूरा लाभ टीम मोदी ने इस बार के विधानसभा चुनावों में लिया और केजरीवाल को दिल्ली की सत्ता से बेदखल करने का काम कर दिया।

जिस तरह से देश के दिल राजधानी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में नरेन्द्र मोदी सेना ने जबरदस्त ढंग से हमलावर होकर के केजरीवाल की सेना को करारी हार देकर के प्रचंड विजय हासिल की है, वह आगामी कई दशकों तक देश की चुनावी राजनीति में एक नजीर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिलों में आगे टीम अरविंद केजरीवाल के सामने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में लड़ना इस बार बेहद ही कठिन कार्य था, लेकिन फिर भी अरविंद केजरीवाल की दिल्ली के मतदाताओं के लिए फ्री बांटों की रणनीति की काट ढूंढना देश के भोले-भाले आम जनमानस को असंभव लगता था, क्योंकि केजरीवाल ना सिर्फ चुनावी रणभूमि में मतदाताओं से तरह-तरह के लोकलुभावन वादे ही कर रहे थे, बल्कि वह पहले से ही बहुत सारी फ्री की रेवड़ियां बांटने की घोषणाओं पर धरातल पर अमल भी कर रहे थे। ऐसी स्थिति में दिल्ली में भाजपा को पुनर्जीवित करना आसान कार्य नहीं था, क्योंकि देश की राजनीति में शीर्ष रखने वाले लोगों के एक बहुत बड़े वर्ग को केजरीवाल के पक्ष में रहने वाले मतदाताओं को तोड़कर के भाजपा के पक्ष में लाना असंभव कार्य लगता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जादुई व्यक्तित्व व ओजस्वी विचारों ने उस कार्य को कर दिखाया, मोदी ने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में आम आदमी पार्टी को हराते हुए भाजपा को पुनर्जीवित करने के लिए जीवन देनी वाली कारगर संजीवनी बूटी बनने का कार्य बखूबी कर दिया।

दिल्ली की चुनावी रणभूमि में अरविंद केजरीवाल की हार की सबसे बड़ी वजह रही है कि केजरीवाल के खिलाफ नरेन्द्र मोदी का खुद चेहरा बनना। वहीं रही-सही कसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा केजरीवाल सरकार के शराब घोटाला व भ्रष्टाचार आदि के मुद्दों को उठाने ने पूरी कर दी थी। मोदी ने दिल्ली की जनता को समझाया कि आप सरकार दिल्ली के वासियों के लिए आप दा बन चुकी है, भ्रष्टाचार के मामलों के चलते केजरीवाल कुल 177 दिन तक जेल में बंद रहे थे, जिसके चलते ही मोदी ने केजरीवाल को बार-बार कट्टर बेईमान कहा था। कभी बंगला, गाड़ी व सुरक्षा ना लेने की कसम लेने वाले केजरीवाल के सरकारी बंगले शीशमहल पर 45 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि खर्च करके मोदी को एक और चुनावी मुद्दा स्वयं ही दे दिया था, जिसको मोदी व उनकी टीम ने बड़ा मुद्दा बनाया और चुनाव के पहले इसे शीशमहल कहकर इसको आम जनमानस के बीच जमकर के प्रचारित करने का कार्य बखूबी करके केजरीवाल की छवि को जनता की अदालत में बड़ा लगाने का कार्य सफलतापूर्वक कर दिया था, मोदी ने पूरे चुनाव इस मुद्दे को लेकर के केजरीवाल पर जमकर हमला बोला था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने केजरीवाल की फ्री बांटों की काट ढूंढते हुए दिल्ली में मतदान से 3 दिन पहले केंद्रीय बजट में 12 लाख तक के इनकम टैक्स को फ्री करने का बड़ा दांव चल कर केजरीवाल की थोक में वोट काटने का काम कर दिया था, क्योंकि दिल्ली में 67 फीसदी आबादी मध्यमवर्गीय है, जोकि आम आदमी पार्टी को एकतरफा वोट देने का कार्य कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने हर कार्यक्रम में दिल्ली की जनता को आश्वस्त किया कि हम मौजूदा आप सरकार की किसी भी कल्याणकारी योजना को बंद नहीं करेंगे और महिलाओं व बुजुर्गों को हर महीने 2500 रुपए देने का कार्य करेंगे। जिन्होंने दिल्ली के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित करने का कार्य किया और भाजपा को चुनावी रणभूमि में जीता दिया।

हालांकि देश के बहुत सारे लोगों व राजनीतिक विश्लेषकों यह लगता था कि केजरीवाल के आगे 27 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में कमल खिलाना इस बार भी असंभव है। लेकिन मोदी मंत्र के दम पर भाजपा इस असंभव को भी संभव बनाने में अब सफल हो गयी है। क्योंकि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहरे पर दिल्ली का पूरा चुनाव लड़ा और नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली की जनता को यह विश्वास दिलाया कि उन्हें दिल्ली में एक ऐसी सरकार मिलेगी जो दिल्ली के निवासियों की सेवा करेगी, जो विकसित भारत 2047 के सपने को प्राप्त करने में बढ़-चढ़कर के अपना योगदान देगी, जो दिल्ली वासियों के हितों की रक्षा करते हुए उनकी सेवा करेगी, जो दिल्ली के विकास का शानदार रोड़मैप बनाकर के धरातल पर कार्य करेगी।

हर मौसम में दिख जाती है गरीबी और अमीरी

महेश परीमल

फुटपाथ पर हजारों बच्चे हर साल किसी तरह अपने हिस्से की ठंड काट लेते हैं। ठंड से बचने के लिए मां के आंचल का भी सहारा लेता है। प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' में हलकू एक कुत्ते के सहारे ही रात काट लेता है। ऐसे कई हलकू हमारे आसपास ही हैं। जब ये पूरी शिद्दत के साथ ठंड का सामना करने निकलते हैं, तो ठंड भी एक बार इनकी हिम्मत के आगे सिहर उठती है। ऐसे लोगों का दिन तो किसी तरह निकल जाता है, लेकिन कभी इन्हें रात गुजारते देखा है किसी ने? हमारे बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि जब हमें हमारा दुख बहुत बड़ा लगने लगे, तब हमें उन लोगों की तरफ देख लेना चाहिए, जिनके दुख हमसे भी बड़े हैं।

समूचे उत्तर भारत में ठंड से लोग ठिठुरते-सिकुड़ते रहे। इस मौसम में इसी के साथ स्मिट जाती है पूरी जिंदगी। इस तरह की जिंदगी में ठंड लोगों को कुछ और करीब ला देती है। इन दिनों एक तरह का समाजवाद दिखता है, क्योंकि यह सभी को एक ही तरह से लगती है। लिहाफ ओढ़े व्यक्ति और मां के आंचल को ओढ़ते हुए मासूम की ठंड में कोई फर्क नहीं होता। कोई यह नहीं कह सकता है कि यह अमीरों की ठंड है, यह गरीबों की। सभी को समान भाव से अपने होने का अहसास कराती है यह ठंड। हां, इससे बचाव के साधनों की उपलब्धता के आधार पर इसे कम या ज्यादा असर वाला जरूर कहा जा सकता है।

ठंड की तीव्रता और मार को लोग भले ही वैश्विक तापमान में उथल-पुथल का असर कहें, पर वास्तविकता यह है कि हमारे भीतर की ठंड लगातार विचलित हो रही है, हमारी संवेदनाओं की तरह। जब भी ठंड लगती है, तो हम केवल खुद को ही देखते हैं। यह भूल जाते हैं कि हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें ठंड का अहसास होता है। पर अपनी ठंड को हम बहुत बड़ा मानते हुए उसे दूर करने की कोशिश करने लगते हैं। इस बार भी हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने लुका-छिपी का खेल किया। ठंड के कई रूप हैं। भीतर तक सिहराती और बाहर तक अलसाती ठंड। इस बार भी जब ठंड की शुरूआत हुई थी, तो गरीबी के चक्र में पिसते व्यक्ति ने अपनी पत्नी की ओर लाचारगी भरी नजरों से देखा होगा, क्योंकि वह पिछले साल की तरह इस साल भी रजाई बनवाने का वादा पूरा नहीं कर पाया। उसकी पत्नी ने फिर से पुराने संदूक से गरम कपड़े बाहर निकाल लिए होंगे और बैठ गई होगी सुई-धागा लेकर, उसकी मरम्मत करने। उसके चेहरे पर उदासी होगी और गुस्सा भी। इसी क्रम में सुई कई बार अंगुलियों के पोरों पर चुभती रही होगी। आखिर बेमन से ही सही, गरम कपड़ों और फटी कथरी को दुरुस्त कर उसने हताश बैठे पति को दिलासा दिया होगा और इस तरह मन की पीड़ा और ठंड की मार को कम करने की कोशिश हुई होगी। नहीं पता कि अगले मौसम में भी रजाई बनेगी या नहीं!

एक गरीब की झोपड़ी में ठंड का प्रवेश इसी तरह होता है। गरीबों के लिए ठंड के यही मायने हैं। सर्दियों के साथ बारिश, वसंत, गरमी- हर ऋतु जहां संपन्न वर्ग के लिए मौसम का मजा उठाने का एक बहाना होता है, वहीं गरीबों के लिए यह मुसीबत का एक और कारण है। यह छिपा नहीं है कि ठंड और बारिश के साथ ही संपन्न तबके के लोग अपनी-अपनी सुविधाओं और सुकून का प्रदर्शन करने लगते हैं। कुछ लोग ठंड में गरम-गरम पकौड़े खाने और रजाई में बैठ कर चाय की चुस्कियों की तस्वीरें सबको दिखाते हैं, तो कोई बारिश में मौसम से मिलने वाले सुकून के अहसासों को साझा करते हैं, लेकिन ऐसे लोगों के मन को गहरे देने वाला यही मौसम वंचितों और गरीबों के लिए इतना सुकूनदेह नहीं होता।

फुटपाथ पर हजारों बच्चे हर साल किसी तरह अपने हिस्से की ठंड काट लेते हैं। ठंड से बचने के लिए मां के आंचल का भी सहारा होता है। प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' में हलकू एक कुत्ते के सहारे ही रात काट लेता है। ऐसे कई हलकू हमारे आसपास ही हैं। जब ये पूरी शिद्दत के साथ ठंड का सामना करने निकलते हैं, तो ठंड भी एक बार इनकी हिम्मत के आगे सिहर उठती है। ऐसे लोगों का दिन तो किसी तरह निकल जाता है, लेकिन कभी इन्हें रात गुजारते देखा है किसी ने?

हमारे बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि जब हमें हमारा दुख बहुत बड़ा लगने लगे, तब हमें उन लोगों की तरफ देख लेना चाहिए, जिनके दुख हमसे भी बड़े हैं। ठंडा एक अहसास है, जिसे जितना अधिक महसूस किया जाए, वह उतने ही करीब आएगी। ठंड में अगर हम गर्मी को याद करें, तो सर्दी और गर्मी के इस झगड़े में रात कट जाएगी। सुबह फिर वही जिंदगी मुस्कराती हुई सामने खड़ी होगी। ठंड का स्वभाव बड़ा जिद्दी है। इसे जितना दूर भगाया जाए, उतना ही करीब आती है। अगर इसके सामने सीना तान कर खड़े हो जाया जाए, तो यह ठहर जाती है। थोड़ी ठिठक जाती है।

इससे इतर सबसे अधिक महत्वपूर्ण है हमारे भीतर की सिकुड़ती संकीर्ण मानसिकता, जो हमें यह अहसास ही नहीं कराना चाहती कि सर्दी जानलेवा भी हो सकती है। इसे आपस में बांट लें, तो शायद उन मासूमों की विसमटती जिंदगी में कुछ पलों के लिए ही सही, ठंड से राहत का अहसास होगा। बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा सर्दी लगती है। क्या हम उन्हें अपने हिस्से की राहत नहीं दे सकते? जरूरी नहीं कि वह गरम कपड़ों के रूप में ही हो। आशा और विश्वास के रूप में भी हम कुछ दे सकते हैं। हमारा प्यार भरा हाथ कुछ मासूमों के सिर पर चला जाए, बस इतने से कइयों की जिंदगी संवर जाती है। उनके जीने का हौसला बढ़ जाता है। इसी तरह बुजुर्गों के पास जाकर केवल उनके दुख-दर्द ही सुन लिए जाए, उनसे प्यार से बातें ही कर ली जाए, उनके लिए तो यही है सिमटती जिंदगी का एक ठहरा हुआ सच।

पूर्ण अनुपालन करने वाला पहला सार्वजनिक उपक्रम बना बीएसएल

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट में ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट प्रणाली का गो लाइव किया गया और इसके साथ ही बी एस एल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते डी पी डी पी अधिनियम का पूर्ण अनुपालन करने वाला देश का पहला सार्वजनिक उपक्रम बनने का गौरव भी प्राप्त किया. यह उपलब्धि बीएसएल की डिजिटल परिवर्तन यात्रा और आधुनिक कार्यबल प्रबंधन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।बीएसएल द्वारा लागू की गई प्रखर नामक त्रैौळेप-आधारित कउच् प्रणाली का दूसरा चरण कठ प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है. उल्लेखनीय है कि यह परियोजना अपने निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है.

एचसीएम प्रणाली के दूसरे चरण के कार्यक्रम का आयोजन एचआर के मुख्य सभागार में १५ फरवरी किया गया. इस अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. उनके साथ अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी.आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगनी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) श्री अनीश सेनगुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. इसके अलावा, परियोजना कार्यान्वयन भागीदार मैसर्स डेलॉइट के अधिशासी निदेशक मोहित फौगाट, परियोजना प्रबंधक श्री अंकुर अग्रवाल तथा मैसर्स ओरेकल के निदेशक विपुल लहरी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए.

कार्यक्रम की शुरुआत में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया और एचसीएम प्रणाली की विशेषताओं और इसके क्रियान्वयन की दिशा में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला. उन्होंने जानकारी दी कि यह प्रणाली मार्च २०२५ से बीएसएल के माइंस, सीसीएसओ एवं कोलियरी में भी लागू कर दी जाएगी. मुख्य अतिथि श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने एचसीएम प्रणाली में लॉगिन की औपचारिक घोषणा की. अपने संबोधन में उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए एच आर विभाग, वित्त एवं लेखा, सी एंड आई टी सहित समस्त टीम को बधाई दी तथा परियोजना कार्यान्वयन पार्टनर , मैसर्स डेलॉइट और मैसर्स ओरेकल की सराहना की. उन्होंने कहा कि यह प्रणाली एच प्रक्रियाओं को सुलभ और पारदर्शी बनाएगी तथा प्रबंधन और उपयोगकर्ताओं दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगी.

इस अवसर पर परियोजना कार्यान्वयन पार्टनर , मैसर्स डेलॉइट द्वारा कउच् प्रणाली के क्रियान्वयन और उपयोगकर्ता इंटरफेस पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई. साथ ही, एक विशेष डेमो एवं प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा की गई. सहायक महाप्रबंधक (एचआर) राहुल त्रिपाठी ने एचसीएम प्रणाली के रोल आउट पर विस्तृत जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि एचसीएम प्रणाली के पहले चरण का शुभारंभ २० दिसंबर २०२४ को सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश द्वारा वर्चुअली किया गया था. इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह भी उपस्थित थे.

कार्यक्रम के अंत में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) श्री हरी मोहन झा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन में योगदान देने वाले सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालन श्री एन.के. झा, उपमहाप्रबंधक (एचआर) एवं सुश्री प्रगति, सहायक प्रबंधक (एचआर) द्वारा किया गया.

एचसीएम प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के साथ, बोकारो स्टील प्लांट न केवल डिजिटल समाधान में अग्रणी बन गया है, बल्कि अधिनियम के अनुरूप अपने डेटा सुरक्षा ढांचे को भी मजबूत कर रहा है। यह पहल बीएसएल को भविष्य के तकनीकी नवाचारों की दिशा में एक कदम आगे ले जाती है और इसे देश के अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनाती है.

मैट्रिक-इंटर परीक्षा का डीटीओ ने लिया जायजा

बोकारो (ससे): झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा संचालित मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा के तीसरे दिन कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार शनिवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) वंदना शेजवलकर ने चास स्थित बीएमपी - ४, राजकीयकृत मध्य विद्यालय परीक्षा केंद्र, राजकीयकृत उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा,आर.बी.एस इंटर कॉलेज चास आदि का जायजा लिया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। डीटीओ ने विभिन्न कमरों में संचालित परीक्षा का निरीक्षण किया।

उन्होंने केंद्राधीक्षक/वीक्षकों से उपस्थित छात्र - छात्राओं की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने केंद्राधीक्षक को कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। डीटीओ श्रीमती वंदना शेजवलकर ने विद्यालय भवन में बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से विभिन्न कमरों में संचालित परीक्षा को भी देखा। वहीं, उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का नियमित औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

जानकारी हो कि, मैट्रिक - इंटर परीक्षा के तीसरे दिन क्रमशः अरबी/ फारसी/ हो/मुण्डारी/ संथाली/उरांव एवं अंग्रेजी विषय की परीक्षा थी। मैट्रिक में कुल ०९२६ परीक्षार्थियों को शामिल होना था। जिसमें ०९२० परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं, इंटर परीक्षा में कुल १७,३३१ परीक्षार्थियों को शामिल होना था। जिसमें १७,१६४ परीक्षार्थी शामिल हुए। दोनों परीक्षा में क्रमशः ०६ एवं १६७ कुल १७३ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें।

वहीं, उपायुक्त बोकारो के निर्देशानुसार प्रखंडों में भी संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचलाधिकारी (सीओ) ने संचालित परीक्षा का जायजा लिया। केंद्राधीक्षकों को जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

आरआईएनएल विशाखापत्तनम की टीम ने फाइनल जीता

बोकारो (ससे): स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के अंतर्गत सत्र २०२४-२५ के लिए बीएसएल की मेज़बानी में आयोजित इंटर-स्टील प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का फाइनल मैच १५ फरवरी को क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया जिसमें एक रोचक मुकाबले में आरआईएनएल विशाखापत्तनम ने सेलम स्टील प्लांट को ०५ विकेट से पराजित कर शानदार विजय प्राप्त की. चैंपियनशिप के समापन समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे. समापन समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा , अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) अनीष सेनगुप्ता, अन्य वरीय अधिकारी तथा क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और जीत हासिल करने पर बधाई दी.

उल्लेखनीय है कि सलेम स्टील प्लांट तथा बोकारो स्टील प्लांट के बीच दिनाँक १४ फ़रवरी को खेले गए पहले सेमी-फाइनल मैच में सलेम स्टील प्लांट ने २६ रन से जीत दर्ज की. दूसरे सेमी-फाइनल मैच में आरआईएनएल ने दुर्गापुर स्टील प्लांट को ०९ विकेट से पराजित किया. १५ फ़रवरी को खेले गए फाइनल मैच में आरआईएनएल विशाखापत्तनम की टीम के सी श्रीनिवास को मैन ऑफ़ द मैच तथा श्री एम हेमंथ रेड्डी को मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया.

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो (ससे): बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आज दिनाँक १५ फरवरी को ट्रेनीज़ हॉस्टल परिसर में वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता- २०२५ का आयोजन किया गया. वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा गुब्बारा छोड़कर किया गया. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) श्री कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री मनीष जलोटा के साथ ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के अधिकारी व कर्मचारी, सीनियर ओसीटी, ओसीटी एवं एसीटी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

आरंभ में श्री मनीष जलोटा ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया. मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में खेल-कूद की महत्ता को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को बढ़-चढ़ कर भाग लेने का संदेश दिया. उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रतियोगिता में खेल भावना से भाग लेते हुए टीम वर्क एवं अनुशासन अपनाते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया.

इस वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के लगभग ३५० प्रशिक्षुओं ने भाग लिया जिसमें वरीय ओसीटी, ओसीटी एवं एसीटी शामिल थे. वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में १०० मीटर रेस, २०० मीटर रेस, ४०० मीटर रिले रेस, शॉट-पुट, टग-ऑफ़-वार, डिस्कस-थ्रो, म्यूजिकल चेयर आदि मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया जबकि महिला वर्ग में ५० मीटर रेस, १०० मीटर रेस, डिस्कस-थ्रो, मार्बल स्पून रेस, नीडल थ्रेड रेस, म्यूजिकल चेयर, टग-ऑफ़-वार जैसे खेल आयोजित किये गए. खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन पर सभी १४ खेल आयोजनों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया और विजेताओं को विजेता पदक और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया. वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का संचालन उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री राजेश कुमार द्वारा किया गया. समारोह के अंत में सुश्री मीनम मिश्रा महाप्रबंधक (शिक्षा) तथा सुश्री देवाश्री रानी टोप्पो महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी विजेताओं को पुरस्कार तथा बधाई दी और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी तथा समन्वयकों को धन्यवाद दिया.

विधायक जयराम महतो ने डीईओ को लिखा पत्र

डुमरी (ससे): स्थानीय विधायक जयराम महतो ने डीईओ को पत्र प्रेषित कर पारसनाथ इंटर महाविद्यालय इसरी बाजार गिरिडीह में शिक्षक प्रतिनिधि के चुनाव में दिये गये मतदाता सूची में शामिल शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया,विज्ञापन तिथि,नियुक्ति तिथि,योगदान तिथि, वास्तविक उपस्थिति एवं शैक्षणिक योग्यता की जांच हेतु आग्रह किया है।लिखा है कि पीएन इंटर कॉलेज में १० फरवरी को शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव होना तय हुआ था।

चुनाव हेतु दिऐ गये मतदाता सूची में शामिल शिक्षकों के नियुक्ति प्रक्रिया,नियुक्ति हेतु दिए गये विज्ञापन,नियुक्ति तिथि,योगदान तिथि,वास्तविक उपस्थिति एवं शैक्षणिक योग्यता के संबंध में विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इन शिकायतों में अनियमितताओं की आशंका व्यक्त की गई है, जो शिक्षा की गुणवता एवं पारदर्शिता के लिए गंभीर चिंता का विषय है।इस वजह से मेरे आदेश पर शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। लिखा है कि आपके (डीईओ) नेतृत्व में विधायक प्रतिनिधि व शासी निकाय में जैक प्रतिनिधि को शामिल करते हुए एक निष्पक्ष जांच समिति का गठन किया जाए।कृप्या सुनिश्चित करें कि जोच की संपूर्ण प्रक्रिया में आपकी, विधायक प्रतिनिधि और जैक प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्य रूप से हो ताकि जाँच प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। यदि जांच में कोई अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अधिवक्ता संघ के जिला महासचिव का स्वागत

डुमरी (ससे): गिरिडीह जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नूकांत शनिवार को डुमरी अनुमंडल पहुंचे जहां में अधिवक्ता भवन में उपस्थित अधिवक्ताओं से उनकी समस्याओं को सुना और समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया।वे सरकार द्वारा वकीलों को मेडिकल इंश्योरेंस के संदर्भ में आए थे और अधिवक्ताओं से उनका एप्लीकेशन फॉर्म लिया। उन्होंने अधिवक्ताओं की हर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। इस दौरान डुमरी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इन्द्रजीत जायसवाल सचिव अशोक जैन,छत्रधारी महतो,विजय कुमार,सच्चिदानंद सहित सत्यनारायण सिन्हा,नीतिन कुमार आदि उपस्थित थे।

महिला अधिकारी को नो मेकअप का कमेंट कर मुसीबत में फंसे युवक

कोकराझार (ईएमएस) : सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर महिला अधिकारी पर किए एक कॉमेंट पर इमोजी बनाकर भी असम का एक युवक मुसीबत में फंस गया। दरअसल ढेकियाजुली निवासी युवक ने महिला अधिकारी की पोस्ट पर एक कमेंट पर केवल हंसने वाली इमोजी बना दी थी। मामला पुराना है लेकिन कोकराझार कोर्ट ने जनवरी माह में युवक को समन भेजा है। अप्रैल २०२३ में युवक ने फेसबुक पर रिएक्ट किया था। पुलिस ने मामले में कोकराझार कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है। युवक का नाम अमित चक्रवर्ती है। कोकराझार की डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर वरनाली डेका की पोस्ट पर अमित ने रिएक्शन दिया था। इसके बाद डेका ने उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। डेका ने दो अन्य लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज करवाया था। इसमें कमेंट करने वाला युवक भी शामिल है। युवक ने नो मेकअप कमेंट किया था। डेका ने आरोप लगाया कि युवकों ने साइबर स्टॉकिंग और सेक्शुअली अपमानजनक टिप्पणी की है।

शिक्षा संस्थान अल्पसंख्यक मामलों का करें ससमय निष्पादनः अध्यक्ष

बोकारो (ससे): अपने दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचें भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमईआइ) के कार्यवाहक अध्यक्ष, प्रोफेसर (डॉ.) शाहिद अख्तर ने शनिवार को बोकारो परिसदन सभागार में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक किया।

बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एन एस कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहारा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि आदि उपस्थित है। बैठक में भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमईआइ) के कार्यवाहक अध्यक्ष ने क्रमवार जिले में संचालित शिक्षण संस्थानों, उसमें अध्ययनरत बच्चों की संख्या, अल्पसंख्यक बच्चों की संख्या एवं अल्पसंख्यक बच्चों से संबंधित मामलों की जानकारी ली। इस दौरान, अल्पसंख्यक छात्र - छात्राओं के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से अच्छादन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमई आइ) के कार्यवाहक अध्यक्ष ने शिक्षा एवं कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अल्पसंख्यक संबंधित मामलों को ससमय निष्पादित करने का निर्देश दिया। वहीं, विभिन्न महाविद्यालयों/ शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों/ प्रतिनिधियों को भी ऐसे मामलों के निष्पादन में प्राथमिकता बरतने को कहा।

उन्होंने माइनॉरिटी एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिला स्तर पर हर महीने बैठक आयोजित करने एवं विद्यालय स्तर पर बैठक के साथ जन जागरूकता को लेकर कार्यशाला आयोजित करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। इससे पूर्व, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमई आइ) के कार्यवाहक अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

राजस्व शिविर का सफल आयोजन करें अंचलाधिकारी : एसी

बोकारो (ससे): जिला स्तर पर आयोजित जनता दरबार एवं जन शिकायत से प्राप्त आवेदन में ज्यादातर आवेदन ऑनलाईन जमाबंदी दर्ज करने, ऑन लाईन लगान रसीद निर्गत, दाखिल खारिज एवं भू-मापी इत्यादि से संबंधित होती है।

ऑन लाईन जमाबंदी में सुधार/लगान रसीद निर्गत करने/दाखिल खारिज के प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु विभिन्न कार्यालय/ पंचायतों से पूर्व में निर्देशित किया गया है। दिये गये दिशा-निर्देश के उपरान्त भी ऑन लाईन झारभूमि पोर्टल पर दर्ज जमाबंदियों में त्रुटि निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है।

इसी को लेकर उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देशानुसार ऑन लाईन झारभूमि पोर्टल पर दर्ज जमाबंदियों में व्याप्त त्रुटि के निराकरण, दाखिल खारिज, उत्तराधिकार/बटवारानामा के आधार पर नामांतरण तथा विभिन्न राजस्व कार्यों यथा भू-मापी, ऑन लाईन लगान रसीद से संबंधित शिकायतों के निष्पादन* हेतु जिले के सभी अंचल में दिनांक १८.०२.२०२५ से दिनांक ०४.०३.२०२५ तक प्रत्येक हल्का में ०३ दिन का विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया जाएगा।

विशेष राजस्व शिविर के सफल आयोजन को लेकर शनिवार को अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने गुगल मीट के माध्यम से चास - बेरमो दोनों भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं सभी अंचलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया।

उन्होंने तैयारियों की जानकारी ली एवं शिविर के सफल आयोजन* को लेकर संबंधितों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

शिविर को लेकर स्थानीय स्तर पर व्यापक रूप से प्रचार - प्रसार का निर्देश दिया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर का लाभ मिल सके।

अपर समाहर्ता (एसी) ने आयोजित शिविर में हल्का से संबंधित निष्पादित दाखिल खारिज वादों के शुद्धिपत्र का वितरण भी आवेदकों को कराना सुनिश्चित करने को कहा। वहीं,भूमि सुधार उप समाहर्त्ता चास एवं बेरमो (तेनुघाट) वरीय पदाधिकारी के रूप में हल्का में आयोजित होने वाले विशेष राजस्व शिविर का पर्यवेक्षण* करने का निर्देश दिया।

खनन टीम ने चिमनी ईंट भट्टा क्षेत्र का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): शनिवार को उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निर्देशानुसार जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) बोकारो रवि कुमार सिंह के मार्ग दर्शन में खनन विभाग के टीम ने जिले के जागेश्वर विहार, राहावन ओपी अंतर्गत अवस्थित चिमनी ईंट भट्टा क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में टीम ने उक्त क्षेत्र पर विभिन्न स्थलों पर अवैध रूप से ईंट निर्माण हेतु चिमनी का निर्माण किया हुआ पाया गया। टीम ने इसके विरुद्ध अग्रेत्तर कर्रवाई प्रारम्भ कर दी है। टीम में *खान निरीक्षक सीताराम टुडू एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

खाटूश्याम बाबा के पदयात्रियों के लिए एनएचएआई की सौगात

जयपुर (ईएमएस): लखदातार खाटूश्यामजी (सीकर) के लक्खी मेले की २८ फरवरी से शुरुआत होने वाली है। करीब १२ दिन चलने वाले मेला में १० से ज्यादा देशों से श्रद्धालु पहुंच सकते है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के हर कोने से हजारों की संख्या में भी पदयात्रा भी खाटूनरेश के धाम पहुंचेंगी। हर साल मेल में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखकर इस साल के मेला के लिए भी बड़े पैमाने पर तैयारियां की गई हैं। बाबा के निशान, इत्र, गुलाब के फूलों को लेकर भी नए नियम तय हुए हैं। वहीं,जयपुर से रींगस तक हाईवे के किनारे पदयात्रियों के लिए नया रास्ता तैयार किया जा रहा है।

जिससे वे सुरक्षित बाबा के धाम पहुंच सकें। बात दें कि खाटूश्याम मेला के दौरान जयपुर की ओर से सबसे ज्यादा पदयात्रा पहुंचते हैं। इनका रूट जयपुर-बीकानेर हाईवे से होता है। इसके बाद जयपुर से रींगस तक पदयात्रियों को हैवी ट्रैफिक के साथ करीब ६० किलोमीटर का सफर तक करना होता है।

नीतीश कुमार का दिल्ली दौरे से बिहार की राजनीति में हलचल

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अचानक दिल्ली जाने की खबर ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है. जानकारी के अनुसार, नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा से लौटने के बाद १६ फरवरी की शाम को दिल्ली के लिए रवाना होंगे. उनके इस दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि इसके पीछे कई राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं. कहा जा रहा है कि इस दौरान उनकी मुलाकात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व से हो सकती है, जो आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण हो सकती है.

मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने कड़ा हमला बोला है. आरजेडी प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि भाजपा, नीतीश कुमार को कुछ महीने खींचने के बाद उन्हें मानसिक रूप से अयोग्य घोषित करने की योजना बना रही है. उनका दावा है कि भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ना चाहती और यह दौरा इसी राजनीतिक योजना का हिस्सा है. शक्ति यादव ने यह भी कहा कि जदयू के भीतर भी एक धड़ा भाजपा के साथ चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि महाराष्ट्र की तर्ज पर बिहार की राजनीति को प्रभावित किया जा सकता है.

आरजेडी के इन आरोपों के बाद भाजपा ने तुरंत पलटवार किया. भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने मुख्यमंत्री की यात्रा का बचाव करते हुए कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है और मुख्यमंत्री का वहां जाना विकास योजनाओं के संबंध में सामान्य बात है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर बिहार की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करेंगे. मिश्रा ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष राजनीतिक अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है और मुख्यमंत्री की यात्रा को बेवजह विवादित बना रहा है.

मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे पर कांग्रेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है. कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पांडेय ने कहा कि एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है और यही कारण है कि नीतीश कुमार को दिल्ली जाना पड़ रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी सीटें बढ़ाने के प्रयास में सहयोगी दलों को कमजोर करने की रणनीति अपना रही है.

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं और इस दौरे को चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री की यह यात्रा एनडीए की चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए हो रही है. २४ फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भागलपुर दौरा भी प्रस्तावित है, और इसे लेकर भी चर्चाएं हो सकती हैं.

प्रशांत किशोर के स्टैंड से मुस्लिम समाज गदगद

पटना (एजेंसी): प्रशांत किशोर ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर केंद्र सरकार को घेरते हुए इस कानून को मुस्लिम समाज के लिए असहज और विवादास्पद बताया है. उनका कहना है कि बिना समुदाय को विश्वास में लिए इस तरह के संवेदनशील कानून लागू किए जा रहे हैं, जो समाज में असंतोष का कारण बन सकते हैं. किशोर के इस बयान ने मुस्लिम समाज में एक नई उम्मीद जगी है. उनके इस स्टैंड के बाद, सवाल उठने लगा है कि क्या वक्फ कानून पर इस विरोध के बाद देश में एक और राजनीतिक तूफान खड़ा होगा, जैसा कि नागरिकता कानून और एनआरसी के समय देखा गया था.

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज के एक बड़े वर्ग को असहज कर रहा है. प्रशांत किशोर का कहना है कि सरकार बिना मुस्लिम समुदाय को भरोसे में लिए ऐसे संवेदनशील कानून बना रही है, जो समाज में असंतोष को जन्म दे सकते हैं.

प्रशांत किशोर ने वक्फ कानून पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि जिस मुस्लिम समुदाय ने देश की आज़ादी के लिए कुर्बानी दी, उसी समाज के साथ आज़ादी के बाद भेदभाव किया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार संसद के माध्यम से ऐसे कानून बना रही है, जो एक विशेष समुदाय के हितों को प्रभावित कर रहे हैं.

प्रशांत किशोर ने वक्फ अधिनियम में किए जा रहे बदलावों को लेकर मुस्लिम समाज की असुरक्षा की भावना को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड में बदलाव लाने की प्रक्रिया समाज को विश्वास में लिए बिना शुरू की गई है. इससे मुस्लिम समुदाय में आशंका और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है. प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार को इस तरह के निर्णय लेते समय समाज के नेताओं और धार्मिक संगठनों से बातचीत करनी चाहिए.

मॉब लिंचिंग की घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जब भी किसी गरीब या असहाय मुस्लिम व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या कर दी जाती है, तब उस व्यक्ति के साथ खड़ा होने वाला कोई नहीं होता. उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज के वोटों के लिए राजनीति करने वाले नेता भी इन घटनाओं के समय नदारद रहते हैं. किशोर ने इसे मुस्लिम समाज के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बताया.

फांसी के फंदे पर झूला पटना हाइकोर्ट का वकील

पटना (ईएमएस): पटना हाइकोर्ट के वकील ने खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि वकील का पत्नी से विवाद था, जिसके बाद से दोनों अलग रह रहे थे। इस वजह से वकील डिप्रेशन में था। मृतक की पहचान गांधीनगर इलाके के रूपेश कुमार (२९) के तौर पर हुई है। रूपेश मूल रूप से वैशाली के नारायणपुर गांव के रहने वाले थे।

नई रस्सी से फंदा बना हुआ है, जिससे आशंका हैं कि रूपेश ने सुसाइड की योजना पहले ही कर ली थी। १३ फरवरी को रूपेश ने अपने दोस्त से बात की थी। दोस्त को उसकी बातों से संदेह होने लगा कि रूपेश कुछ गलत कदम उठा सकता है। जिसके बाद दोस्त ने रूपेश की मां को फोन कर जानकारी दी।

मां वैशाली से रात में ही पटना स्थिति रूपेश के कमरे में पहुंची। मौके पर पहुंचने पर देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि हो सकता है रुपेश सो रहे हों। रूपेश की मां रात भर रूपेश के कमरे के बाहर बैठी रही। शुक्रवार सुबह भी काफी आवाज देने के बाद जब उन्होंने दरवाजा नहीं खुला तब परिजनों (रूपेश की मां, मौसी और मौसा) ने इसकी सूचना थाने को दी। पुलिस मौके पर पहुंचीं और दरवाजा तोड़कर देखा कि अंदर रूपेश की बॉडी फंदे से लटकी थी। कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में कैंसर का भी जिक्र किया था। रूपेश ने लिखा, २०१७ में जब कैंसर हुआ तब मैं जीत गया। तब मेरे अपने मेरे साथ थे। पर आज मेरे अंदर मानसिक तनाव है जो कैंसर से भी ज्यादा पीड़ा दे रही है।

वित्त मंत्री सम्राट चौधरी 3 मार्च को पेश करेंगे बजट

पटना (ईएमएस): वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए बिहार का बजट ३ मार्च को पेश होगा। नीतिश सरकार में वित्त मंत्री सम्राट चौधरी दूसरी बार बजट पेश करने वाले है। इस बार का बजट करीब ३.२५ लाख करोड़ रुपए का होगा। इस बार २०२४-२५ की तुलना में ४५ से ४७ हजार करोड़ रुपए अधिक का होगा।

बीते साल बिहार का बजट २.७८ लाख करोड़ रुपए का था। बजट में राज्य के विकास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पथ निर्माण, ग्रामीण पथ, रोजगार, बाढ़ प्रबंधन पर विशेष फोकस होगा। लेकिन सवाल ये हैं कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा। इसका जबाव ये हैं कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में बिहार को २०२५-२६ में १,४३,०६९ करोड़ रुपए मिलने है। जो वित्तीय वर्ष २०२४-२५ की तुलना में करीब-करीब १३ हजार करोड़ रुपए अधिक है। बजट का आधा हिस्सा, इससे ही पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही बिहार को करीब १५,००० करोड़ का ब्याज रहित लोन भी मिलेगा। अनुदान और केंद्रीय स्कीमों का पैसा जोड़ दें, तब बजट का आकार दो-तिहाई के करीब पहुंच जाएगा।

नीतिश सरकार का अपना राजस्व भी ठीक होगा। यह ६० से ६५ हजार करोड़ तक पहुंचेगा। कॉमर्शियल टैक्स से ४३ हजार, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन टैक्स से ८ हजार, परिवहन टैक्स से ३९ सौ और भू राजस्व से ८०० करोड़ रुपए मिलने की संभावना है।

खर्चे के मोर्चे पर करीब ५० हजार करोड़ रुपए वेतन मद में, जबकि पेंशन पर ३२ हजार करोड़ रुपए खर्च होने है। ब्याज में लगभग २१ हजार तो कर्ज में २४ हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। शिक्षा पर करीब ५६ हजार करोड़, ग्रामीण विकास पर करीब १५ हजार करोड़ ,स्वास्थ्य पर १६ हजार करोड़, समाज कल्याण पर ८४ सौ करोड़, नगर विकास पर १३ हजार करोड़, पथ निर्माण में ५५ सौ करोड़, जल संसाधन में ४५ सौ करोड़ व कृषि पर लगभग ४ हजार करोड़ रुपए खर्च हो सकते हैं।

किसानों के लिए तोहफा लेकर बिहार आ रहे पीएम मोदी

पटना (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २४ फरवरी को भागलपुर आ रहे हैं, जहां वो किसान सम्मान निधि का वितरण करेंगे. विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागलपुर दौरे को लेकर सवाल खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार को चुनावी दृष्टिकोण से देखती है, जबकि सत्ता पक्ष विपक्ष के इन बयानों पर पलटवार कर रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २४ फरवरी को बिहार के भागलपुर दौरे पर आ रहे हैं,

लेकिन आरजेडी इस पर सवाल खड़ा कर रही है कि जहां-जहां चुनाव होता है, वहां राजनीतिक लाभ के लिए प्रधानमंत्री पहुंचते हैं, लेकिन बिहार को वह लाभ नहीं मिलता जितना यहां की जनता इनपर भरोसा करके सांसद दिल्ली भेजी है. आरजेडी ने सवाल उठाया कि बजट में भी बिहार के साथ छलावा हुआ है. सौ किलोमीटर के दायरे में दुनिया में कही भी चार एयरपोर्ट नहीं है, लेकिन हर बजट में यही राग अलापते हैं. राशि की घोषणा नहीं करती है बीजेपी की सरकार, पुरानी बातों को ही दुहराती रहती है.

आरजेडी के बयान पर जेडीयू और बीजेपी ने पलटवार किया है. जेडीयू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के हित के लिए आ रहे हैं, उनसे जमीन लिखवाने नहीं आ रहे हैं, जैसा आरजेडी करती है. वहीं, बीजेपी ने कहा कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं है कि केंद्र ने बिहार को क्या क्या दिया है.

विपक्ष प्रधानमंत्री के दौरे पर सवाल खड़ा करते हुए कह रही है कि जब पीएम यहां आ रहे हैं, तो कई सवाल है जिसका जवाब मिलना चाहिए. दूसरी ओर सत्ता पक्ष कह रही है कि विपक्ष को चिंता सता रही है क्योंकि ये टैक्स चुराने वाले लोग है और भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं. इनकी परेशानी यही है. पीएम के बिहार दौरे को लेकर राजनीतिक पार्टियों की बयानबाजी तेज है. बिहार में चुनावी वर्ष है २०२५ और इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी अब तेज होने लगी है.

बेतिया पुलिस ने लौटाई 35 मोबाइल व 10 बाइक

बेतिया (एजेंसी): बेतिया पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. पुलिस ने ३५ मोबाइल फोन और १० चोरी या गुम हुई बाइक उनके असली मालिकों को लौटा दी हैं. इस पहल से उन लोगों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई है, जिन्होंने अपने कीमती सामान के वापस मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी. बेतिया एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने लंबे समय से चोरी या गुमशुदा हुए मोबाइल और बाइक की पहचान कर उनके असली मालिकों तक उन्हें पहुंचाया है. उन्होंने बताया कि ३५ मोबाइल धारकों और १० बाइक मालिकों को उनकी संपत्ति लौटाते समय उनकी खुशी देखने लायक थी. मोबाइल धारकों और बाइक मालिकों ने बेतिया पुलिस को इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद दिया.

ऑपरेशन मुस्कान के सफल आयोजन के पीछे बेतिया पुलिस की कड़ी मेहनत और सूझबूझ रही है. गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल और वाहनों को ट्रैक करने के लिए आधुनिक तकनीक और पुलिसिया नेटवर्क का उपयोग किया गया. पुलिस की इस मुहिम ने एक बार फिर साबित किया कि यदि ठोस रणनीति और ईमानदार प्रयास किए जाएं, तो सफलता जरूर मिलती है.

बदमाशों ने ढाबे में लगाई आग, युवक झुलसा

पटना (ईएमएस): पटना जिले के बाढ़ में बदमाशों ने देर रात एक ढाबे में आग लगा दी। इस दौरान ढाबे में रखा गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। आग की चपेट में आने से एक युवक बुरी तरह से झुलस गया। घटना नदावां गांव की है। ढाबा संचालक मुन्ना सिंह ने बताया कि जान से मारने की नीयत से ४ बदमाशों ने ढाबे में आग लगा दी है। वारदात के समय मेरा भांजा यहीं सो रहा था।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा महाकुंभ का नाम

लखनऊ (ईएमएस): तीर्थराज प्रयागराज की धरती न केवल भव्य महाकुम्भ-२०२५ के रूप में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षात्कार कर रही है, बल्कि संगमनगरी ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की भी साक्षी बन रही है। ५० करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ ही तीर्थराज ने शुक्रवार को स्वच्छता की दिशा में भी एक अनूठा वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। इसके तहत, ३०० से अधिक स्वच्छताकर्मियों ने एक साथ अलग-अलग घाटों पर गंगा की सफाई कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए मेला प्राधिकरण की ओर से सभी निर्धारित प्रक्रिया को अपनाया गया। अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि इस पूरी प्रक्रिया को वेरिफाई करेंगे और इस रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के बाद इसका सर्टिफिकेट प्रदान करेंगे। सर्टिफिकेट प्राप्त होने के बाद यह अपने आप में एक अनूठा रिकॉर्ड होगा, जहां एक साथ इतने सफाई कर्मियों ने अलग-अलग घाटों पर आधे घंटे से ज्यादा समय तक नदी की सफाई का अभियान चलाया।

सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रयागराज में जारी महाकुम्भ की ग्लोबल इमेज को देखते हुए सरकार ने नदी की सफाई को लेकर जन जागरुकता अभियान छेड़ा हुआ है। इस अभियान की वजह से महाकुम्भ में आ रहे करोड़ों श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पावन, निर्मल और स्वच्छ जल में स्नान कर रहे हैं। अब इसी अभियान को वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में प्रमाणिकता मिलने जा रही है। मेला प्राधिकरण की विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) आकांक्षा राना ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर सबसे बड़ी नदी सफाई अभियान के रिकॉर्ड्स की स्थापना का लक्ष्य रखा गया था, जिसे आज पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण किया गया है। इसके तहत गंगा नदी पर बने तीन घाटों (राम घाट, भारद्वाज घाट और गंगेश्वर घाट) पर एक साथ गंगा सफाई अभियान चलाया गया।

आधे घंटे से अधिक समय तक चले इस अभियान के माध्यम से नदी और घाटों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता का भी प्रसार किया गया। इस सफाई अभियान में कुल ३०० से ज्यादा सफाई कर्मी शामिल हुए। इस तरह का अभियान पहली बार बनाया गया है।

ओएसडभ् आकांक्षा राना ने बताया कि इस अभियान को देखने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। साथ ही, इस प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए आई विटनेसेज के रूप में इनवॉयरमेंटलिस्ट और एमएनआईटी के प्रोफेसर्स भी मौजूद थे। अब इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई, जिसे देखने और वेरीफाई करने के बाद इस रिकॉर्ड को मान्यता दी जाएगी।

इस रिकॉर्ड का उद्देश्य न केवल विश्व रिकॉर्ड हासिल करना है, बल्कि पवित्र नदियों के संरक्षण के लिए महाकुम्भ के समर्पण को भी उजागर करना है। इसके माध्यम से पारिस्थितिक संरक्षण और प्राकृतिक पर्यावरण के साथ आध्यात्मिक संबंध के महत्व पर जोर दिया जाएगा।

एक साथ नदी सफाई के वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब मेला प्राधिकरण शनिवार को भी एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर कदम बढ़ाएगा। यह रिकॉर्ड सबसे बड़ी सिंक्रोनाइज्ड स्वीपिंग ड्राइव का होगा। इसके अंतर्गत, १५००० प्रतिभागियों द्वारा एक समन्वित सफाई गतिविधि को पूरा किया जाएगा। इस रिकॉर्ड का महत्व महाकुम्भ मेले के आंतरिक मूल्यों के रूप में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है, जो प्रमुख स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी के संदेश को मजबूत करेगा।

इससे पहले मेला प्रशासन ने २०१९ में १० हजार प्रतिभागियों के साथ यह रिकॉर्ड बनाया था, जिसे इस बार सुधारने की पहल की जा रही है।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, बोकारो

बाई पास रोड, चास (वैभव होटल के पीछे) बोकारो–827013
06542-235604 jepbokaro@gmail.com

आवश्यक सूचना

बोकारो जिला में संचालित 08 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों एवं 01 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए कक्षा 06 से 09 में रिक्त सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। नामांकन के लिए जरूरतमंद एवं अहर्ताधारी (आदिम जनजाति, सूदरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्र, छिजित (Dropout), अनाथ, आर्थिक रूप से कमजोर, एकल अभिभावक, नक्सल प्रभावित, पलायन करने वाले परिवार, दिव्यांग एवं ट्रैफिकिंग प्रभावित) छात्राओं (11 से 15 वर्ष की आयु) का आवेदन जिले के द्वारा तैयार किये गये वेबसाईट www.transformingbokarokgbv.com पर दिनांक 28.02.2025 तक ऑनलाईन भरा जा सकता हैं। जिन क्षेत्रों में ऑनालाईन की सुविधा नहीं हैं वे अपने निकटवर्ती सरकारी मध्य विद्यालय से आवेदन प्रपत्र प्राप्त करते हुए भरकर संबंधित प्रखंड के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में जमा कर सकते है। संबंधित प्रखण्ड की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित रोस्टर के अनुसार रिक्त सीटों पर नियमानुसार नामांकन लिया जाएगा।

नोट : आवेदन भरने / जमा करने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025

(जगरनाथ लोहरा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, बोकारो

PR 346456 Human Resource Developement(24-25).D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा

DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/FAX- 06433-223342, Email —ssajmt@gmail.com

पत्रांक .... अपील दिनांक ....

जामताड़ा जिले के 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM School of Excellence) में सी.बी.एस.ई. (CBSE) पाठ्यक्रम पर शैक्षणिक सत्र 2025–26 में नामांकन हेतु आवश्यक सूचना

सर्व साधारण से अपील किया जाता है कि जामताड़ा जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृश्ट विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिये सी.बी.एस.ई. (CBSE) पाठ्यक्रम आधारित अंग्रेजी माध्यम में पठन–पाठन हेतु नामांकन किया जाना है। इन विद्यालयों के विभिन्न कक्षाओं में नामांकन हेतु ऑनलाईन https://evidyavahini.jharkhand.gov.in/studentAdmission पर एवं ऑफलाईन (हांथों–हांथ) संबंधित विद्यालय में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विद्यालयवार, कक्षावार एवं विशयवार नामांकन हेतु उपलब्ध कुल सीटों की संख्या निम्नवत् है–

क्रमांक	उत्कृष्ट विद्यालय का नाम	कोटि	नामांकन हेतु कक्षावार उपलब्ध सीटों की संख्या						
			कक्षा–6	कक्षा–07	कक्षा–08	कक्षा–09	कक्षा–11 कला (ARTS)	कक्षा–11 विज्ञान (SCEINCE)	कक्षा–11 वाणिज्य (COMMERCE)
1	CM SCHOOL OF EXCELLENCE GIRLS JAMTARA	ONLY GIRLS	80	12	00	80	00	00	00
2	KASTURBA CM SCHOOL OF EXCELLENCE JAMTARA	ONLY GIRLS	25	0	0	0	0	0	0
3	JBC DISTRICT CM SCHOOL OF EXCELLENCE SCHOOL JAMTARA	BOYS & GIRLS	80	11	03	81	80	80	40

आवश्यक शर्तें :–

1. नामांकन हेतु विस्तृत विवरणी संबंधित विद्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं इसे जिले के बेवसाईट jamtara.nic.in पर भी देखा जा सकता है।
2. आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में विद्यालय अवधि में समर्पित करने की अंतिम तिथि 20.02.2025 होगी। निर्धारित समय सीमा के बाद आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
3. कक्षा 06 से 09 तक में नामांकन हेतु बच्चों की लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी एवं परीक्षाफल के आधार पर बच्चों का चयन किया जायेगा। कक्षा 11 में नामांकन मैट्रिक के परीक्षाफल के आधार पर मेधा सूची के अनुरूप ली जायेगी।
4. नामांकन से संबंधित प्रक्रिया में संशोधन से संबंधित अधिकार जिला चयन समिति, जामताड़ा के पास सुरक्षित होगा एवं जिला चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यकम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, जामताड़ा

PR 346462 (Human Resource Developement)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– पुनर्निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/19/2024-25/RE

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला के नावाडीह प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत चपरी के बेला और पिपराबेड़ा के बीच नाला में पुल निर्माण। (लम्बाई 45.37 मी०)	24056400.00	481500.00	10000.00	15 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 22.02.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 22.02.2025 से दिनांक 08.03.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 10.03.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

PR 346509 (Rural Development) 24-25 (D)

सरकारी नौकरी लगते ही पति ने पत्नी को मार डाला

औरंगाबाद (एजेंसी): बिहार के औरंगाबाद जिले में दहेज की खातिर एक विवाहिता की हत्या कर दिए जाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यह घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के कोटवारा गांव की है, जहां मृतिका के मायके वालों ने बताया कि उन्होंने ३ वर्ष पूर्व २२ वर्षीय मृतका शिवानी की शादी कोटवारा के संतोष साव से की थी और तभी से दहेज की मांग करके उसे ससुरालियों द्वारा प्रताड़ित किया जाता था. इस बीच संतोष की रेलवे में ग्रुप डी की नौकरी लग गई और फिर तेवर बदलते हुए मृतका और उनके परिजनों से संतोष द्वारा १० लाख रुपयों की मांग की जाने लगी. जब मायके वालों ने लड़की के पति की मांग पूरी नहीं की, तब सबों ने मिलकर शिवानी की बड़ी ही बेरहमी से न सिर्फ हत्या कर दी बल्कि साक्ष्य छुपाने की नीयत से चोरी छुपे उसके शव का दाह संस्कार भी कर दिया. जब मृतका के परिजनों को इस घटना की सूचना मिली तो वे भागे दौड़े बेटी के ससुराल पहुंचे, लेकिन उन्हें अपनी बेटी के अंतिम दर्शन भी नसीब नहीं हो सका. बाद में मायके वालों ने रफीगंज थाने में इस मामले की एक लिखित शिकायत दर्ज करवा दी और पुलिस से सभी आरोपियों को कड़ी सजा दिलवाए जाने की न्याय की मांग की. इधर पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड दर्ज कर लिया है और इस मामले के मुख्य नामजद आरोपियों में से एक मृतका के ससुर पन्ना साव को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है.

बोलेरो व बस की सीधी भिड़ंत में दस की मौत

प्रयागराज (ईएमएस): उप्र के प्रयागराज जिले के मेजा में बोलेरो-बस की टक्कर के बाद हर तरफ खून ही खून दिखाई दिया। प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा में शुक्रवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो-बस में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। इसमें छत्तीसगढ़ से संगम आ रहे बोलेरो सवार सभी १० श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि संगम स्नान कर वाराणसी जा रहे रायगढ़, मप्र निवासी बस सवार १९ श्रद्धालु जख्मी हो गए। घायलों को मेजा के रामनगर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के १० श्रद्धालु बोलेरो से संगम आ रहे थे। उधर संगम स्नान के बाद मप्र के रायगढ़ निवासी ३८ श्रद्धालु मिर्जापुर होते हुए वाराणसी जाने के लिए निकले थे। रात दो बजे के आसपास हाईवे पर मनु का पुरवा गांव के सामने बोलेरो व बस में भिड़ंत हो गई। इसमें बोलेरो के परखच्चे

उड़ गए और बस का भी अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में चीखपुकार मच गई। शोरगुल सुनकर कुछ दूर पर स्थित पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने सूचना दी तो पुलिस पहुंच गई। बोलेरोसवार सभी लोगों की मौत हो चुकी थी और गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी, ऐसे में शव बाहर निकालने के लिए गैस कटर मंगवाना पड़ा। करीब २.५ घंटे की मशक्कत के बाद शव मर्चरी भेजवाए जा सके।

उधर हादसे में बस में सवार १९ श्रद्धालु भी चोटिल हुए। उन्हें मेजा के रामनगर सीएचसी भेजा गया। जहां देर शाम तक उनका इलाज चलता रहा। डॉक्टरों ने इन सभी की हालत खतरे से बाहर बताई है। सुबह छह बजे के करीब पुलिस आयुक्त तरुण गाबा व डीएम रविंद्र मांदड़ भी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा अचानक बोलेरो के रांग साइड पर आने के कारण हुआ।

इस हादसे में मृत लोगों के नाम इस प्रकार से हैं-

१-ईश्वरी प्रसाद उपसवाल (४६) निवासी श्यामनगर दर्री, जमलीपाली, कोरबा छत्तीसगढ़

२-संतोष सोनी (५०) वार्ड नंबर ८३, कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़ (पिता), ३-सौरभ कुमार सोनी (२३)वार्ड नंबर ८३, कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़ (पुत्र), ४-भागीरथी जायसवाल (४८) कलमीडुग्गू, वार्ड नंबर ३५, जमलीपाली, दर्री, छत्तीसगढ़, ५-सोमनाथ (४७) ५६, तीन नंबर गेट, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़, ६-अजय बंजारे (३२) निवासी वार्ड नंबर एक, तिवारीपारा खरोद जाजगीर, चांपा छत्तीसगढ़, ७-गंगादास वर्मा (५०) कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़ (पिता), ८-दीपक वर्मा (२०) कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़ (पुत्र) ९-शिवा राजपूत (६२) कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़, १०-राजू साहू (३८) कलमीडुग्गू, दर्री, कोरबा छत्तीसगढ़।

60 करोड़ लोगों ने किया कुंभ स्नान : अखिलेश

लखनऊ,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार से महाकुंभ का समय बढ़ाने की मांग की। अखिलेश यादव ने भाजपा पर झूठे आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कुंभ में हमारी जानकारी के मुताबिक ६० करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं, लेकिन योगी सरकार सही जानकारी नहीं दे रही।

योगी सरकार को डर है कि कहीं कोई स्टडी हो और मिस मैनेजमेंट की बात सामने न आ जाए। सपा प्रमुख ने कहा कि ६०-६५ और ७० साल के बहुत से बुजुर्ग अभी तक स्नान नहीं कर सके हैं। वे महाकुंभ में स्नान, दान पुण्य करना चाहते हैं। उनके लिए योगी सरकार को महाकुंभ का समय बढ़ाना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि सम्राट हर्षवर्धन के समय में कुंभ ७५ दिन का होता था और उसमें

दूर-दूर से आकर हर जाति-धर्म के लोग भाग लेते थे।

वहीं अखिलेश ने यूपी में निवेश के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि बहुत जल्दी बजट आने वाला है। बहुत सारी बातें उसमें साफ होंगी। भाजपा सरकार ने इंवेस्टर्स मीट के बाद जो एमओयू साइन किए उसके बाद कोई ऐसी इंडस्ट्रीयल पॉलिसी नहीं बनाई कि निवेश होता। आप यूपी सरकार साइट पर जाकर देखते हैं तब आपको निवेश के बारे कोई सूचना नहीं मिल पाएगी।

अखिलेश ने कहा कि प्रयागराज में रहने वाले बहुत लोग भी अभी स्नान नहीं कर पाए हैं। जब लोगों ने सड़कों पर जाम की तस्वीरें देखीं और उन्हें पता चला कि घंटों इंतजार के बाद भी लोग नहीं पहुंच पा रहे थे, आते समय और जाते समय भी कुछ एक्सीडेंट हुए, लोगों की जानें गईं। योगी सरकार आंकड़ा भी नहीं दे पा रही है।

सरकार ने ड्रोन की बात कही लेकिन जहां उसका इस्तेमाल होना चाहिए था वहां इस्तेमाल नहीं किया। डिजिटल कुंभ की बात कही लेकिन डिजिट नहीं बता पा रही है। इसलिए हमारी मांग है कि महाकुंभ के आयोजन को और लंबा कर दिया जाए। सपा सांसद अखिलेश ने कहा कि मिस मैनेजमेंट की वजह से ट्रेन और दुनिया में यूपी की बदनामी हुई है। ३०० किलोमीटर का जाम इस मिस मैनेजमेंट के कारण लगा। लोगों की जानें गईं। परेशानी झेलनी पड़ी।

सड़क पर टहल रहे दो युवकों पर अंधाधुंध फायरिंग

पटना (एजेंसी): बिहार में बेखौफ अपराधियों द्वारा सरेआम गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है, इसी क्रम में राजधानी पटना में सड़क किनारे टहल रहे दो युवकों पर अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की, फायरिंग के दौरान दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. यह घटना पटना के नौबतपुर स्थित चेसी गांव में ब्रह्मस्थान मंदिर के समीप हुई, जहां टहल रहे दो युवकों को अपराधियों ने गोली मार दी. इस घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक अपराधी वहां से हथियार लहराते फरार हो गया, जिसके बाद आनन-फानन में ग्रामीणों ने दोनों घायल युवक को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौबतपुर ले गए. जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल युवकों को पटना एम्स रेफर कर दिया.

दोनों घायल युवकों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जख्मी युवक की पहचान नौबतपुर थाना के चेसी गांव निवासी कक्कू सिंह का पुत्र बिट्टू कुमार और दूसरा सुबोध सिंह का पुत्र दीपू कुमार के रूप में की गई है. घटना के बारे में सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है साथ ही घटनास्थल पर एफएसएल के टीम को भी बुलाया गया है. हालांकि, घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है. घटना के संबंध में उदडझ पटना पश्चिम सरय आरएस ने बताया कि नौबतपुर के चेसी गांव के पास अपराधियों के द्वारा दो युवक को गोली मारी गई. घटना की जानकारी मिलते ही मौके वारदात पर पुलिस पहुंची है. घायल दोनों युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं. दोनों घायल युवकों का इलाज पटना एम्स में चल रहा है. घटनास्थल पर पटना पुलिस की टेक्निकल टीम और एफएसएल की टीम जांच में जुटी है. पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है. जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की जाएगी.

नवजात शिशु को सड़क किनारे कचरा में फेंका

बगहा (एजेंसी): बगहा धनहा थाना क्षेत्र के दौनाहा में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है. हालांकि, स्थानीय दम्पति की नजर पड़ते ग्रामीणों के सहयोग और चिकित्सक की तत्परता से मासूम की जान बची है. यहां बाइक सवार कलयुगी माता-पिता की तरफ से नवजात शिशु को सड़क किनारे कचरा में फेंक दिया गया. नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनकर वहां से गुजर रहे एक स्थानीय व्यक्ति ने उसे गोद में उठा लिया और तुरंत इसकी सूचना ११२ नंबर डायल कर पुलिस को दी. लिहाजा, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नवजात को प्राथमिक इलाज के लिए मधुबनी दहवा अस्पताल में भर्ती कराया गया.

डॉक्टरों ने मासूम के स्वास्थ्य जांच करने के बाद उसे बगहा अनुमंडल अस्पताल भेज दिया.

इधर, मासूम बच्चे को पाने वाले दम्पति नें उसे अपनाने की इच्छा जताई है, क्योंकि जिस व्यक्ति ने नवजात को सबसे पहले देखा और बचाया, उसने उसे अपनाने की इच्छा जाहिर की है. हालांकि, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद ही नवजात शिशु को किसी को सौंपा जाएगा.

बता दें कि धनहा थाना क्षेत्र के दौनाहा में फेंकी गईं नवजात का कसूर सिर्फ़ इतना है कि वह बेटी है. लिहाजा, इस मासूम बच्ची को अब सुधई कुशवाहा के परिवार में लोग उसे अपनाने समेत उसके लालन पालन की इच्छा जता रहे हैं, लेकिन सवाल हमारे समाज से है. ये भेदभाव कब तक चलेगा...! कब तक बेटियां महफूज नहीं रहेंगी. क्या बेटियों को जन्म लेने की ऐसे ही कलयुगी माता पिता उन्हें सज़ा देते रहेंगे या सरकार और प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत दंडित भी करेगा ताकि फिर कोई दूसरे दम्पति बेटी जनने पर ऐसी हिमाकत करने की न सोंचे!

महाकुंभ में श्रद्धालुओं का आंकड़ा 51 करोड़ के पार

महाकुंभनगर (ईएमएस): प्रयागराज में जारी महाकुंभ में अब भी श्रद्धालुओं का आना जारी है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आगमन के ५१ करोड़ की शुभ संख्या का आंकड़ा पार कर लिया है। इससे पहले महाकुंभ ने ३२वें दिन ही ५० करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। आज शनिवार (१५ फरवरी) की दोपहर को महाकुंभ श्रद्धालुओं के ५१ करोड़ का आंकड़ा भी पार हो गया। यह आंकड़ा सरकार के अनुमानों के कहीं ज्यादा है।

सरकार ने इस महाकुंभ मेले में देश विदेश से ४० करोड़ के श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई थी। संगम नगरी प्रयागराज में बीते माह १३ जनवरी से महाकुंभ शुरू हुआ था, यह इस माह २६ फरवरी तक चलेगा। ऐसे में महाकुंभ में ३२वें दिन ही ५१ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ में आज भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। आज दोपहर तक एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। वीकेंड होने की वजह से आज श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ उमड़ी हुई है कि तिल रखने तक की जगह नहीं है। महाकुंभ क्षेत्र से लेकर शहर तक की सभी सड़कें और रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से पटे हुए दिखे। भारी भीड़ की वजह से महाकुंभ क्षेत्र को दो दिनों के लिए नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को भी अब १६ फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। इससे पहले यह रेलवे स्टेशन ९ फरवरी से ही बंद चल रहा है।

अखिलेश यादव के पुराने साथी ने सीएम नीतीश की तारीफ की

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने शनिवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास कर रहा है और आगे भी हम उसी रास्ते पर चलेंगे. उन्होंने साफ किया कि जिन लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करीब से देखा है या उनके साथ रहे हैं, वे उनका साथ छोड़ नहीं

सकते हैं. दरअसल, केंद्रीय मंत्री चौधरी शनिवार को पटना आईआईटी दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए पटना पहुंचे. यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि वे शाम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे बिहार राज्य में शिक्षा संबंधी और कौशल विकास की परियोजना की समीक्षा करेंगे. केंद्र सरकार की योजना का लाभ बिहार को कैसे मिले, यह हमारी कोशिश है.

सीबीएसई की १०वीं की परीक्षा शुरू होने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने बोर्ड के सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे तनाव न लें, अभिभावक भी उन्हें तनाव न दें. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन बच्चों को कई बातें कही हैं, उन पर अमल करना चाहिए. केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली चुनाव परिणाम से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में कहा कि दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में एक माहौल है. निर्णय हो गया है नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार को मिल रहा है. उनके मुख्यमंत्री रहते बिहार तेजी से तरक्की कर रहा है. उसी रास्ते पर हम चलेंगे.

पैसे व बेटे को टिकट के लालच में जीजा और दीदी पर लगा रहा आरोप

पटना,(ईएमएस): आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के साले और पूर्व सीएम राबड़ी देवी के भाई सुभाष यादव ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि लालू-राबड़ी के मुख्यमंत्री रहते सीएम हाउस में किडनैपिंग का सैटलमेंट होता था। अब सुभाष के बड़े भाई प्रमुनाथ सिंह यादव ने उनका विरोध किया है। उन्होंने कहा कि पैसे और एनडीए से बेटे को टिकट दिलाने के लिए सुभाष झूठ बोल रहा है। राबड़ी के बड़े भाई प्रमुनाथ ने कहा कि सुभाष खुद ही गुंडों का सरदार था। वह गरीबों के नेता और मेरे जीजा लालू यादव को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

प्रमुनाथ यादव ने अपने छोटे भाई सुभाष यादव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ३५ साल बाद अब अचानक ऐसी क्या जरूरत पड़ी कि सुभाष इस तरह की अनर्गल बातें कर रहा है, जबकि उन्होंने खुद १५ सालों तक सत्ता का सुख भोगा। उन्होंने कहा कि असल में सुभाष खुद ही गुंडों के सरदार था वह अपने आवास पर गलत काम करता था। अपहरण और कई तरह के घोटालों में भी उसका ही हाथ था लेकिन आज वह मेरे जीजा लालू यादव पर झूठे आरोप लगा रहा है।

प्रमुनाथ सिंह यादव ने आरोप लगाया कि सुभाष यादव को एनडीए से पैसे मिला है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने सुभाष बेटे को विधानसभा चुनाव में टिकट का आश्वासन दिया है। इसी लोभ में आकर अब सुभाष दीदी और जीजा पर गलत आरोप लगा रहा है। एनडीए को लगता है कि ऐसे आरोप लगाकर चुनाव में फायदा ले लेगी लेकिन गरीब जनता आरजेडी अध्यक्ष के साथ है।

दरभंगा में स्कॉर्पियो ने दो लोगों को कुचला

दरभंगा (एजेंसी): बिहार के दरभंगा जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के भटियारी सराय में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने दो लोगों को कुचल दिया. इस हादसे में ६५ वर्षीय छितन सहनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राधा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनका इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है. घटना की पुष्टि सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने की है. इस दर्दनाक हादसे का लाइव सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसने घटना की भयावहता को स्पष्ट कर दिया है.

हादसे की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. मृतक छितन सहनी के परिवार में मातम छा गया है. वहीं, घायल राधा देवी का परिवार भी सदमे में है. स्थानीय लोगों ने घटना के बाद गुस्से का इजहार किया और वाहन मालिक के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया. इसी दौरान हादसे की खबर सुनकर गाड़ी चालक के भाई प्रेमनाथ भंडारी को हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी भी मौत हो गई. इस घटना ने दो परिवारों को गहरे दुख में डुबो दिया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी अमरनाथ भंडारी ने हाल ही में एक नई स्कॉर्पियो खरीदी थी और अहले सुबह दोनार से नाका नंबर ५ वाली सड़क पर गाड़ी चलाना सीख रहे थे.

इसी दौरान वाहन से नियंत्रण खो बैठने के कारण स्कॉर्पियो ने दो लोगों को रौंद दिया और एक बिजली के पोल से जा टकराई. हादसे की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने वाहन मालिक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह मौके से फरार हो गया.

फिरोजाबाद में डबल डेकर बस में लगी आग, एक की मौत

फिरोजाबाद (ईएमएस): उत्तर प्रदेश में लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह एक डबल-डेकर बस में अचानक आग लगने से एक यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के नागौर जिले से एक बस श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज कुंभ गई थी। कुंभ स्नान के बाद सभी श्रद्धालु अयोध्या गए थे। अयोध्या से बस नागौर के लिए रवाना हुई थी और जैसे ही उनकी बस करीब सुबह चार बजे लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर पहुंची, तभी अचानक बस में आग लग गई।

महाकुंभ में आने वाले वाहनों से टोल प्लाजा की कमाई दोगुनी

जौनपुर,(ईएमएस): महाकुंभ मेले के चलते वाराणसी-अयोध्या सड़क पर वाहनों की संख्या में इजाफा हुआ है। श्रद्धालुओं, पर्यटकों और व्यावसायिक वाहनों की बढ़ती आवाजाही के चलते इस मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा की कमाई दोगुनी हो गई है। पहले जहां प्रतिदिन करीब १० हजार वाहन यहां से गुजरते थे, अब यह संख्या २० हजार तक पहुंच गई है, जिससे टोल कलेक्शन में भारी वृद्धि हुई है।

२०२५ में प्रयागराज महाकुंभ मेले जाने वाले श्रद्धालु इस मार्ग से यात्रा कर रहे हैं। वाराणसी से होकर अयोध्या और प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ रही है। धर्मस्थलों की यात्रा के कारण निजी वाहनों, बसों और टैक्सियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है, जिससे टोल प्लाजा की आय में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। वाहनों की संख्या बढ़ने से मार्ग पर स्थित ढाबों, होटलों और रेस्टोरेंट्स की भी आय बढ़ी है। ढाबा संचालकों का कहना है कि ग्राहकों की संख्या में ५०-६० फीसदी तक वृद्धि हुई है, जिससे उनकी आमदनी में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। कुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालु रास्ते में रुककर भोजन और जलपान कर रहे हैं, जिससे इन व्यवसायों को बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

परिवहन विभाग और टोल प्रबंधन के मुताबिक कुंभ मेले के दौरान वाहनों की संख्या में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने यातायात नियंत्रण और टोल प्लाजा पर सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रबंध किए हैं, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मार्ग पर स्थित व्यवसायों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

मार्च से शुरु होगा इस्लाम का मुबारक और बरकतों का महीना रमजान

नई दिल्ली,(ईएमएस): इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक रमजान का मुबारक महीना २९ या ३० दिनों तक चलता है। रमजान के इस महीने को इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना गया है, जिसमें आस्था, इबादत, रोजा, दान और हज पर जोर दिया जाता है। भारत में इस साल रमजान की शुरुआत १ मार्च यानी शनिवार के दिन से होगी। इस महीने का आखिरी दिन यानी ईद-उल-फितर चांद के दिखने पर निर्धारित करता है, इसलिए माह महीने के ३० या ३१ मार्च को चांद नजर आ सकता है उसके दूसरे दिन सुबह ईद की नमाज पढ़ी जाती है और दूसरों लोगों के साथ खुशियां बांटी जाती हैं।

रमजान में रोजा ईद-उल-फितर का चांद दिखते ही खत्म हो जाते हैं। यह वह महीना है जब दुनिया भर के मुसलमान रात तीन-चार बजे से उठकर सहरी करते हैं।

आरआईएल के पक्ष में पारित मध्यस्थता फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली हाईकोर्ट ने उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसके साझेदारों के पक्ष में दिए मध्यस्थता फैसले को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने केंद्र सरकार की अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें एकल पीठ के ९ मई, २०२३ के फैसले को चुनौती दी गई थी।

फैसला मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के पक्ष में पारित किया गया था। एकल पीठ ने मध्यस्थता निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा था कि वह यह मानने के लिए सहमत नहीं है कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा निकाले गए निष्कर्ष ऐसे हैं जिन पर कोई भी विवेकशील व्यक्ति नहीं पहुंच सकता। एकल पीठ ने कहा था कि मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा लिया गया दृष्टिकोण निश्चित रूप से एक संभावित दृष्टिकोण है, जिसमें किसी हस्तक्षेप की जरुरत नहीं है। इस न्यायालय को बहुमत के मध्यस्थ निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिलता है, जिसे तदनुसार बरकरार रखा जाता है। फिलहाल कंपनी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है।

हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने जुलाई २०१८ में आरआईएल और उसके साझेदारों के खिलाफ केंद्र सरकार के १.५५ अरब डॉलर के दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने ऐसे भंडारों से गैस निकाली, जिनका दोहन करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं था। रिलायंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तीन सदस्यीय समिति ने २-१ के बहुमत से तीनों भागीदारों को ८३ लाख डॉलर का मुआवजा भी देने का आदेश दिया है।

मेला क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश पर रोक

प्रयागराज,(ईएमएस): महाकुंभ में भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र को फिर नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। मेला में शनिवार-रविवार को पास वाले वाहनों के प्रवेश प्रतिबंध लगा दिया है। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर बीते १० फरवरी की रात आठ बजे से १३ फरवरी की सुबह आठ बजे तक नो व्हीकल जोन घोषित किया गया था। मेला क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवागमन के लिए मेला क्षेत्र को शनिवार-रविवार को नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। इसके साथ ही बीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। डीआईजी ने बताया कि वाहनों को मेला क्षेत्र से बाहर निर्धारित स्थलों पर खड़ी कर श्रद्धालु पैदल पार्किंग प्रवेश करेंगे।

माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था में कमी नहीं आई है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दारागंज स्थित प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को १६ फरवरी तक के लिए बंद रखने का फैसला किया है। बीते रविवार से १४ फरवरी तक स्टेशन बंद कर दिया गया था। इसके कारण अगले दो दिन तक और रेलवे स्टेशन को बंद किया गया है। भीड़ कम होने पर ही १६ फरवरी के बाद रेलवे स्टेशन से ट्रेनों का संचालन शुरु किया जाएगा। संगम स्टेशन बंद होने से श्रद्धालुओं को प्रयाग रेलवे स्टेशन से ट्रेनें मिल रही हैं। संगम से संचालित होने वाली ट्रेनें भी प्रयाग रेलवे स्टेशन से संचालित हो रही हैं।

ईडी ने कोर्ट से की पूजा सिंघल को विभागीय जिम्मेदारी देने पर रोक की मांग

रांची (एजेंसी): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में याचिका दाखिल की है, जिसमें उन्होंने आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को किसी भी विभागीय जिम्मेदारी सौंपने पर रोक लगाने की अपील की है। यह याचिका अब १७ फरवरी को अदालत में सुनी जाएगी, जिसमें दोनों पक्षों की बहस होगी।

ईडी का कहना है कि अगर राज्य सरकार पूजा सिंघल को कोई विभाग सौंपती है तो वे अपने पद का दुरुपयोग कर सकती हैं और मामले को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए, अदालत से अपील की गई है कि उन्हें विभागीय जिम्मेदारी देने पर रोक लगाई जाए। पूजा सिंघल को मनरेगा घोटाले में अभियुक्त ठहराया गया है और उन्हें ११ मई २०२२ को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, ५ मई को उनके २५ ठिकानों पर छापेमारी की गई थी, जिसमें बेहिसाब नकदी और निवेश से जुड़ी अहम जानकारी मिली थी। उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार सिंह के आवास और कार्यालय से

१९.३१ करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी। इन सभी घटनाओं ने मामले को और भी जटिल बना दिया है।

पूजा सिंघल को ७ दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया था, लेकिन वे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अभी भी अभियुक्त हैं। हालांकि, कानूनी प्रावधानों के तहत उनका निलंबन समाप्त कर दिया गया है, क्योंकि वे जेल से बाहर हैं।

इससे पहले, ईडी ने आरोप लगाया था कि पूजा सिंघल राज्य में प्रशासनिक पदों का दुरुपयोग कर सकती हैं, इसलिए उन्हें विभागीय जिम्मेदारी देने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। इस मामले में अदालत द्वारा १७ फरवरी को सुनवाई की जाएगी, जिसमें दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर फैसला लिया जाएगा।

ईडी की याचिका पर पूजा सिंघल की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। अब यह मामला अदालत में विचाराधीन है और आने वाले दिनों में इस पर सुनवाई होगी।

अब यह सवाल उठता है कि क्या राज्य सरकार आगामी समय में ऐसे अभियुक्तों को किसी भी विभाग की जिम्मेदारी सौंपेगी, या फिर इस पर अदालत का फैसला आने के बाद ही कोई कदम उठाया जाएगा।

बगैर निकाय चुनाव के जनता के पैसे की बर्बादी : बाबूलाल मरांडी

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि झारखंड में नगर निकाय चुनाव न होने के कारण जनता के पैसों की अंधाधुंध बर्बादी हो रही है।

उन्होंने हुसैनाबाद नगर पंचायत का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां उत्तरी कोयल नहर के ऊपर बिना एनओसी के ही १० लाख रुपये की लागत से सड़क बना दी गई। बाद में नहर जीर्णोद्धार करा रही कंपनी ने इस नवनिर्मित सड़क को उखाड़ दिया, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग साफ नजर आता है।मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि झारखंड के सभी नगर निकायों में प्रायः इसी प्रकार से औचित्यहीन योजनाओं का टेंडर

निकालकर प्रशासक जनता के पैसों को पानी की तरह बहा रहे हैं। इन योजनाओं से जनता का कोई भला नहीं हो रहा।

राज्य सरकार नगर निकायों का इस्तेमाल एटीएम की तरह कर काला धन इकट्ठा कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद विगत दो वर्षों में नगर विकास विभाग ने खर्च की गई राशि और योजनाओं की प्रासंगिकता की गहन जांच की जानी चाहिए। गौरतलब है कि झारखंड में अब तक नगर निकाय चुनाव नहीं हुए हैं। सरकार ने पहले नगर निकाय चुनाव कराने का एलान किया था। मगर, बाद में हाईकोर्ट में मामला चला गया।

हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि जब तक पिछड़ा वर्ग की जनगणना नहीं हो जाती और इसके अनुसार इस वर्ग के आरक्षण का फार्मूला तय नहीं हो जाता। तब तक नगर निकाय के चुनाव नहीं कराए जाएं। मगर, इधर अब सरकार ने पिछड़ा वर्ग का सर्वे करा लिया है। अब जल्द ही झारखंड में नगर निकाय का चुनाव संपन्न कराया जाएगा। इसकी कवायद चल रही है। पंचायत कार्यालय नगर निकाय चुनाव की तैयारी कर रहा है।

झारखंड कांग्रेस को मिला नया प्रभारी, के. राजू संभालेंगे जिम्मेदारी

रांची (एजेंसी): कांग्रेस ने बिहार और झारखंड में संगठनात्मक बदलाव करते हुए नए प्रभारियों की नियुक्ति की है। बिहार कांग्रेस का नया प्रभारी कृष्णा अल्लावरु को बनाया गया है, जबकि झारखंड का प्रभार के. राजू को सौंपा गया है।

के. राजू कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और रणनीतिकार माने जाते हैं। वे राहुल गांधी के करीबी हैं और संगठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। झारखंड में उनकी नियुक्ति को कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

बिहार कांग्रेस के नए प्रभारी कृष्णा अल्लावरु फिलहाल युवा कांग्रेस के प्रभारी भी हैं। उनकी गिनती राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विश्वासपात्रों में होती है। वे पर्दे के पीछे रहकर रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं।

कांग्रेस ने यह फैसला दिल्ली चुनाव में मिली हार और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद लिया है।झारखंड में के. राजू की नियुक्ति से राज्य में संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कृष्णा अल्लावरु की नियुक्ति कांग्रेस के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकती है।

बिहार कांग्रेस ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वे ७० से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेंगे, जिससे राजद (ठगठ) पहले ही नाराजगी जता चुका है। राहुल गांधी भी बिहार चुनाव को लेकर अत्यधिक सक्रिय नजर आ रहे हैं और लगातार कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। अब देखना होगा कि झारखंड में के. राजू और बिहार में कृष्णा अल्लावरु की नियुक्ति से कांग्रेस को कितना फायदा मिलता है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब का महासचिव नियुक्त किया गया है, जबकि सैयद नासिर हुसैन को महासचिव पद देकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, रजनी पाटिल को हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़, बीके हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश, गिरिश चोडनकर को तमिलनाडु और पुदुचेरी, अजय कुमार लल्लू को ओडिशा, और मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया है।

मंत्री संजय प्रसाद यादव पहुंचे चतरा, कोल परियोजनाओं के रैयतों के पुनर्वास और मुआवजा पर की चर्चा

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव आज चतरा पहुंचे। उनके आगमन पर उपायुक्त रमेश घोलप ने आभार व्यक्त करते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उपायुक्त चतरा, महाप्रबंधक एन.टी. पी.सी. (मगध संघ मित्रा क्षेत्र, आम्रपाली चन्द्रगुप्त, अशोका, पूर्णाडीह) और अन्य संबंधित निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधिगण, रैयत तथा विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मंत्री ने परियोजना क्षेत्र में चलने वाले वाहनों, खनिज कार्यों, परियोजनाओं में कार्यरत कर्मियों, रैयतों के पुनर्वास और मुआवजा भुगतान पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने मजदूरों को मिलने वाले लाभ, कितने मजदूर कार्यरत हैं, कितने मजदूर स्थानीय हैं, और उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं, जैसे पेयजलापूर्ति इत्यादि पर भी जानकारी ली।

मंत्री ने अधिकारियों को परियोजना के कार्यों में स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता देने, नियमों के तहत मानदेय और सुविधाएं प्रदान करने के संबंध में वर्ड आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने निर्देश दिया कि परियोजना क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों की संख्या और उनके स्थानीय होने की जानकारी एक सूची के रूप में प्रस्तुत की जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें नियमसंगत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। बैठक में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उप विकास आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम समेत अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

रांची में भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का समापन झारखंड पुलिस ने एक गोल्ड और 4 सिल्वर जीते

रांची (एजेंसी): रांची में आयोजित भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का शनिवार को समापन हो गया। १० फरवरी से शुरू हुई इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर की २८ पुलिस टीमों ने हिस्सा लिया। तेलंगाना पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि आंध्र प्रदेश पुलिस ने दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड पुलिस ने एक गोल्ड और चार सिल्वर पदक अपने नाम किए, जो उनके लिए गर्व का क्षण रहा।

इस प्रतियोगिता के दौरान मध्य प्रदेश के स्वान दस्ते ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि तमिलनाडु की टीम ने इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री ट्रॉफी तेलंगाना पुलिस ने जीती, और डॉग स्क्वायड प्रतियोगिता में बीएसएफ की टीम विजेता रही।

साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन में तेलंगाना की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि आंध्र प्रदेश पुलिस दूसरे और झारखंड पुलिस तीसरे स्थान पर रही। पुलिस फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तमिलनाडु पुलिस को पहला और आंध्र प्रदेश पुलिस को दूसरा स्थान मिला।

आईटी और कंप्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता में आईटीबीपी की टीम ने जीत हासिल की, और बीएसएफ दूसरे स्थान पर रही। एंटी सबोटेज चेक में तेलंगाना की टीम विजेता बनी, जबकि एसपीजी की टीम दूसरे नंबर पर रही। बेस्ट डॉग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के स्वान दस्ते ने गोल्ड मेडल जीता।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें राइफल रिवाल्वर शूटिंग, बैंड प्रतियोगिता, साइंटिफिक और क्राइम इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी, कंप्यूटर अवेयरनेस, श्वान दस्ते की प्रतियोगिता, विधि विज्ञान परीक्षा, और पुलिस वीडियोग्राफी सहित अन्य प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। इन सभी प्रतियोगिताओं में देशभर की पुलिस टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

इस प्रकार, भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट ने न केवल पुलिस अधिकारियों की दक्षता और प्रशिक्षण को बढ़ाया, बल्कि उन्हें एक-दूसरे से सीखने और सहयोग करने का भी अवसर प्रदान किया।

राष्ट्रपति से मिले फाउंडेशन सचिव धर्मेंद्र तिवारी, आशाराम बापू की रिहाई के लिए अनुरोध किया

रांची (एजेंसी): राजकली फाउंडेशन के सचिव धर्मेंद्र तिवारी ने राजभवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। तिवारी ने राष्ट्रपति को पूज्य संत आसाराम जी बापू की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बापू वर्तमान में मार्च २०२५ तक पैरोल पर बाहर हैं, जहां उन्हें अपना इलाज करवाने का अवसर मिला है। हालांकि, तिवारी ने बापू के ८६ वर्ष की आयु और उनकी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, उनकी स्थाई रिहाई के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। तिवारी ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की अनुशंसा का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि ७५ वर्ष से अधिक आयु के कैदियों को रिहा किया जाए,

विशेषकर जब उनकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर हो। उन्होंने इस अनुशंसा का हवाला देते हुए बापू की स्थाई रिहाई की मांग को और मजबूत किया। तिवारी ने पत्र में बापू के समाज और सनातन धर्म के लिए किए गए योगदान को विस्तार से बताया।

पृष्ठ एक का शेषांश

बीआईटी मेसरा ने भारत---

पैदा करने के व्यवस्थित प्रयासों के माध्यम से, हमने अपनी स्टूडेंट बॉडी में ३०% तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। बीआईटी मेसरा स्वतंत्रता के बाद के युग में स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का तीसरा सबसे पुराना संस्थान है और १९६४ में पहली बार स्पेस इंजीनियरिंग और रॉकेट्री डिपार्टमेंट की स्थापना में अग्रणी है। रिसर्च और टेक्नोलॉजी में हमारा निरंतर निवेश राष्ट्र निर्माण के लिए बीआईटी की प्रतिबद्धता और समर्पणता को दर्शाता है। वाइस चांसलर इंद्रनील मन्ना ने बीआईटी मेसरा को टेक्नोलॉजी, रिसर्च और आंत्रप्रेन्योरशिप का एक प्रमुख सेंटर करार दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति मुर्मू और राज्यपाल गंगवार द्वारा एक विशेष स्मारक रजत पदक, डाक टिकट और लिफाफा जारी करना था, जो शिक्षा, इनोवेशन और राष्ट्र निर्माण में इंस्टीट्यूट के उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है। समारोह में ७८० एकड़ के परिसर में पौधरोपण और राष्ट्रपति द्वारा रिसर्च एजीबिशन का उद्घाटन जैसी गतिविधियां भी शामिल थीं।

डिजिटल अरेस्ट मामले में---

तीन आरोपियों के खिलाफ पहले ही आरोपपत्र दाखिल किया है। बयान में कहा गया है कि सीबीआई ने छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए और छह लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन एवं एक आईपैड जब्त किया। जांच में वीओआईपी-आधारित कॉल करने और 'डार्कनेट' तक पहुंचने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम का इस्तेमाल होने का पता चला।'' इसके अतिरिक्त, सीबीआई ने १.०८ करोड़ रुपये नकद, १,००० अमेरिकी डॉलर मूल्य की विदेशी मुद्रा और २५२ ग्राम सोना जब्त किया।

रूस से सुखोई तो ---

कंडीशन, साझा उत्पादन भी शामिल है। विदेश सचिव विक्रम मिसी ने एफ-३५ के सवाल पर कहा कि 'आपको पता है कि एक प्रक्रिया है इस तरह के प्लेटफॉर्म की खरीद के लिए। अभी तक वह प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। आरएफपी यानी कि रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल जारी किया जाता है। उस पर प्रतिक्रिया आती है। उनका मूल्यांकन किया जाता है। फिलहाल यह एक प्रपोजल की स्तर पर है और अभी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। एफ-३५ लाइटनिंग-२ एक अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर विमान है। अमेरीका की लॉकहीड मार्टिन ने इसे विकसित किया है। यह फाइटर अलग अलग तरह के कांबेट मिशनों को अंजाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें देशभर से हजारों कराटे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी झारखंड को दी है।

पिछले साल भी हुई थी प्रतियोगिता

इस संबंध में जानकारी देते हुए सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के झारखंड राज्य प्रतिनिधि एवं कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमिशन के चेयरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा ने बताया कि झारखंड को मेजबानी मिली है। सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के भारत प्रमुख और कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा ने झारखंड को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने बताया कि पिछली बार २०२३ में सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप के सफल आयोजन के बाद, इस साल भी झारखंड को मेजबानी दी गई है।

वेशभर से जुटेंगे खिलाड़ी

इस प्रतियोगिता में देशभर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कराटे खिलाड़ी भाग लेंगे। वर्ल्ड कराटे फेडरेशन एवं एशियन कराटे फेडरेशन के जज और रेफरी प्रतियोगिता का संचालन करेंगे। इसके साथ ही प्रतियोगिता में शामिल होने वाले पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के लिए रांची के विभिन्न होटलों में आवास की व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों के लिए खेलगांव के डॉरमेट्री में भी रहने की सुविधा होगी। सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप का उद्घाटन साउथ एशियन कराटे फेडरेशन और कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए जल्द ही आयोजन कमेटी का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर देशभर के कराटे प्रेमियों और खिलाड़ियों को एक बेहतरीन मंच मिलेगा, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

झारखंड को मिली राष्ट्रीय ओपन कराटे प्रतियोगिता की मेजबानी

कटरा पहुंचे उपराष्ट्रपति धनखड़, माथा टेक लिया मां का आशीर्वाद

कटरा (ईएमएस): भारत के उपराष्ट्रपति ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कटरा में श्री माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा किया। उपराष्ट्रपति ने अपनी पत्नी और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ माता वैष्णो देवी मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश की समृद्धि और खुशहाली के लिए मां वैष्णा देवी से आशीर्वाद मांगा। यात्रा के दौरान मंदिर के अथारिटी और अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने पुजारियों ने कहा कि माता का बुलावा आया है।

ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड के गठन की मांग, सरकार नहीं दे रही पेंशन

रांची (एजेंसी): ट्रांसजेंडर सोसाइटी ने राज्य सरकार से वेलफेयर बोर्ड के गठन की मांग को लेकर एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय ने दस साल पहले आदेश दिया था कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए वेलफेयर बोर्ड का गठन किया जाए, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सरकार ने कागजों पर बोर्ड का गठन तो कर दिया, लेकिन वास्तविकता में कोई भी कार्य धरातल पर नहीं दिखाई दे रहा है।

गिने चुने को मिल रही पेंशन

सोसाइटी के सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार महिलाओं के लिए मइयां सम्मान योजना के तहत ₹२५०० दे रही है, जबकि ट्रांसजेंडर समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास न तो अपना घर है और न ही पर्याप्त संसाधन, ऐसे में सरकार द्वारा १००० रुपए की पेंशन देने की घोषणा भी सिर्फ कुछ गिने-चुने लोगों तक ही सीमित रह गई है। अधिकांश ट्रांसजेंडर समाज के लोग इस पेंशन से वंचित हैं और इतनी कम राशि में गुजर-बसर करना भी बहुत मुश्किल हो रहा है।

10 साल में कोई बैठक नहीं

महामंडलेश्वर अमरजीत ने इस मुद्दे पर कहा कि पिछले १० सालों में इस मामले में कोई भी बैठक नहीं हुई है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर छह महीने में बैठक का परिणाम नहीं निकलता तो फिर ऐसी बैठकों का कोई महत्व नहीं है। पीआईएल दायर करने के बाद अधिकारियों का कहना है कि यदि कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति आएगा तो बोर्ड का गठन होगा। जिससे ट्रांसजेंडर समुदाय को नजरअंदाज किया गया। हमलोगों के रहते हुए भी अनदेखी की जा रही है।

बेहतर शिक्षा के हो इंतजाम

सोसाइटी के सदस्य हिमांशी ने शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार की बात की। उनका कहना था कि ट्रांसजेंडर समाज के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम चलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए योजनाएं चला रही हैं, जबकि झारखंड में इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। प्रेस कांफ्रेंस में उत्थान सीबीओ के उषा सिंह और अर्पित पांडेय भी मौजूद थे।

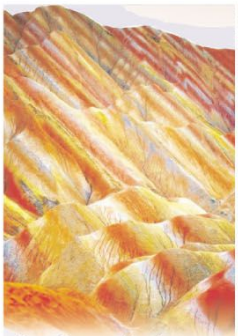

किसी अजूबे से कम नहीं ये सतरंगी पहाड़

दुनिया में ऐसी बहुत सी खूबसूरत जगहें हैं, जो मन को मोह लेती हैं. इन जगहों को देखने और यहां समय बिताने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. इन जगहों पर जाकर आपको खूबसूरती तो देखने को मिलती ही है, साथ ही कई जगहों पर इतिहास से भी रूबरू होने का मौका मिलता है. इसी कड़ी में आज हम आपको चीन के ऐसे पहाड़ के बारे में बताने जा रहे हैं जो खूबसूरती के मामले में किसी जन्नत से कम नहीं है.

हम सभी जानते हैं कि इंद्रधनुष और पहाड़ हर किसी का मन मोह लेती है. अगर बात करें इंद्रधनुष की तो यह खासतौर पर बारिश के बाद दिखाई देता है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे पहाड़ के बारे में सुना है जो इंद्रधनुष की तरह दिखता हो? जी हां, दुनिया में एक ऐसी जगह है जहां पर पहाड़ों में इंद्रधनुष जैसे रंग दिखाई देते हैं. सूरज की किरणें पड़ने की इसकी खूबसूरती और भी निखर कर सामने आती है.

पेंटिंग जैसा दिखता है पहाड़

इंद्रधनुष के रंगों में रंगे ये पहाड़ पश्चिमी पेरू और पश्चिमी चीन में हैं. झांगे डेनविजया लैंडस्केप के नाम से मशहूर इस जगह पर लाल, नीबू, हरे, मजेटा आदि रंगों के पहाड़ है. इसके अलावा पेरू में इंद्रधनुष पर्वत औसजेते के पास स्थित है. पहाड़ों पर रंगों की धारधारी परत बनी हुई है. इन पहाड़ों को देखकर ऐसा लगता है जैसे हम कोई पेंटिंग देख रहे हैं. प्राकृतिक रूप से बने इस खूबसूरत पहाड़ों को देखने के लिए दुनियाभर से लोग चीन आते हैं. सात रंगो का होने के कारण इन पहाड़ियों को इंद्रधनुष पर्वत के नाम से जाना जाता है. ये पहाड़ बिलकुल इंद्रधनुष की तरह नज़र आते है. इन पहाड़ियों को किसी इंसान ने नहीं बनाया है, बल्कि इन पहाड़ियों के सात रंग तो कुदरत का करिश्मा है.

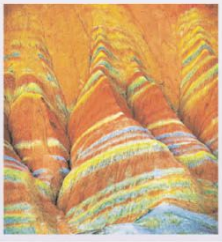

एक ऐसा म्यूजियम जिसके तहखाने में रखा है बेहद ही अजीब किस्म का खजाना

म्यूजियम ऑफ लंदन के तहखाने में बेहद अजीब किस्म का खजाना रखा है। इसके बारे में शायद ही यहां आने वालों को भनक हो। म्यूजियम में ऊपर भले ही आपको चलते हुए रोमन काल से लेकर विक्टोरिया युग में जाने का अहसास हो। तहखाने में जाएंगे तो यकीनन आप चौंक जाएंगे।

इस तहखाने में तरतीब से रखे हुए हैं हजारों गत्ते के बक्से। ठीक वैसे ही जैसे आप, घर बदलते वक्त इस्तेमाल करते हैं, सामान पैक करने के लिए। आप सोचेंगे कि इनमें कुछ खास सामान रखा है। मगर इनके लेबल देखेंगे तो चौंक जाएंगे। इन पर लिखा हुआ है मानव कंकाल। बरसों पहले खत्म हो चुकी जिंदगियों के ये सबूत, लंदन और उसके आस-पास की खुदाई के दौरान मिले हैं। इनमें से कई महज एक सदी पुराने हैं तो बहुत से हजार साल पुराने भी हैं। लंदन म्यूजियम में जमा ये इन कंकालों की देखभाल करने वाली येलेना बेक्कालाक कहती हैं कि ये इंग्लैंड के रोमनकाल से लेकर उन्नीसवीं सदी तक की कहानी सुनाने वाले कंकाल हैं। इन्होंने इतिहासकारों को लंदन का इतिहास यूं बताया है, जैसे कोई बुजुर्ग पुराना किस्सा सुना रहा हो। येलेना बताती हैं कि इन कंकालों की पड़ताल के बाद कई बार इतिहासकारों ने लंदन के इतिहास में फेरबदल किया है। जैसे कि लंदन की बदनाम ब्लैक डेथ यानी प्लेग से हुई मौत से जुड़ी बातों को इन कंकालों के जरिए नए सिरे से जाना समझा गया। माना जाता है कि ब्लैक डेथ के दौरान लंदन शहर पूरी तरह बर्बाद हो गया था। मगर इन कंकालों को देखकर पता चलता है कि प्लेग से मरने वालों की कब्रें बेहद करीने से खोदी गई थी। यहां कोई भगदड़ का माहौल नहीं दिखता। ये माना जाता है कि मध्य युग में इंसान दांतों की सफाई को लेकर बेपरवाह थे। दांतों की सफाई का चलन, आधुनिक युग की देन माना जाता है। मगर, लंदन में मिले कंकाल बताते हैं कि मध्य युग में लोगों के दांत ज्यादा साफ रहते थे। शायद इसका ताल्लुक हमारे चीनी खाने से है, क्योंकि चीनी ही हमारे दांतों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। इसी तरह लंदन के इन कंकालों से पता चलता है कि इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति का असर लोगों की सेहत पर कैसा पड़ा था। हालांकि अभी इसकी पूरी पड़ताल की जानी बाकी है। लंदन में पिछली कई सदियों में लाखों लोग दफन किए गए हैं। इनमें से ज्यादातर कंकाल, शहर के विकास के लिए होने वाली खुदाई के दौरान निकले हैं। कभी मेट्रो के लिए तो कभी नई इमारतें बनाने के लिए। जानकार कहते हैं कि पहले चर्च ही कब्रिस्तानों की देख-रेख करते थे। कई बार जब चर्चों को अपने स्कूल का विस्तार करना होता था तो वो पुराने कब्रिस्तानों को ही बेच देते थे। इन्हीं की खुदाई के दौरान बहुत से कंकाल मिले। जैसे कि 2011 में चर्च ऑफ इंग्लैंड के प्राइमरी स्कूल के खेल के मैदान की खुदाई में 959 कंकाल मिले।

कई बार पुराने कंकालों को फिर से दफन कर दिया जाता है। ऐसा विकास की प्रक्रिया के दौरान निकले कंकालों के साथ होता है, या फिर कुछ ऐसे कंकाल मिलते हैं जिनसे बहुत ज्यादा जानकारी होने की उम्मीद नहीं होती। फिर भी ऐसे कंकाल काफी मात्रा में मिल जाते हैं जिनसे लंदन के इतिहास की झलक मिल सकती है। ऐसे कंकाल म्यूजियम ऑफ लंदन की देख-रेख में दे दिए जाते हैं। कई बार अच्छे से संवारे हुए बाल या करीने से काटे गए नाखून मिलते हैं। ये अक्सर मध्य युग के होते हैं। अब इन कंकालों को दो हिस्सों में बांटकर इनकी पड़ताल की जा रही है। जैसे कि करीब पंद्रह सौ कंकाल लंदन के हैं और एक हजार कंकाल लंदन के बाहर के। इसी तरह कुछ औद्योगिक क्रांति से पहले के हैं तो कुछ उसके बाद के हैं। इनके बीच तुलना करके दो अलग-अलग दौर के बीच के फर्क को समझने की कोशिश की जा रही है।

कंकालों की पड़ताल में आधुनिक तकनीक काफी मददगार साबित हो रही है। जैसे कि रेडियोग्राफी और सीटी स्कैन। इनकी मदद से उस दौर के इंसानों की सेहत के बारे में अच्छी खासी जानकारी मालूम हो जाती है। जैसे कि औद्योगिक क्रांति से इंग्लैंड के लोगों का रहन-सहन काफी बेहतर हुआ था, लेकिन उन्हें मोटापे और डायबिटीज जैसी बीमारियों से भी दो-चार होना पड़ा। म्यूजियम में रखे कंकालों से ये बातें सामने आई हैं। अक्सर बीमारियों का असर हमारी हड्डियों पर होता है। इनकी महीन जांच से हमें इस असर का अंदाजा होता है। पहले इतिहासकार उस दौर के दस्तावेजों से अंदाजा लगाते थे कि किसी खास दौर में लोगों को किस तरह की बीमारियां होती थीं। लेकिन, दिक्कत ये है कि अलग दौर में डॉक्टर किसी मर्ज को अलग-अलग तरह से समझते और लिखते थे। इसलिए आज कंकालों की पड़ताल से हमारी पुराने दौर के लोगों की बीमारियों की समझ बेहतर हुई है।

कंकालों पर किसी धातु का असर भी दिखता है। जैसे कि एक टकसाल के करीब के कब्रिस्तान से मिले कंकालों पर हरे निशान मिले हैं, जो बताते हैं कि पास ही कोई टकसाल थी। जहां से निकले केमिकल ने कब्रिस्तान में दफन कंकालों पर असर डाला। कंकालों के डीएनए टेस्ट से और भी कई बातें सामने आती हैं, जिनकी पड़ताल में वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। उम्मीद है कि लंदन के म्यूजियम के इस खजाने से, इंग्लैंड के इतिहास के कई नए किस्से सामने आएंगे।

इस कुएं से हर वक्त आती रहती है एक रहस्यमय रोशनी, आज तक नहीं सुलझ पाई ये पहेली

दुनिया में ऐसी कई रहस्यमय जगहें मौजूद हैं, जो आज भी लोगों के लिए एक रहस्य ही बनी हुई हैं। ऐसी ही एक जगह पुर्तगाल के सिन्तारा में है। यहां एक ऐसा रहस्यमय कुआं है, जिसके अंदर से हमेशा एक अजीब सी रोशनी आती रहती है। वैज्ञानिक भी आज तक ये पता नहीं कर पाए हैं कि आखिर ये रोशनी कहां से आती है?

इस कुएं को लोग विशिंग वेल भी कहते हैं। कहा जाता है कि यह कुआं लोगों की हर इच्छा को पूरी करता है। यही वजह है कि लोग इस कुएं में सिक्के डालकर अपनी मनोकामना मांगते हैं और उन्हें ये दृढ़ विश्वास होता है कि उनकी इच्छा जरूर पूरी होगी। वैसे आमतौर पर किसी भी कुएं का प्रयोग पानी को संरक्षित करने के लिए किया जाता था, लेकिन यह दुनिया का ऐसा अनोखा कुआं है जिसकी स्थापना धार्मिक दीक्षा संस्कारों के लिए की गई थी। हालांकि इसकी स्थापना का प्रमाणित उद्देश्य आज तक कोई समझ नहीं पाया है। इस कुएं का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि इसके अंदर एक रोशनी नजर आती है, जो आमतौर पर संभव ही नहीं है, क्योंकि इस कुएं में रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बड़े-बड़े विद्वानों से लेकर वैज्ञानिक तक इस रहस्य को सुलझाने में अब तक नाकाम साबित हुए हैं। इस कुएं की गहराई किसी चार मंजिला इमारत के बराबर बताई जाती है। कहा जाता है कि इस कुएं में जितना ज्यादा जमीन के अंदर जाने की कोशिश की जाती है, कुआं उतना ही संकरा होता जाता है। यही सारे कारण हैं कि यह कुआं आज तक सभी के लिए एक रहस्य ही बना हुआ है।

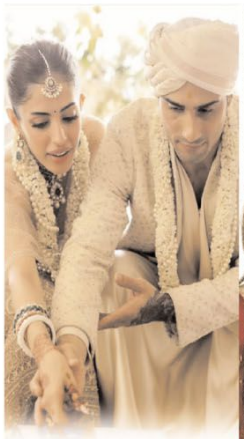

प्रिया बनर्जी से शादी कर रहे प्रतीक बब्बर, अपनी फैमिली को ही न्योता नहीं दिया

अभिनेता प्रतीक बब्बर जल्द ही प्रिया बनर्जी के साथ शादी करने जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपने परिवार को इस समारोह में आमंत्रित नहीं किया है। उनके पिता राज बब्बर, भाई आर्य बब्बर और परिवार के अन्य सदस्यों को शादी का निमंत्रण नहीं मिला है। पिछले छह महीनों से प्रतीक का अपने परिवार के साथ अच्छा रिश्ता नहीं रहा है। उनके भाई आर्य बब्बर ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि प्रतीक ने परिवार से खुद को क्यों दूर कर लिया। उन्होंने कहा कि यह पूरे परिवार के लिए बहुत दुखद और तकलीफदेह है।

आर्य के अनुसार, परिवार ने रिश्ते सुधारने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन शायद वे पर्याप्त नहीं कर पाए। आर्य ने बताया, ऐसे समय में जब सब कुछ वर्चुअल है, मैंने अपना प्यार और शुभकामनाएं व्यक्त करने के लिए वर्चुअल रास्ता अपनाने का फैसला किया है। हमारे पूरे परिवार, मम्मी, पापा और जूही की ओर से, मैंने अपने यूट्यूब चैनल बब्बर साब पर एक खास स्टैंड-अप वीडियो बनाया है, जिसका शीर्षक है बब्बर तो शादी करते रहते हैं? यह मेरा हल्का-फुल्का तरीका है, जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान और शायद उनके दिल में थोड़ी गर्मजोशी भी आए। चाहे कुछ भी हो, हम हमेशा एक परिवार ही रहेंगे। प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी की शादी पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार होगी और इसमें सिर्फ करीबी दोस्त शामिल होंगे। यह प्रतीक की दूसरी शादी है। इससे पहले उन्होंने 2019 में सान्या सागर से शादी की थी, लेकिन 2023 में दोनों ने तलाक ले लिया। प्रतीक और प्रिया पिछले चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। 28 अगस्त 2024 को, दोनों ने अपनी खास दोस्ती के चार साल पूरे होने की खुशियां मनाई थीं। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने एक हार्दिक संदेश भी लिखा था।

'दबिड़ी दिबिड़ी' गाने की आलोचना पर बोलीं उर्वशी

उर्वशी रौतेला हाल ही में साउथ फिल्म डाकू महाराज में नजर आई थीं। अब एक इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म के गाने दबिड़ी दिबिड़ी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि इसे पॉजिटिव लिया जाएगा। लेकिन लोगों के रिएक्शन से वह खुद हैरान थीं। दरअसल, इस गाने के डांस मूव्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई थी। बातचीत के दौरान उर्वशी ने कहा कि दबिड़ी दिबिड़ी गाना खास तौर पर नंदामुरी बालकृष्ण के फैंस के लिए बनाया गया। इसके बोल भी उन्हीं के विचारों के अनुसार लिखे गए हैं।

उर्वशी ने कहा, 'जब आप मेरी रिहर्सल की वीडियो देखते हैं, तो सब कुछ बहुत अच्छे से हुआ था। यह बिल्कुल वैसे ही था जैसे आमतौर पर किसी भी गाने की कोरियोग्राफी की जाती है। मैं मास्टर शेखर के साथ काम कर रही थी, जिनके साथ मैंने पहले भी तीन बार काम किया है। मैंने कुछ असामान्य भी नहीं किया था। उर्वशी ने कहा, रिहर्सल के दौरान सब कुछ सही और आसान था। लेकिन सच बताऊं सब कुछ इतनी जल्दी हो गया कि यह समझना मुश्किल हो रहा था कि लोग कोरियोग्राफी के बारे में इस तरह क्यों बात कर रहे हैं। हमें नहीं पता था कि इसे इस तरह लिया जाएगा, क्योंकि रिहर्सल में सब कुछ प्लान के अनुसार हुआ था। एक टीम के रूप में हमें सच में ऐसे रिएक्शन की उम्मीद नहीं थी।

12 जनवरी को रिलीज हुई थी फिल्म

बता दें, फिल्म डाकू महाराज 12 जनवरी को रिलीज हुई थी। फिल्म में नंदामुरी बालकृष्ण, उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल और दुलकर सलमान नजर आए थे। जैसे ही इस फिल्म का गाना दबिड़ी दिबिड़ी रिलीज हुआ, तो कई यूजर्स गाने की कोरियोग्राफी और डांस स्टेप देखकर भड़क गए थे।

उतरन की तपस्या बन कमाई पहचान
भोजपुरी-बॉलीवुड की फिल्मों में भी कर चुकी हैं काम

टीवी धारावाहिक उतरन की तपस्या यानी अभिनेत्री रश्मि देसाई अपना जन्मदिन मना रही हैं। रश्मि देसाई ने इससे पहले भोजपुरी फिल्मों में भी काफी काम किया, हालांकि उन्हें प्रसिद्धी अपने इसी टीवी धारावाहिक से मिली। अभिनेत्री का नाम दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी जुड़ चुका है।

सिद्धार्थ शुक्ला के साथ जुड़ा नाम

दिल से दिल तक के सेट पर उनकी मुलाकात सिद्धार्थ शुक्ला से हुई थी। इस शो के दौरान दोनों नजदीक आ गए थे। हालांकि, निजी कारणों से उनके बीच विवाद हुए और दोनों के रास्ते जुदा हो गए। रश्मि देसाई अपनी लव लाइफ में काफी अनलकी रही हैं। उन्होंने साल 2011 में उन्होंने नंदीश संधू के साथ शादी रचाई थी, 4 साल के बाद ही दोनों अलग भी हो गए थे।

भोजपुरी फिल्मों में किया काम

रश्मि बिग बॉस 13 और बिग बॉस 15 का हिस्सा भी रहीं। इसके अलावा उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 6 में हिस्सा लिया था। रश्मि देसाई हिट शोज में काम करने की पूरी कोशिश कर रही थीं, हालांकि पैसों की तंगी के कारण इससे पहले रश्मि देसाई बी ग्रेड फिल्मों में भी काम किया। वे कई सारी भोजपुरी फिल्मों का भी हिस्सा रहीं।

शाहरुख-सलमान के साथ काम नहीं करना चाहते निखिल आडवाणी

निर्देशक निखिल आडवाणी ने सलमान खान, शाहरुख खान और अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में बनाईं। एक इंटरव्यू के दौरान निखिल ने कहा कि उन्हें अब सुपरस्टार्स के साथ फिल्म बनाना ही नहीं आता है। निखिल ने कहा कि इन सितारों से प्रशंसक बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई की उम्मीद करते हैं। ऐसे में वह इन सितारों के साथ एक फिल्म बना सकते हैं, लेकिन दबाव से बचने के लिए उन्हें निर्देशित नहीं करना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक ने कहा, मैं सलमान के साथ फिल्म नहीं बनाना चाहता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली मानते हैं कि वह उन लोगों को चुन सकते हैं जिनके साथ वह काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी से कहता हूं, जॉन, अक्षय की फिल्में बिग बजट की होती हैं और मुझे नहीं पता कि 600-800 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म कैसे बनाई जाती है।

शाहरुख और अजय के लिए कही ऐसी बात

निर्देशक ने कहा कि वे शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन बहुत बड़े सितारे हैं। उनके फैंस को संतुष्ट करने के लिए उन नंबरों की बहुत जरूरत होती है और इतने बड़े बजट की फिल्में बनाना मुझे तो नहीं आता।

शाहरुख के साथ नहीं करेंगे काम

शाहरुख को लेकर निर्देशक ने कहा, कल हो न हो के कारण हम दोनों के बीच काम को लेकर अच्छा रिलेशनशिप है। निखिल ने कहा कि उनके पास फिलहाल शाहरुख के लिए कुछ खास काम नहीं है। मुझे जब तक नहीं लगेगा कि मैं कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम और कल हो न हो जैसी फिल्मों को बीट कर सकता हूं, तब तक उनके साथ काम नहीं

लव स्टोरी से शाहरुख को है नफरत

निखिल आडवाणी ने कहा कि शाहरुख मेरे साथ फिल्म करना चाहते थे, ऐसे में मुझे उनके साथ कल हो न हो जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। निखिल ने कहा कि उन्हें मार धाड़ ही करना था, उन्हें लव स्टोरी करना बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने अब डॉन और पठान में ऐसा ही काम किया, जैसा उन्हें पसंद था। निर्देशक निखिल आडवाणी को हीरो, बाटला हाउस, वेदा, सलाम ए इश्क, कल हो न हो जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

एक रात की कहानी है धूम धाम

प्रतीक गांधी और यामी गौतम धर स्टारर फिल्म धूम धाम 14 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। इसमें यामी और प्रतीक के अलावा प्रतीक बब्बर, मुश्ताक खान आदि हैं।

फिल्म धूम धाम की कहानी और आपका किरदार क्या है?

इसकी कहानी एक रात की है। मेन किरदार यामी और मेरा है। हमारी शाये होती है। आमतौर पर शादी में धाम होती है लेकिन यहां शादी के बाद पहली रात में कुछ ज्यादा ही धूम धाम होती है। न चाहते हुए कोयल (यामी) की लाइफ में कुछ लोग आ जाते हैं, जो एक-दूसरे को जानते नहीं हैं। इसी के चलते चार्ली कौन है, इस पर बवाल खड़ा होता है। फिर तो बहुत सारे लोग जुड़ते जाते हैं। यहां सिचुएशन ही ऐसी है कि दोनों के रियल कलर्स बाहर आते हैं। वह एक-दूसरे को बातों से ही चौकते हैं।

इस फिल्म की कहानी का इंटरेस्टिंग पहलू क्या है?

हम आज तक फिल्मों में हीरो को देखते आए हैं कि वह तमाम लोगों को एक साथ मार गिराता है। हीरो को किसी भी चीज से डर भी नहीं लगता है लेकिन इस फिल्म में हीरो को नए रंग-रूप में देखेंगे। उसे ऊंचाई, पानी और बंद कमरे से डर लगता है। जबकि हीरोइन निडर है। वह किसी से भी भिड़ जाती है।

ववा पूरी फिल्म में एक ही कॉस्ट्यूम पहना है आपने?

पूरी फिल्म में हमारा एक ही कास्ट्यूम है। उसी में भागना, कूदना और सब कुछ करना है। हमारा तो पूरा ध्यान उसी में था कि शेरवानी पहनकर कैसे कूदा जाए। यह अपने आप में एक चैलेंज था। फिल्म में यामी का भी शादी का जोड़ा बहुत हैवी है। यह इतना टेक्निकल हो जाता है कि प्रैक्टिस बहुत ज्यादा करनी पड़ती है। मेरी शेरवानी शूटिंग से एक दिन पहले ही आई थी। इसे जब पहली बार पहना, तब उसकी स्लीव के चलते हाथ की फ्री मूवमेंट नहीं हो पा रही थी। फिर एक सीन में यामी मेरी शेरवानी को खींचकर फाड़ देती हैं। पूरी फिल्म मुंबई में ही शूट हुई है। दोनों एक रात मुंबई में ही भागते हैं, सो पूरी शूटिंग साउथ मुंबई, गोरेगांव की अलग-अलग गलियों और रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर की गई है। इसे लगातार 45 रातों में शूट किया गया है। वीक में एक दिन की छुट्टी होती थी। कहानी एक रात की है, इसलिए रात में ही शूट करना पड़ता था।

फिल्मांकन के दौरान आप लोगों के लिए क्या कुछ चुनौतीपूर्ण रहा?

रात में शूट करना चुनौतीपूर्ण था। पूरी डेली रूटीन चेंज हो जाती है। मुझे और यामी दोनों को देर रात जागना पसंद नहीं है। हम दोनों के लिए दिक्कत यह रही है कि तीन महीने के लिए पूरी दिनचर्या बदलनी पड़ी।

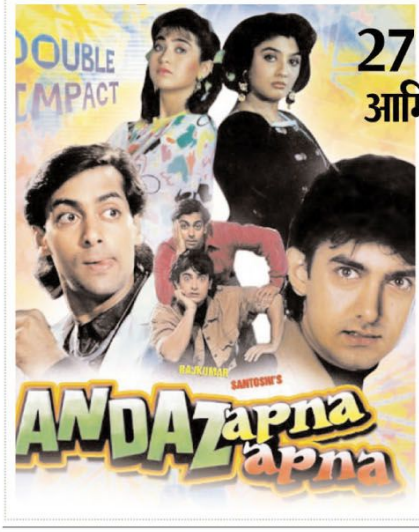

27 मार्च को री-रिलीज होगी आमिर-सलमान की अंदाज अपना-अपना

सलमान खान और आमिर खान की फिल्म अंदाज अपना-अपना का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म सिनेमाघरों में जल्द रिलीज होने वाली है। टीजर में फिल्म की री-रिलीज डेट के बारे में भी बताया गया है। फिल्म 31 साल बाद फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म पहली बार 1994 में रिलीज हुई थी।

कॉमेडी का डबल डोज

फिल्म अंदाज अपना-अपना से कॉमेडी का शानदार डोज फैंस को देखने को मिलने वाला है। इस फिल्म के टीजर में अभिनेताओं की वही मस्ती देखने को मिल रही है। फिल्म को देखने के लिए फैंस में बहुत उत्साह है। जारी हुए टीजर के मुताबिक फिल्म 27 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सिनेमा के लिए तैयार है फिल्म

रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, आमिर खान और सलमान खान की फिल्म को 4K में रिस्टोर और रिमास्टर कर दिया है। साथ ही, इसका साउंड भी डॉल्बी 5.1 में अपग्रेड किया गया है। इससे दर्शकों को एक नया और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव मिलेगा। फिल्म को लेकर मेकर्स ने लिखा- दोस्ती, दिवानगी और धमाकेदार कॉमेडी...एक बार फिर से। हम सब वापस आ रहे हैं, बस तैयार रहना!

रिलीज के समय फ्लॉप रही थी फिल्म

अंदाज अपना अपना एक कॉमेडी फिल्म है, जो अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी। हालांकि, जैसे-जैसे साल गुजरते गए, यह फिल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई। आमिर खान और सलमान खान की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में ऐसी जगह बनाई कि आज भी उनकी केमिस्ट्री को याद किया जाता है। फिल्म में रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर ने भी अहम किरदार निभाए थे। इस फिल्म के संवाद जैसे गलती से मिस्टेक हो गया और क्राइम मास्टर गोगो नाम है मेरा, आंखें निकाल के गोटियां खेलती हूं मैं आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं और ये पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुके हैं।

ग्रैमी विजेता थेरॉन के साथ आएगा नोरा का नया गाना

नोरा फतेही का म्यूजिक वीडियो स्नेक ग्लोबल हिट साबित हुआ। अब वह अपने अगले बड़े म्यूजिक प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गई हैं। निर्माता टॉमी ब्राउन के साथ मिलकर उन्होंने ग्रैमी अवॉर्ड विजेता गीतकार थेरॉन बिली के साथ काम करने का संकेत दिया है। इससे पहले उन्होंने 2019 में पेपेटा गाने में रे वैनी के साथ काम किया था, जिसे 90 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। इसके अलावा डर्टी लिटिल सीक्रेट में जैक नाइट के साथ भी नजर आई थीं। नोरा ने एलबम इट्स टू के लिए सीके के साथ भी काम किया। स्नेक में जेसन डेरुलो और टॉमी ब्राउन के साथ उनका कोलैबोरेशन 24 घंटे में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला वीडियो बना। यह वीडियो ग्लोबल चार्ट में दूसरे स्थान पर पहुंचा और स्पॉटिफाई ग्लोबल चार्ट में तीसरे नंबर पर ट्रेंड करने लगा।

संक्षिप्त समाचार

व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं पसंद आया एलन मस्क के काम का तरीका, रणनीतियों को लेकर जताया रोष

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क का प्रभाव अब 12 से अधिक संघीय एजेंसियों तक बढ़ चुका है, जिससे व्हाइट हाउस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों में नाराजगी देखने को मिल रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चाहते हैं कि मस्क और उनकी टीम सरकारी विभागों में किए जा रहे बड़े बदलावों और छंटनी को लेकर बेहतर समन्वय बनाए। राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स और उनकी टीम को कई बार ऐसा महसूस हुआ कि मस्क की डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी टीम सरकार में किए जा रहे महत्वपूर्ण फैसलों की पूरी जानकारी नहीं दे रही है। हाल ही में हुई एक महत्वपूर्ण बातचीत में, वाइल्स और उनकी टीम ने मस्क को कहा कि हमें हर फैसले की जानकारी दी जानी चाहिए और समन्वय बनाया जाना चाहिए। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मस्क ने दावा किया कि उनकी टीम और ट्रंप प्रशासन पूरी तरह एकजुट हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस के सूत्रों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच समन्वय की कमी बनी हुई है। यह साफ नहीं हो सका कि मस्क ने इस बातचीत के बाद कोई बदलाव किए या नहीं।

दक्षिणी साइबेरिया में 6.4 तीव्रता का भूकंप, पड़ोसी क्षेत्रों में भी लगे झटके

मॉस्को, एजेंसी। रूस के अल्ताई गणराज्य में शनिवार सुबह 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके स्थानीय समय अनुसार सुबह 8:48 बजे महसूस किए गए। रूस के भूकंप विज्ञानियों के मुताबिक, इस भूकंप के झटके पड़ोसी क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। हालांकि, क्षेत्रीय प्रमुख आंद्रेई तुर्चक ने कहा कि भूकंप में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसके बावजूद हाई-अलर्ट व्यवस्था लागू कर दी गई है। इलाके में सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है।

मैं पुतिन से तभी मुलाकात करूंगा, जब ट्रंप के साथ साझा योजना पर बातचीत हो जाएगी : जेलेंस्की

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए तभी सहमत होंगे, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ साझा योजना पर बातचीत हो जाएगी। जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि उनका मानना है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने में ट्रंप की अहम भूमिका हो सकती है। जेलेंस्की बाद में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। विभिन्न पर्यवेक्षकों, विशेष रूप से यूरोपीय पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि वेंस इस सप्ताह ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद वार्ता के माध्यम से यूक्रेन युद्ध के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विचारों पर कुछ प्रकाश डालेंगे।

पोप फ्रांसिस अस्पताल में भर्ती

वेटिकन सिटी, एजेंसी। पोप फ्रांसिस (88) को सांस संबंधी दिक्कत और हल्के बुखार के कारण रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेटिकन ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें ब्रोंकाइटिस की शिकायत थी। पिछले एक सप्ताह से समस्या लगातार बढ़ रही थी। पोप का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत संतोषजनक है। वेटिकन ने शुक्रवार शाम जारी बुलेटिन में कहा कि पोप को 6 फरवरी को ब्रोंकाइटिस का पता चला था, लेकिन वे अपने दैनिक कार्यक्रम जारी रखे हुए थे। हालांकि, उनका भाषणों उनके सहायक पढ़ रहे थे, क्योंकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। पोप फ्रांसिस को युवावस्था में फेफड़े का एक हिस्सा निकालना पड़ा था, और वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे थे। उन्हें सर्दियों में अक्सर ब्रोंकाइटिस की शिकायत होती है। पिछले साल जून में भी उन्हें जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी आंतों की सर्जरी हुई थी।

ट्रंप प्रशासन का कदम, ट्रांसजेंडर अब नहीं बन पाएंगे अमेरिकी सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि वह अब ट्रांसजेंडर लोगों को सेना में भर्ती होने की अनुमति नहीं देगी. साथ ही जवानों को लिंग परिवर्तन से संबंधित प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी. सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है. लिंग को लेकर अवसाद के इतिहास वाले लोगों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. एक्स पर साझा की गई पोस्ट की एक श्रृंखला में अमेरिकी सेना ने लिखा, अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा और सेवा से जुड़े सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगा.

इसमें आगे कहा गया, तत्काल प्रभाव से लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. अमेरिकी सेना की यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने की गई घोषणा के बाद आई है. इसमें उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों

पर हस्ताक्षर किए हैं जो सेना को नया रूप देंगे.

इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सशस्त्र बलों में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है. एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा, लिंग संबंधी अवसाद वाले व्यक्तियों ने हमारे देश की सेवा करने के लिए स्वेच्छा से काम किया है और उनके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाएगा.

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार 27 जनवरी को ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं जो सेना को नया स्वरूप देंगे. इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सेना में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना और कोविड-19 के खिलाफ टीका लगवाने से इनकार करने के कारण बर्खास्त किए गए सैनिकों को पिछले वेतन के साथ बहाल करना शामिल है. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फ्लोरिडा से वाशिंगटन जाते समय एयर फोर्स वन विमान में सवार होकर कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए थे. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 में ट्रांसजेंडर अमेरिकियों को सशस्त्र बलों में सेवा देने से प्रतिबंधित कर दिया था. हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में प्रतिबंध को निरस्त करने का आदेश जारी किया था. 20 जनवरी को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा करने की अनुमति देने के बाइडेन प्रशासन के 2021 के कदम को रद्द करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए.

कनाडा में इतिहास की सबसे बड़ी गोल्ड चोरी का मास्टरमाइंड भारत में! ट्रेस हुई आरोपी की लोकेशन

ओटावा , एजेंसी।
कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी सोने की चोरी के मुख्य आरोपी सिमरन प्रीत पनेसर को भारत में ट्रैक किया गया है। 32 वर्षीय पनेसर, जो कनाडा में 20 मिलियन (करीब 166 करोड़ रुपए) मूल्य के सोने और विदेशी मुद्रा की चोरी के मामले में वांछित है, फिलहाल चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में रह रहा है। संयुक्त जांच में यह खुलासा हुआ कि पनेसर अपनी पत्नी प्रीति पनेसर और परिवार के साथ एक किराए के मकान में रह रहा है।

अप्रैल 2023 में 6,600 सोने की बार (कुल 400 किलोग्राम शुद्ध सोना) और 2.5 मिलियन मूल्य की विदेशी मुद्रा चोरी हो गई थी। यह सोना ज्यूरिख से आई फ्लाइट के जरिए टोरंटो के पियरसन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर पहुंचा था और कुछ ही घंटों बाद यह रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया। इस चोरी को अंजाम देने वालों में पनेसर मुख्य आरोपी है। चोरी के समय पनेसर एयर कनाडा में कार्यरत था और उसने खुद पुलिस को कार्गो एरिया का दौरा करवाया था। बाद में पुलिस को पनेसर पर शक हुआ, लेकिन तब तक वह कनाडा छोड़कर फरार हो गया। जून 2024 में खबर आई कि वह आत्मसमर्पण करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कनाडा की पील रीजनल पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए प्रोजेक्ट 24 कैरेट नाम से ऑपरेशन शुरू किया। इस ऑपरेशन में 20 अधिकारियों ने 1 साल तक 28,096 घंटे और 9,500 ओवरटाइम घंटे काम किया।

भारत-अमेरिका के आतंकवाद विरोधी संयुक्त बयान पर पाकिस्तान को लगी मिर्ची, बोला- भ्रम फैला रहे दोनों देश

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान ने अमेरिका-भारत संयुक्त बयान में अपनी धरती से आतंकवाद के कथित प्रसार का संदर्भ दिए जाने पर आपत्ति जताई और इसे एकतरफा, धार्मक और कूटनीतिक मानदंडों के विपरीत करार दिया। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अमेरिका द्वारा भारत को हथियारों की बिक्री पर चिंता भी व्यक्त की और कहा कि इससे क्षेत्र में सैन्य असंतुलन बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान से आह्वान किया कि वह 26/11 के मुंबई हमलों के साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाने के लिए अपने प्रयास में ''तेजी लाए। ट्रंप ने इस नृशंस हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित करने को मंजूरी देने की घोषणा की है। खान ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि पाकिस्तान इस बात से आश्चर्यचकित है कि अमेरिका के साथ पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी सहयोग के बावजूद संयुक्त बयान में इस संदर्भ को जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा, हम 13 फरवरी 2025 के भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में पाकिस्तान-विशिष्ट संदर्भ को एकतरफा, धार्मक और कूटनीतिक मानदंडों के विपरीत मानते हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने मुंबई हमलों जैसे जघन्य कृत्यों को रोकने के लिए अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा सहित विभिन्न आतंकवादी समूहों से आतंकी खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

एलन मस्क का 13वां सीक्रेट बच्चा महिला का दावा- 5 महीने पहले बेटे को दिया जन्म

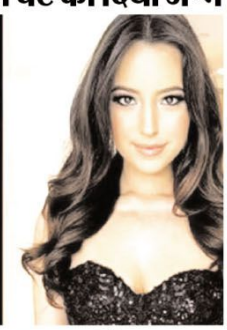

वाशिंगटन, एजेंसी।
टेक अरबपति एलन मस्क को लेकर एक महिला ने बड़ा दावा किया है। एमएजीए इन्फ्लुएंसर ने कहा कि उसने एक बच्चे को जन्म दिया है, जिसके पिता एलन मस्क हैं। महिला के इस दावे को लेकर सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। लोग इसे सुनकर हैरान हैं और सवाल पूछे जा रहे हैं। 31 वर्षीय एशले सेंट क्लेयर ने वैलेंटाइंस डे पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने बताया कि उनका और मस्क का एक बच्चा है जो अभी 5 महीने का है। मालूम हो कि क्लेयर दक्षिणपंथी झुकाव रखती हैं और उन्हें अपने विवादास्पद विचारों के लिए जाना जाता है।

एशले क्लेयर ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 5 महीने पहले मैंने एक बच्चे का इस दुनिया में स्वागत किया। इसके पिता एलन मस्क हैं। मैं अपने बच्चे की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर चिंतित थी। इसलिए मैंने पहले इसका खुलासा नहीं किया। मगर, हाल ही में पता चला कि टैब्लॉयड मीडिया ऐसा करने का इरादा रखता है और उसे इससे होने वाले नुकसान की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं तो अपने बच्चे को सामान्य और सुरक्षित वातावरण में बड़े होते देखना चाहती हूं। इसलिए मीडिया से अपील है कि हमारे बच्चे की गोपनीयता का सम्मान करे। एलन मस्क के 3 बच्चे, कई महिला पार्टनर्स रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क के 12 बच्चे हैं। उनकी तीन महिला पत्नियां रही हैं। उनकी पहली पत्नी जस्टिन के साथ उनके 6 बच्चे हुए। संगीतकार ग्रिम्स से 3 और न्यूरलिंक के पूर्व संचालन निदेशक शिवोन जिलिस से तीन बच्चे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जाता है कि एलन मस्क की कई महिला पार्टनर्स रही हैं। साल 2000 के बाद से वह अब तक कई महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में रह चुके हैं और उन्होंने तलाक भी लिए हैं। बताया जाता है कि एक महिला पार्टनर के साथ वह दो बार रिलेशनशिप में रहे और फिर ब्रेकअप हो गया। अब महिला इंफ्लूएंसर नए दावे से सोशल मीडिया पर हलचल और तेज कर दी है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने यूरोपीय देशों को लगाई लताड़

वेंस ने कहा- कब तक हमले झेलेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को यूरोप की अप्रवासन नीति, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीति पर जमकर भड़ास निकाली। जिसकी यूरोपीय देशों ने तीखी आलोचना की। जर्मनी के राष्ट्रपति ने जेडी वेंस की आलोचना पर नाराजगी जाहिर की। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने संबोधन में जेडी वेंस ने कहा कि यूरोप को अब अपनी सुरक्षा के लिए खुद कदम उठाने चाहिए। जेडी वेंस ने कहा कि वाशिंगटन में अब एक नई सरकार आ गई है और अब चीजें उसके हिसाब से होंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी वेंस के बयान का समर्थन किया और कहा कि यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है। साथ ही ट्रंप ने अप्रवासन के मुद्दे पर भी वेंस के बयान के प्रति समर्थन जताया।

जेडी वेंस का बयान उस घटना के बाद सामने आया है, जिसमें म्यूनिख में 24 वर्षीय अफगान युवक ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए। वेंस ने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के हमले झेलने पड़ेंगे या फिर हमें अपनी सभ्यता को नई दिशा में लेकर जाना चाहिए यूरोप और अमेरिका में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जहां शरण लेने वाले लोगों ने इस तरह के हमलों को अंजाम दिया। वेंस ने कहा कि कोई भी मतदाता इसलिए मतदान नहीं करता कि शरणार्थियों के लिए दरवाजे खोल दिए जाएं।

जर्मनी ने उनकी राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। जर्मनी का निशाना मस्क की तरफ था, जो जर्मनी के आम चुनाव में खुलकर जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। जेडी वेंस ने भी म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी की प्रमुख एलिस वीडेल से मुलाकात की। जर्मन की राजनीति में दखल के आरोपों पर वेंस ने कहा कि अगर अमेरिकी लोकतंत्र 10 साल तक पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग की डांट सुन सकता है तो वे कुछ महीने तक एलन मस्क को झेल ही सकते हैं। वेंस के इस बयान से जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। वहीं जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वॉल्टर स्टीनमीर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका और जर्मनी के रिश्तों में गिरावट आई है। स्टीनमीर ने कहा कि दुनिया को लेकर जो हमारी सोच है, अमेरिका के मौजूदा प्रशासन की सोच उससे बहुत अलग है।

कनाडा जाने के लिए युवती ने की चोरी, 14 लाख रुपए और गहने लेकर हुई फरार

ओटावा , एजेंसी। मालेरकोटला में एक युवती ने कनाडा जाने की चाहत में अपने घर से 14 लाख रुपए, 16 तोले सोने के गहने और 25 तोले चांदी के गहने चोरी कर फरार हो गई। इस घटना के बाद युवती की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने युवती और उसके तीन साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सईमा ने बताया कि उसकी चार संतानें हैं। इनमें सबसे बड़ी बेटी तहरीम पठान (20 वर्ष) है, जो पढ़ाई करती थी और कनाडा जाने की ख्वाहिश रखती थी। तहरीम की दोस्ती आलिजबा नाम की एक युवती से हो गई थी, जो पहले कनाडा में रहती थी और कुछ समय बाद वापस मालेरकोटला आ गई। आलिजबा ने तहरीम को बताया कि वह उसे 20 लाख रुपए में कनाडा की पीआर दिलवाएगी। वह पैसे का प्रबंध करके अपनी बुआ के बेटे ताबिश से निकाह करवा ले, जिससे ताबिश स्पाउज वीजा के जरिए उसे कनाडा भेज देगा। इस पर तहरीम ने आलिजबा की बात मानी और इस योजना में शामिल हो गई। 10 फरवरी को तहरीम के माता-पिता घर पर नहीं थे, क्योंकि उसका पिता दुकान पर गया हुआ था और माँ अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्तेदार के घर गई थी। दोनों बेटे कोचिंग गए हुए थे। जब सईमा शाम को 6 बजे घर लौटी, तो उसने देखा कि तहरीम घर पर नहीं थी और घर का सामान बिखरा पड़ा था। सईमा ने अपनी बेटी की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिली।

अमेरिका बोला- हम यूक्रेन में टिकाऊ शांति चाहते हैं, यूरोप से कहा- अपनी सुरक्षा मजबूत करो

म्यूनिख, एजेंसी।
जर्मनी के म्यूनिख में जारी सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक की। वेंस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में टिकाऊ और स्थायी शांति चाहता है। हम ऐसी शांति नहीं चाहते जिससे आने वाले सालों में पूर्वी यूरोप में संघर्ष शुरू हो जाए। जेडी वेंस ने यूरोप से कहा कि वह अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए कदम बढ़ाए ताकि अमेरिका दुनिया में अन्य जगहों पर मौजूद खतरों पर भी फोकस कर सके। बैठक से पहले वेंस ने कहा था कि यूरोप को भी इस बैठक में शामिल होना चाहिए। अमेरिका रूस पर दबाव बनाने के लिए तैयार है। म्यूनिख में 14 फरवरी से 16 फरवरी तक 3 दिन की सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस जारी है।

जेलेंस्की ने वेंस के साथ मुलाकात के बाद कहा कि हमारी बीच अच्छी बातचीत हुई। भले ही ये हमारे बीच पहली मुलाकात थी, लेकिन ये आखिरी नहीं है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने ट्वीट किया- हम जल्द से जल्द सुरक्षा गारंटी के साथ शांति समझौते के लिए तैयार हैं। बैठक से पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अमेरिका और रूस बिना यूक्रेन को शामिल किए डील करते हैं, तो सफल नहीं होगी। जेलेंस्की का कहना था कि यूक्रेन तभी बातचीत के लिए तैयार होगा, जब सुरक्षा गारंटी मिलेगी। मैं कातिल (पुतिन) के साथ बैठने के लिए भी तैयार हूं, लेकिन सुरक्षा गारंटी के बिना सब बेकार है। अमेरिकी

उपराष्ट्रपति ने अप्रवासियों के मुद्दे पर भी यूरोपीय सरकारों को आड़े हाथ लिया। हाल ही में जर्मनी में एक अफगान व्यक्ति ने लोगों को कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए थे। इसे लेकर उन्होंने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के भयानक झटकों का सामना करना पड़ेगा। यह एक डरावनी कहानी है, जिसे हमने यूरोप और अमेरिका में भी बहुत बार सुना है। ट्रम्प ने वेंस का समर्थन करते हुए कहा कि मैंने उनका भाषण सुना। उन्होंने अप्रवासियों के बारे में बात की, जो यूरोप में एक बड़ी दिक्कत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बुधवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर जंग खत्म करने को लेकर बातचीत की थी। ट्रम्प की पुतिन से लगभग डेढ़ घंटे बातचीत हुई। दोनों नेता एक-दूसरे के देशों का दौरा करने पर सहमत हुए। दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने साफ कर दिया कि अमेरिका अब यूक्रेन को पहले की तरह बड़ी आर्थिक और सैन्य सहायता नहीं देगा। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प यूक्रेन की नाटो में सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। हेगसेथ ने कहा कि यूक्रेन के लिए 2014 से पहले की सीमाओं पर लौटना अब असंभव है। अमेरिका रूस के साथ किसी भी शांति समझौते के लिए यूक्रेन में सैनिक नहीं भेजेगा।

ट्रम्प 100 दिन के भीतर जंग रोकने की कोशिश में जुटे: अमेरिका में ट्रम्प के शपथ लेने के बाद रूस-यूक्रेन जंग के समाप्त होने को लेकर चर्चा बढ़ गई है। चुनाव के दौरान ट्रम्प ने यह दावा किया था कि वे शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर जंग रोक देंगे। पिछले महीने यूक्रेन में ट्रम्प के विशेष शांति दूत कीथ केलॉग ने कहा था कि उनका मकसद ट्रम्प प्रशासन के 100 दिन के भीतर जंग रोकना है।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की वापसी

भारत के कप्तान होंगे तेंदुलकर, श्रीलंका के संगकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर पहली इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत के कप्तान होंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा श्रीलंका की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय मास्टर्स टीम का ऐलान यहां शुक्रवार को किया गया जिसमें विश्व कप विजेता युवराज सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण में खेलने के बारे में बोलते हुए, इरफान पठान ने कहा कि इंटरनेशनल मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग को श्रद्धांजलि देता है। मैं लीग के सीजन 1 में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने और उस्ताद सचिन तेंदुलकर और अन्य सहयोगियों के साथ खेलने के लिए रोमांचित हूं, जिनके साथ मैंने अतीत में कई सुखद और अनमोल क्षण साझा किए हैं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं, लेकिन मैं क्रिकेट प्रशंसकों को आश्वस्त कर सकता हूं कि हम मैदान पर उदार नहीं होंगे। हम कठिन क्रिकेट का उत्पादन करेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

आईएमएलटी20 के लिए भारतीय मास्टर्स टीम

सचिन (कप्तान), युवराज, रैना, रायडू, यूसुफ, इरफान, बिन्नी, कुलकर्णी, विनय कुमार, नदीम, राहुल शर्मा, ओझा, नेगी, गुरकीरत मान, मिथुन। वहीं, कुमार संगकारा के नेतृत्व में श्रीलंका मास्टर्स कौशल और अनुभव में मास्टरक्लास का वादा करता है। खेल के राजदूत, संगकारा क्रमशः 2007 और 2011 में दो बार पचास ओवर के विश्व कप फाइनलिस्ट और 2014 में टी20 विश्व कप विजेता थे। उनके साथ श्रीलंका की 1996 विश्व कप विजेता टीम के तेजतर्रार ओपनर-कीपर रोमेश कालुविथराना भी शामिल होंगे।

पहली बाजी गंवाने के बाद गुकेश की नजरें करुआना के खिलाफ वापसी पर

हैम्बर्ग (जर्मनी) (एजेंसी)। विश्व चैंपियन डी गुकेश पहली बाजी गंवाने के बाद मंगलवार को यहां फी स्टाइल ग्रैंडस्लैम शतरंज टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के फाबियानो करुआना के खिलाफ वापसी करने के इरादे से उतरेंगे। रविवार को 'सामान्य टाइम कंट्रोल के अंतर्गत गुकेश क्वार्टर फाइनल की पहली बाजी में करुआना से हार गए थे। भारतीय खिलाड़ी अब काले मोहरों से खेलते हुए दबाव में होगा और मुकाबले को बराबर कराने के लिए उन्हें करुआना को हर हाल में हराना होगा। फीस्टाइल शतरंज में प्यादे अपनी जगह पर बरकरार रहते हैं जबकि बाकी मोहरों की स्थिति को 960 तरीके से बदला जा सकता है। महान खिलाड़ी बॉबी फिशर फीस्टाइल शतरंज की वकालत करने वाले पहले व्यक्ति थे और नए प्रारूप को मिले समर्थन को देखते हुए यह खेल का भविष्य हो सकता है। पहली बाजी में गुकेश ने अधिकांश समय दबदबा बनाए रखा था लेकिन इसके बाद उन्होंने करुआना को वापसी करने का मौका दे दिया।

मैग्नस कार्लसन ने भी उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। क्वार्टर फाइनल की अन्य बाजियों में उज्बेकिस्तान के जेवोखिर सिंदारोव ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के साथ ड्रॉ खेला जबकि नीवें स्थान के मुकाबले में अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेदोसीव को हराया।

घर में ट्राई सीरीज हारा पाकिस्तान

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान मैच में घुस आई काली बिल्ली, चील का शिकार होने से बची

करांची (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान के लिए बुरी खबर तैयार है। पाकिस्तान ने घरेलू मैदानों पर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गई वनडे सीरीज गंवा दी है। शुक्रवार को फाइनल मुकाबला पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड में था जिसमें न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पहले पाकिस्तान को 242 रन पर ही रोक दिया। उसके बाद महज 5 विकेट खोकर ही पाकिस्तान को फाइनल में धो दिया। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाए जबकि पाकिस्तान की ओर से नसीह शाह के लिए 2 विकेट टीम के काम नहीं आए।

मैच के दौरान 24वें ओवर में दर्शकों को एक खास वाकया भी देखने को मिला। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल और कॉनवे क्रीज पर बने हुए थे तभी एक काले रंग की बिल्ली मैदान में घुस गई। वह जब मैदान पर थी तब मैच को रोक दिया गया।

वहीं, बिल्ली धीरे धीरे मैदान से बाहर जाती दिखी। इस दौरान एक अजब वाकया भी देखने को मिला जब बिल्ली को एक चील ने उठाने की कोशिश की। दर्शकों के सामने जब यह सीन आया तो वह उत्साहित हो गए। चील बिल्ली को पकड़ने के काफी करीब आ गया था लेकिन वह किसी तरह भागने में सफल रही।

बता दें कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान के लिए यह बुरी खबर तैयार है। उन्होंने घरेलू मैदानों पर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गई वनडे सीरीज गंवा दी है। शुक्रवार को फाइनल में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पहले पाकिस्तान को 242 रन पर ही रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओ-रूर्के ने 43 रन देकर 4 विकेट लीं। उसके बाद महज 5 विकेट खोकर ही पाकिस्तान को फाइनल में धो दिया। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाए जबकि पाकिस्तान की ओर से नसीह शाह के लिए 2 विकेट टीम के काम नहीं आए।

शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ और मोहम्मद हसनैन जैसे खिलाड़ियों में विविधता की कमी साफ झलक रही है, खासकर उन पिचों पर जो ज्यादा सहायता नहीं देती हैं। गति में बदलाव, सटीक यॉर्कर डालना और सपाट ट्रैक के अनुकूल ढलने जैसे कौशल में उल्लेखनीय कमी है। वहीं, पाकिस्तान टीम अक्सर 4 तेज गेंदबाजों की रणनीति के साथ चलती है, जिससे कभी-कभी उनके पास स्पिन विकल्पों की कमी हो जाती है। यह उपमहाद्वीप की पिचों पर कमजोरी हो जाती है जहां स्पिन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

पाकिस्तान - फखर जमान, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैय्यब ताहिर, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड - विल यंग, डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, जैकब डफी, विलियम ओ-रूर्के

महिला प्रीमियर लीग 2025

गार्डनर से नफरत कर सकती हैं स्मृति मंधाना, आंकड़े ही हैं कुछ ऐसे

बेंगलुरु (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के तहत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हुए मुकाबले में गुजरात जायंट्स की एशले गार्डनर ने एक बार फिर से शानदार शुरूआत की। एशले ने पहले खेलते हुए 37 गेंदों पर तेजतर्रार 79 रन बनाए और बाद में गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में स्मृति मंधाना और डेनियल के विकेट निकाल दिए। एशले की गेंदबाजी को समझने में स्मृति शुरूआत से ही असमर्थ रही हैं। वह महिला टवेंटी 20 क्रिकेट की एकमात्र ऐसी बल्लेबाज बन गई है जो गार्डनर से सर्वाधिक 9 बार आऊट हुई हैं। यह है रिकॉर्ड-

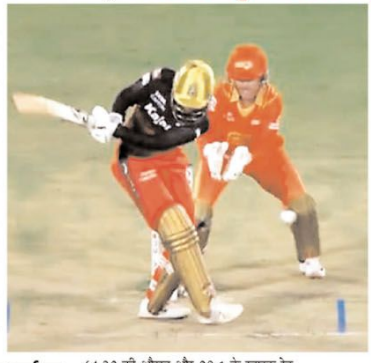

टी20 में मंधाना बनाम गार्डनर

पारियां 26, रन 149, गेंदें 150, आऊट 9, औसत 16.55, एसआर 99.33 - स्मृति के लिए साल 2024 शानदार रहा था। उन्होंने 3 शतक बनाए जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बैक-टू-बैक शतक भी शामिल है। वह इस दौरान 10 वनडे मैचों में 64.20 की औसत और 98.1 के स्ट्राइक रेट से 642 रन बनाने में सफल रही। उन्हें आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 अवॉर्ड भी मिला है।

ऐसा रहा मैच - बेंगलुरु ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी चुनी। गुजरात को बेथ मूनी ने शानदार शुरूआत दी। उन्होंने 56 रन बनाए। इसके बाद कप्तान एशले ने 79 रन बनाकर टीम स्कोर 201 तक पहुंचा दिया। एशले ने अपनी पारी के दौरान 8 छक्के जड़े। इस दौरान डॉटिन ने 25 तो हरलीन ने 4 गेंदों पर 9 रन बनाए। अब स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली बेंगलुरु के सामने कठिन लक्ष्य है। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु ने जल्दी ही स्मृति मंधाना और डेनियल का विकेट गंवा दिया। इसके बाद एलिसा पैरी ने पांव जमाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला - स्मृति मंधाना (कप्तान), डेनिएल व्याट-हॉज, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, ऋचा घोष (विकेटकीपर), कनिका आहूजा, जॉर्जिया वेयरहम, किम गर्थ, प्रेमा रावत, जोशिता वीजे, रेणुका ठाकुर सिंह

गुजरात जायंट्स महिला-लॉरा वोल्वार्ड्ट, बेथ मूनी (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, एशले गार्डनर (कप्तान), डींड्रा डॉटिन, हरलीन देओल, सिमरन शेख, तनुजा कंवर, सयाली सतघरे, प्रिया मिश्रा, काशवी गौतम

ब्रायन बेनेट ने अकेले धो दी आयरलैंड की टीम, जिम्बाब्वे 49 रन से जीती

हरारे (एजेंसी)। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिमबाब्वे की ओर से ब्रायन बेनेट ने वन मैन शो चलाया जिससे उनकी टीम 299 के मजबूत स्कोर तक पहुंची। इसके बाद मुजारबानी ने 4 विकेट लेकर आयरलैंड को 49 रन से मात दे दी। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रायन बेनेट के 163 गेंदों पर 20 चौके और 3 छक्कों की मदद से बनाए गए 169 रनों की बदौलत 5 विकेट खोकर 299 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी आयरलैंड टीम 46 ओवरों में 250 रन पर ऑलआऊट हो गई। आयरलैंड को समेटने में मुजारबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा का भी योगदान रहा। बहरहाल, 169 रन की पारी खेलकर ब्रायन बेनेट जिमबाब्वे की ओर से वनडे में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पांचवें स्थान पर आ गए।

जिम्बाब्वे के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत वनडे स्कोर

चार्ल्स कोवेंट्री - 194* बनाम बांग्लादेश, 2009
हैमिल्टन मसाकादजा - 178* बनाम केन्या, 2009
सीन विलियम्स - 174 बनाम यूएसए, 2023
क्रेग विशार्ट - 172* बनाम नामीबिया, 2003
ब्रायन बेनेट - 169 बनाम आयरलैंड, 2024

जिम्बाब्वे के क्रिकेटर ब्रायन बेनेट अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और ऑफ स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों (टेस्ट, वनडे और टी20आई) में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। वह अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 में जिम्बाब्वे के शीर्ष रन-स्कोरर थे। उन्होंने दिसंबर 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ नाटकीय अंदाज में अपना पहला टेस्ट शतक बनाया था।

ऐसा रहा मैच

जिमबाब्वे को ब्रायन और बेन ने अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। बेन ने 28 रन बनाए। इसके बाद कप्तान क्रेग इरविन ने 66 रन बनाकर ब्रायन का साथ दिया। ब्रायन ने 163 गेंदों पर 169 रन बनाए और टीम स्कोर 299 तक ले गए। जवाब में खेलने उतरी आयरलैंड टीम 250 रन ही बना पाई। कप्तान पॉल स्टर्लिंग 32, कैम्फर 44, हैरी टेक्टर 39, टकर 31, डॉकरेल 34 और एंडी 32 रन ही बना पाए जिससे टीम 250 रन ही बना पाई और 49 रन से मुकाबला गंवा दिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

आयरलैंड - पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर (विकेटकीपर), जॉर्ज डॉकरेल, एंडी मैकब्राइन, मार्क अडायर, ग्राहम ह्यूम, मैथ्यू हम्फ्रेस, जोशुआ लिटिल

जिम्बाब्वे - तदिवानाशे मारुमनी (विकेटकीपर), बेन कुरेन, क्रेग एर्विन (कप्तान), सिकंदर रजा, ब्रायन बेनेट, वेस्ली मधेवेरे, जॉनाथन कैंपबेल, वेलिंगटन मसाकादजा, न्यूमैन न्यामुरी, रिचर्ड नगारावा, ब्लेसिंग मुजरबानी

श्रीलंका ने हासिल की ऑस्ट्रेलिया पर सबसे बड़ी वनडे जीत, सीरीज भी जीती

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका से टेस्ट सीरीज 2-0 से जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज 2-0 से गंवा दी है। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए दूसरे वनडे में श्रीलंका ने 174 रनों से जीत हासिल कर सीरीज अपने नाम कर ली। यह जीत श्रीलंका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रनों के हिसाब से सबसे बड़ी वनडे जीत थी, जो इस श्रृंखला में उनकी श्रेष्ठता को उजागर करती है। वहीं, चोटों या व्यक्तिगत कारणों से कई प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने मुसीबतें ही हैं। यही टीम चैंपियंस ट्रॉफी में जाएगी जहां जीतना उनके लिए काफी मुश्किल होगा।

श्रीलंका : 281/4 (50 ओवर)

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 50 ओवर में 4 विकेट पर 281 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। मुख्य योगदान कुसल मेंडिस का रहा जिन्होंने अपना पांचवां एकदिवसीय शतक (115 गेंदों पर 101) लगाया। पहले वनडे में कुसल खास स्कोर नहीं बना पाए थे। इसके बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे चैरिथ असलांका ने 66 गेंदों पर नाबाद 78 रनों का योगदान दिया। निशान मदुष्का ने भी अर्धशतक (51) लगाया और स्कोर 281 तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए सीन एबॉट सबसे

किफायती गेंदबाज रहे, उन्होंने 1-41 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया : 107 (24.2 ओवर)

ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य का पीछा करने में संघर्ष करना पड़ा और 25वें ओवर में ऑल आउट होने से पहले वह केवल 107 रन ही बना सका। स्टीव स्मिथ 29 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लाइनअप को श्रीलंकाई गेंदबाजों ने तहस-नहस कर दिया। दुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा और अंसिथा फर्नांडो ने 3-3 विकेट लिए। वेलालेज ने 4-35, हसरंगा ने 3-23 तो फर्नांडो ने 3-23 के आंकड़े दिए। जीत हासिल करने के बाद श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने कहा कि मुझे लगता है कि सफलता का कोई मंत्र नहीं है, मैं सिर्फ टीम के लिए बड़े शतक बनाना चाहता हूं और फिर चाहता हूं कि गेंदबाज 3-4 विकेट हासिल करें। आज कम उछाल था लेकिन इतना सीम मूवमेंट नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने (ऑस्ट्रेलिया) भी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन आज हमारा दिन था।

स्टीव स्मिथ ने कहा कि हम पिछले 2 मैचों में मात खा गए, हमने यहां बहुत सारे खिलाड़ियों का उपयोग किया है। हम आगे बढ़ते रहे लेकिन इसका श्रेय श्रीलंका को जाता है। वे इस सीरीज में शानदार रहे हैं। उनके गेंदबाजों ने असाधारण रूप से अच्छा खेला, इस विकेट पर गेंद अच्छी तरह से फिसली और चीजें कठिन हो गईं। यहां श्रीलंका में कुछ मजेदार समय बीता, कुछ बेहतरीन यादें। हम आतिथ्य की सराहना करते हैं और कुछ अच्छे क्रिकेट का हिस्सा बनकर भी खुश हैं।

भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार : अमित शाह

हल्द्वानी (एजेंसी)। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों का समापन समारोह के अवसर पर कहा कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने अगले मेजबान मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को ध्वज सौंपने से पहले खेलों के समापन की घोषणा की।

शाह ने अपने संबोधन में 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं आज यह कह सकता हूं कि खेलों में भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शाह को स्मृति चिन्ह, शॉल और गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। शाह ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित समारोह में कहा, 'देव भूमि ने केवल राष्ट्रीय खेलों के कारण, बल्कि खेलों में अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेलों की सफल मेजबानी के कारण खेल भूमि में बदल गई है। मैंने यहां देखा कि राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाए गए कुछ रिकॉर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं।

शाह और धामी के अलावा जिन अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने समापन समारोह में भाग लिया उनमें केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, मेघालय के मुख्यमंत्री कोंगकल संगमा, उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम और ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग शामिल हैं। मांडविया ने कहा, 'उत्तराखंड ने देश को बताया है कि यह सिर्फ देवभूमि नहीं बल्कि खेलभूमि भी है। राज्य ने सुनिश्चित किया कि खेलों के दौरान किसी भी खिलाड़ी को कोई कठिनाई न हो। यह भारत के खेल केंद्र बनने की शुरुआत है।

आयोजन स्थल की क्षमता 25,000 है और यह समारोह के लिए खचाखच भरा हुआ था। मांडविया ने कहा, 'यह 2036 तक भारत के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की शुरुआत है। देश में अब एक खेल पारिस्थितिकी तंत्र है। यह खेल सहित हर पहलू में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उषा ने कहा, 'सफर यहीं खत्म नहीं होता, यह भारतीय खेलों के लिए सिर्फ शुरुआत है।

यहां राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत 28 जनवरी को हुई थी जिसमें सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएसबीबी) कुल 121 पदक (68 स्वर्ण, 26 रजत, 27 कांस्य) के साथ पिछले छह राष्ट्रीय खेल में पांचवीं बार पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। महाराष्ट्र ने 198 (54 स्वर्ण, 71 रजत, 73 कांस्य) के साथ सेना से अधिक पदक जीते लेकिन कम स्वर्ण पदक जीतने के कारण वह दूसरे स्थान पर रहा। यहां तक ??कि हरियाणा को 153 (48 स्वर्ण, 47 रजत, 58 कांस्य) के साथ सेना से अधिक पदक मिले, लेकिन उसे तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। मेजबान उत्तराखंड 24 स्वर्ण, 35 रजत और 44 कांस्य सहित कुल 103 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा।

प्रदर्शन किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं

चैम्पियंस ट्रॉफी में बुमराह की अनुपस्थिति पर बोले कपिल देव

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की दुर्भाग्यपूर्ण चोट पर अपनी राय रखी है। बुमराह के प्रभाव को स्वीकार करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी अनुपस्थिति में टीम को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए।

बुमराह सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम टेस्ट में भारत की अगुआई करते समय पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट के कारण मार्की टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वह सीरीज में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे, जिन्होंने अपने असाधारण नियंत्रण और आक्रामक गेंदबाजी से लगातार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया। उनकी अनुपस्थिति भारत के लिए एक बड़ा झटका है, खासकर टी20 विश्व कप 2024 में उनके मैच जीतने वाले प्रदर्शन को देखते हुए।

कपिल देव ने एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, प्रदर्शन किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करता, यह टीम पर निर्भर करता है, लेकिन हां, अगर वह फिट नहीं है तो यह अच्छी खबर नहीं है, लेकिन टीम तैयार है। भारतीय टीम को शुभकामनाएं। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें और जीत या हार के बारे में न सोचें।

भारत ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया है। राणा ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली वनडे सीरीज में तीन मैचों में छह विकेट चटकाकर प्रभावित किया। उन्होंने अपने टी20 डेब्यू में भी प्रभाव छोड़ा, जिसमें उन्होंने कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर खेलते हुए तीन विकेट चटकाए। बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद शमी तेज गेंदबाजी की अगुआई करेंगे जबकि अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा अन्य तेज गेंदबाजी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।